



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100 ]  
No. 100]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 10, 2003/चैत्र 20, 1925  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 10, 2003/CHAITRA 20, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय :—यू. एस. ए., चीन जनवादी गणराज्य, जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रिया, फ्रांस, स्पेन तथा इटली से ग्रैफाइट इलेक्ट्रोड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा के अवैध में पाटनरोधी जांच।

28/1/2001-डी जी ए डी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (5) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का उपकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए।

कः—प्रक्रिया—नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :—

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1951 की धारा 9 क (5) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का उपकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार ग्रैफाइट इलेक्ट्रोड ( ) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए निर्णायक समीक्षा शुरू की है जैसा कि प्राधिकारी के 9 जून, 1997 की मूल तथा सीमा शुल्क अधिसूचना है। यू एस ए, चीन जनवादी गणराज्य, जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रिया, फ्रांस, स्पेन तथा इटली (इसके बाद सम्बद्ध देश कहा जाएगा।) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं (जिन्हें इसके बाद सम्बद्ध वस्तुएं कहा जाएगा) में दिया जाएगा।
- (ii) प्राधिकारी द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 17 मई, 2002 की सार्वजनिक सूचना जारी की गई जो सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के अध्याय 85 के अंतर्गत वर्गीकृत सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करने के बारे में थी।
- (iii) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग/उपयोक्ता संघों को भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।
- (iv) अधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे पहले की गई जांच के मददे नजर उपलब्ध कराए गए थे) को भी भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी गई थी।

- (v) जांच की अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के किए गए आयातों से संबंधित ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से अनुरोध किया गया।
- (vi) प्राधिकारी ने नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातक तथा सम्बद्ध देशों/यूरोपीय संघ, यूरोपीय उपयोग के शिष्टमंडल, नई दिल्ली को प्रारंभिक अधिसूचना की एक प्रति प्रस्तुत की थी।
- (vii) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों के जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, आवश्यक सूचना मांगने के लिए प्रश्नावली भेजी थी, निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर/जानकारी दिया :—
- (क) मैं चेनाडू रोंगगाआग कार्बन कंपनी लि. (उत्पादक)
- (ख) मैं वियांजिन जिनघई कार्बन प्लाट (उत्पादक)
- (ग) लिआओं योग कार्बन फैक्ट्री (उत्पादक)
- (घ) लियोआनिंग जियोई मैटल्स एंड मिनरल्स कं. लि. (व्यापारी) चीन, जनवादी गणराज्य से भूतपूर्व लियां ओनिंग मैटल्स एंड मिनरल्स, इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट
- (ङ) एस जी एल कार्बन।
- (viii) नई दिल्ली में सम्बद्ध देशों के दूतावास तथा यूरोपीय संघ, यूरोपियन आयोग का शिष्टमंडल को नियम 6(2) के अनुसार इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे अपने-अपने देश के सभी सम्बन्धित निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दे ज्ञात निर्यातक को भेजे गए पत्र की प्रति तथा प्रश्नावली नियम 6(3) के अनुसार सम्बद्ध देशों के दूतावासों तथा यूरोपीय संघ, नई दिल्ली में यूरोपीय आयोग के शिष्टमंडल, को भेजी गई।
- (ix) नियम 6(4) के अनुसार सम्बद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/उपयोक्ता संघों, जिसके ब्यौरे आवश्यक कार्यवाई के लिए याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, को एक प्रश्नावली भेजी :—
- (क) मै. अपन इंडिया स्टी, लुधियाना
- (ख) मैं पंचमहल स्टी लि.; बड़ौदा
- (ग) मार्डन स्टी लि., चंडीगढ़
- (घ) मै. अरिहंत साइनोटेक कारपो, मुंबई, चीन के आयातों के लिए इडैटिंग एजेंट।
- (x) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विपयगत माल का इष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई।
- (xi) प्राधिकारी ने घरेलू, उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार 9-9-2002 को मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।
- (xii) प्राधिकारी ने, अपने पास सार्वजनिक फाइल के रूप में रखे गए, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध द्वारा देखने के लिए खुला रखा;
- (xiii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है;
- (xiv) \*\*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है;
- (xv) जांच 1-4-2001 से 31-12-2001 तक की अवधि के लिए की गई थी।

(ख) घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ता संघों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा जांच। विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर प्रकटन विवरण पत्र में भी विचार किया गया है जिन विचारों पर पहले विचार नहीं किया गया है और जो अब प्रकटन विवरण पत्र के जवाब में व्यक्त किए गए हैं, उन पर नियमों के अनुसार संगत सीमा तक और जहां तक ये इस मामले पर प्रभाव डालते हैं, नीचे संगत पैराग्राफों में विचार किया गया है। हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गयी है, उन पर विचार किया गया है और जहां उचित समझा गया है उन पर नीचे संगत पैराग्राफों में कार्यवाई की गई है।

#### 1. घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार

## (क) विचाराधीन उत्पाद

- ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड का प्रयोग करेंट ले जाने वाले कंडक्टरों के रूप में आर्क भट्टियों में किया जाता है। तदनुसार उनके लिए इस प्रकार की उच्च करेंट तथा पावर फीड लेने योग्य विशेषताओं का होना अनिवार्य है।
- इलैक्ट्रिक आर्क भट्टियों का प्रयोग इलैक्ट्रिक करेंट को गुजार कर भट्टियों में फीड करके इस्पात को पिघलाने के लिए किया जाता है। इस्पात को बनाने के इस तरीके को गौण इस्पात बनाने के नाम से जाना जाता है।
- अल्ट्राहाई पावर/एस पी जी इलैक्ट्रोड के विशेष गुणधर्म नीचे तालिका में दिए गए हैं।

## आंकड़े मूल से

- इलैक्ट्रोड के आकारों का वर्णन इलैक्ट्रोड के डायामीटर के रूप में किया गया है। इलैक्ट्रोड सिलेंड्रीकल आकार के होते हैं। जिसमें आकार का सबके आवश्यक माप डायामीटर होता है। इस प्रकार शामिल किए गए इलैक्ट्रोड के आकार क" तक होता है जिसमें 30 इंच भी शामिल हैं (8" डाय, 9" डाय, 12" डाय, 14" डाय, 16" डाय, 18" डाय, 20" डाय, 22" डाय, 24" डाय, 28" डाय, तथा 30" डाय, 0 है) इसमें पूरा आकार शामिल है, मीट्रिक सिस्टम में आकारों की 200 एम एम, 225 एम एम, 250 एम, 300 एम एम, 350 एम एम, 450 एम एम, 500 एम एम और 750 एम एम के रूप में नोट किया जाना चाहिए। (200 एम एम तक तथा इसमें 750 एम एम भी शामिल हैं।)
- जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग 28"/30" डायामीटर का विनिर्माण और पूर्ति प्रयोग के प्रयोजन से आयातित इलैक्ट्रोड के लिए अपेक्षित आकारों को 24" सहित 8" तक कम कर दिया गया है (600 एम एम डाय सहित 200 एम एम तक)।
- ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के लिए विचितीय मानक की व्यवस्था आई एक्स 9050-1979 के तहत भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा की जानी है। इलैक्ट्रोड के लिए एच एस/आई टी सी वर्गीकरण अध्याय 85-45 के तहत होता है और देश में आयात निम्नलिखित 8 अंकीय कोडों में हो रहे हैं।

आंकड़े मूल या 85451901 ग्रेफाइट के इलैक्ट्रोड के रूप में वर्णन देना है। कोड 8545110 भट्टियों के लिए प्रयुक्त कार्बन के इलैक्ट्रोड के रूप में वर्णन देता है तदनुसार वर्णन/प्रयोग के माध्यम के अधिकांश आयात इन दो कोडों के तहत पाए गए हैं। तथापि, कुछेक नमूना आयातों की प्रविष्टियों के आधार पर कि ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के आयात 85451109 के अंतर्गत भी दिखाए जाते हैं। (भट्टियों के लिए प्रयुक्त अन्य सामग्रियों के इलैक्ट्रोड)।

- ये उत्पाद मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। जांच की अवधि के दौरान सीमाशुल्क 25% था।
- विचाराधीन उत्पाद डायामीटर के यू एस पी ग्रेड का ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड " तक है और इसमें 24" भी शामिल है तथा एम पी जी ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड जिसमें खेरीयंट हाईपावर डायामीटर के इलैक्ट्रोड शामिल है।
- इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेसिन का प्रयोग भट्टियों में चार्ज करते इलैक्ट्रिक करेंट को गुजार कर इस्पात को पिघलाने के लिए किया जाता है। इस्पात तैयार करने के तरीकों को मौज इस्पात निर्माण नायक से जाना जाता है करेंट वाले भट्टियों में किया जाता है और इसमें पावर फीड की बहुत ऊँची दर की आवश्यकता होती है। तदनुसार उनके लिए उच्च करेंट तथा पावर फीड के लिए उनमें गुण होने की यू एच पी ग्रेड का उल्लेख यू एच पी रेटिंग की आर्क भट्टियों में प्रयुक्त ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के रूप में किया जाता है जो विशेष रूप के क्षमता का 500 कि वा ए प्रति भी मेन से अधिक यह है कि अगर की दर भट्टी की क्षमता का आर्क भट्टी प्रति ली टन से अधिक के खर्च में माना जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि पगर की दर भट्टी की क्षमता का आर्क भट्टी भी टन 500 की वा ए के समान या अधिक होता है।
- प्रत्येक इकाई स्वायत्तशासी इकाई है और चीन की सरकार से किसी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष निर्यात के बिना अपने विकास के लिए उत्तरदायी है।
- निष्पत्ती की लाग अकेले 150-200 अम. 510 सी एम टी निकलती है और इसमें मशीनिंग भी समान रूप से महत्वपूर्ण है जो निर्यात कीमत के लिए समायोजित की जानी है।
- हमें कीमत वचनबद्धता के लिए प्रोफार्मा उपलब्ध कराया जाना चाहिए था और पाटनमार्जन और उनकी कीमत की सलाह दी जानी चाहिए थी जिस पर वचनबद्धता दी जानी चाहिए।
- भारत के संबंध में विचारों के उत्तरों पर एक प्रतिनिधि देश के रूप में विचार किया गया, चीन में निर्यातकों/उत्पादकों के प्रतिनिधियों ने उल्लेख किया है कि:—

चूंकि चीन की सरकार उद्योग के कार्यकरण के साथ में अब अधिक हस्तक्षेप नहीं कर रही है, कंपनी के पाम आधारभूत है जो

अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसार स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षित है। कंपनी की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती और वाकार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्तर महत्वपूर्ण बाजार विकृतियों के अधीन नहीं है। कंपनी दिवालियापन तथा संपत्ति कानून के अधीन है जिसने इसके स्थायित्व की गारंटी दी है। अब उद्योग पर बहुत से अनेक कानून लागू होते हैं। इनमें से कुछ कानून जो इन कंपनियों पर लागू होते हैं निम्नानुसार सूचीबद्ध है :—

- चीन में विदेशी मुद्रा विनियोजन तथा अंतरण के प्रशासन हेतु प्रावधान।
- विदेशी विनिमय मुद्रा निपटान, बिक्री और भुगतान के प्रशासन को शासित करने वाले प्रावधान
- विदेशी निवेश उद्यमों के लिए चीन जन. गण. की लेखाकरण प्रणाली
- विदेशी निवेश उद्यमों में श्रम प्रबंधन संबंधी विनियामक
- चीन जन. गण. के लेखाकरण कानून
- चीन जन. गण. के क्षम कानून
- चीन और विदेशी निवेश का उपयोग करते हुए संयुक्त उद्यमों के बारे में चीन जन. गण. के लिए विनियाम है।
- सीनों चीन विदेशी संयुक्त इक्विटी उद्यमों के संबंध में चीन जन. गण. को कानून,
- उद्यम के दिवालियापन के संबंध में चीन जन गण कानून।

चूंकि ये कंपनियां उपयुक्त अलिखित नियमों के प्रति व्यापक रूप से प्रतिबद्ध हैं इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि ये कंपनियां बाजार अर्थ व्यवस्था के सिद्धांतों के तहत प्रचालित होती है। इसके अलावा विश्वभर में जांच प्राधिकारियों ने चीन को एक मानना शुरू कर दिया है। इस प्रकार प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि निर्यातक कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में किया जाना चाहिए।

#### (ग) क्षति, कारणात्मक संबंध और अन्य मुद्दे

मै. लिआओनिंग जिआयी द्वारा निर्यातित इलैक्ट्रोड्स की पहुंच लागत की गणना करते समय निम्नलिखित पर विचार किया जा सकता है।

(क) कुछ इलैक्ट्रोड बिना निष्पल और मशीनिंग के निर्यात किए गए हैं जिनको समायोजित किए जाने की आवश्यकता है।

(ख) सामग्री का सी एन एफ/एम ओ की आधार पर निर्यात किया गया है और इसलिए जहां संगत हो खर्च ए ओ संघ मूल्य बीर पर भाड़े और बीमा में जोड़े जाने चाहिए।

(ग) घरेलू उत्पादक सुपुर्दगी आधार पर सामग्री का बिक्री कर रहे हैं और हमारे ओर से आधारित इलैक्ट्रोडेट पर भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा प्रदत्त अन्तर्देशी या भाड़े से कारण निर्यातों को आयात की प्रत में मोड़ना है।

विकल्पित: भारतीय उत्पादकों की उत्पादन लागत की गणना भाड़े और बीमा लागत को जोड़े बिना किया जाना उत्प्रेक्षित है।

(घ) घरेलू उत्पादकों को बिक्री कर से छूट दी गई प्रतीत होती है। इसलिए क्षति की गणना करते समय आयातों की पहुंच कीमत में एस ए डी को जोड़े जाने की आवश्यकता है।

(ङ) चीनी इलैक्ट्रोड्स की खपत 20% तक अधिक है और इसलिए आयातों की पहुंच कीमत में 20% तक वृद्धि की अथवा विकल्पित: भारतीय उत्पादों की उत्पादन लागत को क्षति के निर्धारण के लिए कीमत की तुलना करते समय 20% तक कम किए जाने की आवश्यकता है।

(च) भारतीय उत्पादकों को उत्पादन लागत की गणना करते समय बीमा, बिक्री कर की दर और परिवहन से संबंधित खर्चों को छोड़ दिए जाने की जरूरत है।

(छ) भारतीय उत्पादक ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स के उत्पादन और बिक्रियों पर काफी अच्छा लाभ अर्जित कर रहे हैं। माननीय सीगेट ने माना है कि किसी निर्णायक समीक्षा में वास्तविक क्षति की पर्याप्त नहीं है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पुनरावृत्ति को भी देखने की आवश्यकता है।

- हम क्षति के संबंध में कोई तर्क देने में असमर्थ हैं और हमें भारतीय उत्पादकों द्वारा दायर की गई क्षति के बारे में सूचना, भारतीय उत्पादकों की वार्षिक रिपोर्ट अथवा भारतीय उत्पादकों द्वारा दायर क्षति के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

2. अपर इंडिया स्टील ने प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों (चीन जन. गण.) से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। आयातक ने समर्थनकारी नमूनों बीजक/पोत लदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं।

#### 3. पंचमहल स्टी लिमिटेड, बड़ौदा

- मै. पंचमहल स्टी लि. ने प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है और जांच अवधि (भी लो माह) की अवधि के दौरान संबद्ध देशों

(चीन जन गण) से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। आयातक ने साक्ष्य निकालने नमूना वीजक/पोतलदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं।

#### 4. माडर्न स्टील लि., चंडीगढ़

- मै. माडर्न स्टी. लि. ने प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया है और जांच अवधि (भी लो माह) की अवधि के दौरान संबद्ध देशों (चीन जन गण) से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। आयातक ने साक्ष्य निकालने नमूना वीजक/पोतलदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं।

#### 3. निर्यातकों के विचार

- मै. लिओयांग कार्बन फैक्ट्री वीजुओ रोड, लिओयांग, लिओयांग, चीन जन गण

##### (क) पाटन

मै. लिओयांग कार्बन फैक्ट्री ने जांच अवधि के दौरान भारत में हुए निर्यातों और घरेलू बाजार में बिक्रियों से संबंधित सूचना दायर की है उत्पादकों ने अपनी फैक्ट्री लागत और भारत में निर्यातों पर प्राप्त लोगों को भी रेगिस्ट्र किया है। उत्पादकों ने इंगित किया है कि वे चीन जन गण के कंपनी नियम के अन्तर्गत स्थापित सीमित उत्तरदायित्व वाली कंपनी संबंधित है और चीन जन गण के नियम पंजीकरण अधिनियम के अधीन पंजीकृत है। उन्होंने इंगित किया है कि लेकिन भारत में उनका अर्थात् मै. सीनोटिक कारपोरेशन, मुंबई है।

- चीन की सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया गया है।
- उत्पादकों ने बताया है कि वे उन्होंने मै. लिआनिंग जिआयी मेटल एण्ड मिनरल्स कं. लि. जो आगे भारत को निर्यात करता है।
- उत्पादकों ने इंगित किया है कि भंडार सूचियों का मूल्यांकन उच्च मूल्य भव्य अथवा निबल वसूली योग्य मूल्य पर है जो भी कम है। पर किया गया है और यह कि उद्योग के उद्यमियों की लेखांकन प्रणाली अर्थात् प्राप्त आधारित लेखांकन प्रणाली अर्थात् प्राप्त आधारित लेखाकरण की अपनाते हैं। मूल्यहास का सिद्धांत एक सरल विधि है और रिकार्ड लेखा लागत वास्तविक लागतों पर आधारित है।
- इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़े और कंपनी द्वारा सामान्य तौर पर निकाली गई लागत के बीच कोई वास्तविक अन्तर नहीं है।

##### 2. लियानंजिन जिहाई कार्बन प्लांट, चीन जन गण

- हमारा संयंत्र राज्य के स्वामित्व वाला संयंत्र है। हमारा भारत में अपना कोई कार्यालय नहीं है और भारत में मै. एरिहंट सिनोटिक कारपोरेशन, मुंबई हमारा एजेंट है।
- हमारी सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया माना है।
- हम लिआनिंग जिआयी मेटल एण्ड मिनरल्स कं. लि. को समाजन बिक्री करते हैं जो आगे भारत को निर्यात करता है।
- हमारे द्वारा सामान के विनिर्माण, निर्यात अथवा परिवहन के लिए कोई प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया है।
- लागत लेखा रिकार्ड वास्तविक लागत पर आधारित है।
- इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़े और कंपनी द्वारा सामान्य तौर पर निकाली गई लागत के बीच कोई खास अन्तर नहीं है।

##### 3. चेगडू रोगुआंग कार्बन कं. लि., चीन जन गण

- चेगडू रोगुआंग कार्बन कं. लि., सीमित उत्तरदायित्व वाली कं. है और चीन जन गण के कंपनी कानून नियम के अन्तर्गत स्थापित/नियंत्रित है तथा चीन जन गण के निगम पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है।
- हमारा भारत में अपना कोई कार्यालय नहीं है और भारत में अरिहंट सिनोटिक कारपोरेशन, मुंबई हमारा एजेंट है।
- हमारी सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है।
- हम लिओनिंग जिआयी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं.लि. के जरिए निर्यात करते हैं।

##### 4. लिओनिंग जिआयी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं.लि., (व्यापारी) पूर्व में चीन जन गण का लिओनिंग मेटल्स मिनरल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट

- लिओनिंग जिआयी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं.लि. (व्यापारी) पूर्व में लिआओनिंग मेटल्स एण्ड मिनरल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट एक सीमित देयता वाली कंपनी है और चीन जन गण के कंपनी कानून के अधीन स्थापित/निगमोक्त है तथा चीन जन गण के निगम पंजीकरण के अधीन पंजीकृत है।

- भारत में हमारा अपना कोई कार्यालय नहीं है।
- भारत में हमारा एजेंट मै० अरिहंत सिनोटेक कारपोरेशन, मुंबई है।
- हमारी सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया गया है।
- हम अपने कार्बन संयंत्रों से विभिन्न ग्रेफाइट इलैक्ट्रोडस ग्रेडों को खरीद रहे हैं जो हमारे साथ असंबद्ध उत्पादक है।
- निर्यातक ने भारत को निर्यात की कीमतें और भारत को निर्यातों के लिए बिक्री कर ढांचा भी उपलब्ध कराया है।
- निर्यातक वाणिज्यिक लेखा प्रणाली को अपनाते हैं और माल सूचियों का मूल्यांकन इनमें से जो भी कम हो निबल वसूली मूल्य पर किया जाता है।
- लेखांकन प्रणाली प्राप्ति पर आधारित है।
- मालसूचियों का मूल्यांकन औसत लागत अथवा निबल वसूली मूल्य, इनमें से जो भी कम से कम हो पर किया जाता है।
- मूल्यहास का सिद्धान्त सामान्य विधि का है।
- लागत लेखा रिकार्ड वास्तविक लागत पर आधारित है।
- इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़े और कंपनी द्वारा सामान्य तौर पर निकाली गई लागतों के बीच कोई खास अन्तर नहीं है।

मै. कउन विवरण के उत्तर में चीन के निर्यातकों की ओर से मै० अरिहंत सिनोटेक कारपोरेशन द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

(क) विचाराधीन उत्पादक

जहां तक हमारा संबंध है इस समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद सामान्य पावन और उच्च पावन बतायी गई है। तथापि हम यह दोहराना चाहते हैं कि भारतीय उत्पादकों द्वारा पहले दायर की गई याचिका जिसके आधार पर आधारित है जिसमें जांच शुरू की गई थी। मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना के साथ-साथ जिसमें कहीं भी हाई पावर ग्रेफाइट इलैक्ट्रोडस के बारे में नहीं बताया गया है। हाई पावर ग्रेफाइट में पहली बार प्रयोग हुआ था। इस प्रकार यह देखा जाता है कि जांच के दौरान और जांच शुरू करने के पश्चात् उत्पाद का दायरा बढ़ा दिया गया है। हमारा यह मानना है कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा जांच शुरू करने के बाद नहीं बढ़ाया जा सकता। चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी उन समीक्षा कर रहे हैं इसलिए कहते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी हर हालत में इस संबंध में पहले के निर्णय पर विचार कर सकते हैं।

(ख) पाटन

(1) यह पाया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था बांकी कंपनियों के रूप में माना है। हम यह दोहराते हैं कि विनिर्माता स्वायत्तशासी कंपनियां हैं और उनकी कीमत समान है। चाहे वह घरेलू बाजार के लिए हो या निर्माण बाजार के लिए होगी। उनकी कीमत कारखानागत कीमत समान है। ये कंपनियां अब सभी कानूनों के प्रति बाध्य हैं जो अन्य बाजार अर्थ व्यवस्था बल्कि देशों में लागू होते हैं। उनके कार्यकरण में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है। कंपनी अपने निर्णय लेने के लिए पूरी तरह से अधिकार संपन्न है। उन्होंने भारत को निर्यात के लिए व्यापारिक कंपनी को उत्पादन लागत से कम कीमत पर आपूर्ति नहीं की है। तीनों उत्पादन कंपनियां लघु कंपनियां हैं, जिनका भारतीय उत्पादक घोट पर सामग्री की आपूर्ति नहीं कर सकते हैं। यहां तक कि लियोनिंग, जो कि एक व्यापार घटना है भी घाटे पर निर्यात नहीं करेगा।

(2) इसके अलावा प्रस्तुत किए गए उत्तर से यह देखा जा सकता है कि चीन में उत्पादन लागत कम है, क्योंकि चीन में कच्ची सामग्री की लागत काफी कम है (कच्ची सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है) और प्रसंस्करण लागत कम है क्योंकि चीन उत्पादक भारतीय उत्पादकों की तरह लम्बी विनिर्माण प्रक्रिया नहीं अपनाते हैं। प्रभुत्व कच्ची सामग्रियां जैसे केल्साइन्ड पेट्रोलियम कोक, विद्युत तथा कोल तार पिच (जो लागत का महत्वपूर्ण भाग है) चीन में बहुत सस्ती है और निकटस्थ क्षेत्रों में उपलब्ध है। चीनी संयंत्र की लागत बहुत कम है यदि इस प्रकार मूल्यहास कम होता है। इसके अलावा ये संयंत्र काफी पुराने हैं।

(3) यह दोहराया गया है कि चीनी निर्यातक बाजार के सिद्धांतों पर कार्य कर रहे हैं। सरकार अब उद्योग के कार्यचालन में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। कंपनियां आधारभूत लेखांकन मानकों के अनुसार स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षा की जाती है। कंपनी की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पर पहले वाली गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न बाजार की पर्याप्त विकृतियों के प्रभावी हों। विनिमय दर के परिवर्तन बाजार दर पर होते हैं। कंपनियों पर दीवालियापन व सम्पत्ति कानून जो कंपनियों के प्रचालन के लिए उनकी वैधानिक निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है। उद्योग पर बहुत से कानून लागू होते हैं। कुछ कानून जो इन कंपनियों पर लागू होते हैं निम्नानुसार हैं :—

चीन में

- विदेशी मुद्रा विनियोजन एवं हस्तांतरण के विनिमय हेतु प्रावधान
- विदेशी मुद्रा विनियोजन एवं हस्तांतरण हेतु प्रावधान
- विदेशी निवेश वाले उद्यमों के लिए चीन जनवादी गणराज्य की लेखांकन प्रणाली

- विदेशी निवेश वाले उद्यमों में श्रम प्रबंधन संबंधी विनियम
- चीन जनवादी गणराज्य को लेखा कानून
- चीन एवं विदेशी निवेश को प्रयोग करने वाले संयुक्त उद्यमों से संबंधित चीन जनवादी गणराज्य के कानूनों के कार्यान्वयन के लिए विनियम
- चीन विदेशी संयुक्त इक्विटी उद्यमों की चीन जनवादी गणराज्य के कानून
- चीन विदेशी सहकारों उद्यम संबंधी चीन जन गण के कानून
- उद्यमों के दिवालियेपन संबंधी चीन जन गण के कानून

(iv) प्राधिकारी से यह आग्रह हो कि निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाए।

(v) इसके अलावा पाटन मार्जिन तथा क्षतिमार्जिन के निर्धारण के समय, यह नोट किया जाना चाहिए कि वह कीमतें जिन पर हमने सामग्री को बेचा है को निम्नानुसार समायोजित करना अपेक्षित है। (क) उन मामलों में निष्पल की आपूर्ति नहीं की गई थी (ख) उन मामलों में मशीनिंग लागत जहाँ मशीन की गई इलेक्ट्रोड आपूर्ति की गई; (ग) ऋण लागत, क्योंकि ब्याज वाले ऋण आधार पर सामानों की आपूर्ति की गई है, क्रेता द्वारा चुकाई गई ब्याज लागत निर्यात कीमत में एक अभिवृद्धि है, क्योंकि यह भी उपभोक्ता द्वारा चुकाई गई कीमत है; (घ) सी एन एक एफ ओ बी आधार पर सामग्री का निर्यात किया गया है।

भाड़े तथा बीमा पर किए गए खर्चों को उन सौदों में जोड़ना अपेक्षित है जो एफ ओ बी आधार पर की गई है। इसी प्रकार सी एन ए पर किए गए सौदों तथा बीमा पर किए गए आधारभूत खर्चों को भी जोड़ना अपेक्षित है। (ड) घरेलू उत्पादक सुपुर्दगी आधार पर सामग्री बेच रहे हैं जैसा कि एक भारतीय उत्पादक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में इस लेख में किए गए खर्चों और (अलग से किए गए विचार विमर्श से भी स्पष्ट है।) भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा हम से आयातित इलेक्ट्रोड पर चुकाए गए अंतर्देशीय भाड़े संबंधी खर्चों को भी आयात कीमत में जोड़ना अपेक्षित है। दूसरी ओर, भारतीय उत्पादकों की उत्पादन लागत की गणना भाड़ा, सौदों तथा बीमा लागतों को शामिल किए बिना की जा सकती है। (च) ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उत्पादकों को बिक्री कर में छूट मिली हुई है। अतः क्षति की गणना से समय 5.8% एस ए ड (100 \* 1.25 \* 116 \* 1.04, एस ए का निवल प्रभाव 5.8% निकलता है, को आयातों के पहुँच मूल्य में जोड़ना अपेक्षित है।

(vi) चीन द्वारा निर्यातित वस्तुओं की गुणवत्ता लायोनिंग की गुणवत्ता की तुलना भारतीय इलेक्ट्रोड के साथ नहीं की जा सकती है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद बहुत अच्छी गुणवत्ता का है। इलेक्ट्रोड की गुणवत्ता निर्धारित करने वाली प्रमुख विशेषताएं बल्क डोन्सेटी, रेस्टिविटी आर करेंट वाहक क्षमता होती है और यही विशेषताएं देश के भीतर उत्पादित इलेक्ट्रोड्स की तुलना में घटिया है।

(ख) क्षति

(i) हम अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराते हैं कि चीन से हुए आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। यह उन कीमतों द्वारा परिलक्षित होता है जिन पर भारतीय उत्पादक एन पी जी इलेक्ट्रोड्स को निर्यात करना पड़ रहा है, इन कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट अधिकांशक लाभ दर्शाना जारी रहता है। वस्तुतः यह कहना अनुचित नहीं होगा कि ये कंपनियां भारतीय बाजार में अधिक कीमतें वसूल करके अपने निर्यातों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। परिणामस्वरूप भारतीय उपभोक्ता जिसमें मुख्य इस्पात उद्योग शामिल है, को नुकसान उठाना पड़ता है।

(ग) अन्य मुद्दे

(ii) याचिकाकर्ताओं ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि हमने उन्हें उत्तर नहीं दिया है और यह रिकार्ड में है।

(iv) उपरोक्त के मद्देनजर, निर्दिष्ट प्राधिकारी यह मानते हैं कि :—

(क) ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड का पालन हो रहा है।

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हो रही है।

(ग) हमारे प्रमुख निर्यातकों द्वारा किए जा रहे निर्यातों द्वारा कोई क्षति नहीं हो रही है।

(घ) आयातों पर से पारवरोधी शुल्क हटाया जाना अपेक्षित है।

(ड) उस मामले में जब कि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह मानते हैं कि अन्य चीनी उत्पादकों पर से हो रहे आयातों पर पास रोधी शुल्क जारी रहना चाहिए तो कम से कम प्रतिवादी निर्यातकों पर से पाटन रोधी शुल्क हटाया जाना अपेक्षित है।

4. मै. एस जी एल कार्बन, पोलेण्ड

दिनांक 5 मई, 1998 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 20/98 द्वारा अधिसूचित तथा 27 मार्च, 1998 से पाँच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी पाटनरोधी शुल्क संबंधी जाँच का दायरा जहाँ तक हमारे व्यवसायिक कार्यकलाप का संबंध है। (यू एच पी ग्रेड शामिल है)।

अप्रैल 2001 से दिसम्बर 2001 की जाँच अवधि के दौरान एस टी एल कार्बन ग्रुप जैसा इसमें उल्लिखित है से भारत को ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी का निर्यात शून्य रहा है। वह हमारे दिनांक 28 जून, 2002 के पत्र द्वारा निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट 2 के अनुसार पहले ही बताया जा चुका है। इसलिए घरेलू बाजार भारत से उत्तर देशों में कीमतों में भारत को ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी के निर्यातकों की तुलना के लिए कोई आंकड़े मौजूद नहीं हैं।



तथापि, जनवरी-दिसम्बर 2001 के दौरान इन देशों से घरेलू बाजार तथा विश्व के अन्य भागों को बेची गई औसत कीमत/मात्रा संबंधी समेकित आंकड़ों को भी निर्यातक प्रश्नावली की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले हमारे दिनांक 28 जून के पत्र द्वारा पास रोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय को प्रस्तुत कर दिया गया है। इन कीमतों से पिछले कुछ वर्षों में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी ग्रेड की कीमत निर्धारण करने वाली बाजारी शक्तियों के परिवर्तनशील आयामों का पता चलता है।

दूसरे शब्दों में, वर्ष 1998 में पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद से ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी ग्रेड की कीमत संरचना में तीव्र परिवर्तन हुए हैं। (जिनके लिए पूर्व में जाँच शुरू की गई थी) जो इन पर लागू पाटनरोधी शुल्क की न्यायसंगतता को निष्प्रभावी कर देते हैं और इसलिए इसे आगे लागू रखना अति प्रयोक्ता उद्योग के व्यावसायिक हितों के लिए हानिकारक होगा और इसे तत्काल हटाया जाना आवश्यक है।

पिछले कुछ वर्षों में स्थानीय उत्पादकों द्वारा घरेलू बाजार में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी ग्रेड की बिक्री कीमत में वृद्धि लाई गई है और वे इस पर लागू पाटनरोधी शुल्क का लाभ उठा रहे हैं। जिससे आयातक अर्थात् औद्योगिक इस्पात विनिर्माणों के घरेलू अंतिम उपयोक्ता, इन उत्पादों के लिए उचित प्रतिस्पर्धा से वंचित हो गए हैं, क्योंकि विश्वभर में इन वर्षों में गिरावट की प्रवृत्ति है।

इन जाधीन देशों अर्थात् अस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन तथा बेल्जियम जिन्हें इलेक्ट्रोड्स यू एच पी के लिए कीमत प्रवृत्तियों की तुलना विकासशील देशों जैसे पोलैण्ड से नहीं की जा सकती। जिसका कारण इन देशों में प्रचलित भिन्न-भिन्न आर्थिक कारक हैं।

जैसा कि सार्वजनिक सुनवाई के दौरान उल्लेख किया गया था और इसलिए ऐसे विकासशील देशों के संबंध में किसी भी संदर्भ को इस अंतिम समीक्षा के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।

इन परिस्थितियों में यह नितान्त आवश्यक है कि उपरोक्त तथ्यों के आलोक में पर नये थे शुल्क लागू करने की समीक्षा की जाए, जिसका आगे कोई भी विस्तार हमारी राय में न्याय संगत नहीं है, हम आपको इस बात की भी जानकारी देना चाहते हैं कि ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स यू एच पी आयातों के उपभोक्ताओं के व्यावसायिक हितों को ध्यान में रचाते हुए सार्वजनिक सुझाई के अनुक्रम में हमारे द्वारा लिए गए कीमत आश्वासनों की तीव्र गति से परिवर्तनशील परिदृश्य में कोई महत्व नहीं है।

प्रकटन विवरण के उत्तर में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

(i) हम यह दोहराना चाहते हैं कि एस जी एम कार्बन ग्रुप का मुख्यालय उपरोक्त उल्लिखित विभिन्न देशों में विनिर्माण सुविधाओं के साथ जर्मनी प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की कोई आवश्यकता है, नहीं थी और इसके अलावा अब जबकि एस जी एल संबंधी इस जाँच में शामिल सभी देश ई यू यूरोपीय संघ के अभिन्न अंग हैं।

इसके अलावा "निर्यातकों के विचार" (कृप्या पृष्ठ सं. 14 देखें) के अंतर्गत व्यक्त विचार एस जी एल ग्रुप के हैं और न कि एस जी एल कार्बन के पोलैण्ड के। जैसा कि पत्र में उल्लेख है।

(ii) हम अपनी स्थिति की पुनः पुष्टि करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान विकसित देशों के रूप में परिभाषित इन देशों नामतः जर्मनी, शून्य निर्यातों को ध्यान में रखते हुए तथा पूर्णतः भिन्न-भिन्न आर्थिक कारकों सहित पोलैण्ड को एक विकासशील देश मानते हुए और जाँच अवधि के दौरान एशिया सहित इन के विभिन्न हिस्सों के लिए उपलब्ध कराए गए पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पुनर्विचार करने हेतु आधार के रूप में लिया जाना चाहिए। जो अब तक उपलब्ध कराए गए तथ्यों तथा आंकड़ों के अनुसार तत्काल प्रभाव से समाप्त करने को न्यायसंगत ठहराते हैं।

अपने लिखित निवेदन में एस जी एक समूह के प्रतिनिधि ने कि उसने यह तर्क देकर निर्दिष्ट अधिकारी ध्यान बांटा है कि पोलैण्ड एक विकासशील देश है जिसके पास अलग-अलग फैक्ट्रियाँ और इस कारण तुलना समीक्षाधीन देशों के साथ तुलना नहीं की जा सकती।

- हम इस बात पर बार देने की चाहते इच्छा करते हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत का निर्धारण मूल्य लगाना नियमित नीति का मामला होता है और इस मामले में उनके पास विभिन्न देशों में वैकल्पिक विनिर्माण सुविधाओं से निर्यात के लिए उत्पाद प्राप्त करने का पता लगाने के लिए विकल्प होता है।
- घरेलू उद्योग उन्हीं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं जिनके पास वैकल्पिक स्थानों से वस्तुओं की आपूर्ति का विकल्प है।
- हमने निर्दिष्ट अधिकारी को इस आशय के साथ उपलब्ध कराए हैं पोलैण्ड और ब्राजील से आयात में संबंध जाँच की शुरुआत के पश्चात् उन्हीं निर्यातकों में दक्षिण अफ्रीका से निर्यात के विकल्प की सूचना दी है। मैसर्स एस जी एल कार्बन के निवेदन से साफ स्पष्ट होता है कि वे ऐसी किसी प्रतिबद्धता को उपलब्ध कराने में रुचि नहीं रखते हैं जो उनकी कीमत निर्धारण नीति के रखते हैं जो उनकी कीमत निर्धारण नीति के संबंध में उनके पेशे की ओर संकेत करती हो।
- मैसर्स लियोनिंग जियाई मेटल्स एण्ड मिनरल्स को. लि., बीमार चीन जनवादी गणराज्य द्वारा निर्यात एवं चीन से कुल आयातों की मात्रा में हाल के वर्षों में अत्यधिक वृद्धि हुई है जो भारतीय बाजार में उनके उत्पादों को भारी बृहत् स्वीकार्यता को प्रदर्शित करती है।
- कुछ भारतीय उपभोक्ता ऐसे हैं जो अपने एन पी जी इलेक्ट्रोड्स की कुल आवश्यकता को चीनी के उत्पादों से पूरा करते हैं।
- चीनी के उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किसी भी सूचना जानकारी की जाँच सरीक्षण केवल पाटनरोधी नियमों के संलग्नक अनुबंध II के पैरा 7 एवं 8 के अंतर्गत यथा परिकल्पित गैर बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के अनुसार ही किया जा सकता है।



(इ) क्षति, कारणात्मक संबंध एवं अन्य मुद्दे

- संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन (मात्रा एवं मूल्य) पिछले दो वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में

तालिका 4.क (यू एच पी ग्रेड श्रेणी)

|             | 1998-99 |             | 1999-2000 |             | 2000-01 |           | 2001-02<br>(नौ महीने) |           |
|-------------|---------|-------------|-----------|-------------|---------|-----------|-----------------------|-----------|
|             | मात्रा  | मूल्य       | मात्रा    | मूल्य       | मात्रा  | मूल्य     | मात्रा                | मूल्य     |
|             | (मी ख)  | (करोड़ रु.) | (मी स)    | (करोड़ रु.) | मी स    | करोड़ रु. | मी स                  | करोड़ रु. |
| याचिकाकर्ता |         |             |           |             |         |           |                       |           |

सी ई एम

जी आई एम

मुख्य कुल योग

सूचीकृत

- पिछले दो वित्तीय वर्षों और चालू वर्ष में आज तक
- याचिकाकर्ताओं तथा पिछले दो वित्तीय वर्षों एवं चालू वर्ष में आज की तारीख तक इस शिकायत में पक्ष नहीं रहे अन्य भारतीय उत्पादकों के अलग-अलग ब्यौरों अनुविभाजन के साथ कुछ भारतीय उत्पादन की मात्रा एवं मूल्य।

तालिका 5 (यू एच पी श्रेणी)

|             | 1998-99 |             | 1999-2000 |             | 2000-01 |           | 2001-02<br>(नौ महीने) |           |
|-------------|---------|-------------|-----------|-------------|---------|-----------|-----------------------|-----------|
|             | मात्रा  | मूल्य       | मात्रा    | मूल्य       | मात्रा  | मूल्य     | मात्रा                | मूल्य     |
|             | (मी ख)  | (करोड़ रु.) | (मी स)    | (करोड़ रु.) | मी स    | करोड़ रु. | मी स                  | करोड़ रु. |
| याचिकाकर्ता |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| एच ई जी     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| सी ई एम     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| जी आई एम    |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| कुल योग     |         |             |           |             |         |           |                       |           |

संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन (मात्रा एवं मूल्य) पिछले दो वर्षों के दौरान एवं चालू वर्ष

का 4.ख (एन पी जी ग्रेड कोटि-उच्च शक्ति सहित शामिल करके)

|             | 1998-99 |             | 1999-2000 |             | 2000-01 |           | 2001-02<br>(नौ महीने) |           |
|-------------|---------|-------------|-----------|-------------|---------|-----------|-----------------------|-----------|
|             | मात्रा  | मूल्य       | मात्रा    | मूल्य       | मात्रा  | मूल्य     | मात्रा                | मूल्य     |
|             | (मी ख)  | (करोड़ रु.) | (मी स)    | (करोड़ रु.) | मी स    | करोड़ रु. | मी स                  | करोड़ रु. |
| याचिकाकर्ता |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| एच ई जी     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| सी ई एम     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| जी आई एम    |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| कुल योग     |         |             |           |             |         |           |                       |           |

निर्देशित स्वीकृत

- याचिकाकर्ता(ओं) तथा पिछले दो वित्तीय वर्षों एवं चालू वर्ष में आज की तारीख तक इस शिकायत में पक्ष नहीं रहे अन्य भारतीय उत्पादकों के अलग-अलग ब्यौरे के साथ कुल भारतीय उत्पादन की मात्रा एवं मूल्य।

|             | 1998-99 |             | 1999-2000 |             | 2000-01 |           | 2001-02<br>(नौ महीने) |           |
|-------------|---------|-------------|-----------|-------------|---------|-----------|-----------------------|-----------|
|             | मात्रा  | मूल्य       | मात्रा    | मूल्य       | मात्रा  | मूल्य     | मात्रा                | मूल्य     |
|             | (मी ख)  | (करोड़ रु.) | (मी स)    | (करोड़ रु.) | मी स    | करोड़ रु. | मी स                  | करोड़ रु. |
| याचिकाकर्ता |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| एच ई जी     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| सी ई एम     |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| जी आई एम    |         |             |           |             |         |           |                       |           |
| कुल योग     |         |             |           |             |         |           |                       |           |

#### • अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड

इंडियन ग्रेफाइट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (आई जी एम ए) से प्राप्त आवेदन के आधार पर, निर्दिष्ट अधिकारी ने जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना सं. ए डी डी/आई डब्ल्यू/43 दिनांक 30 सितंबर, 1996 के द्वारा इस मामले में जाँच परिणाम को 9 जून, 1997 को अधिसूचित किए और संवेद देशों के खिलाफ यू एच पी ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क अक्टूबर, 1997 में अधिसूचित किए गए जो अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचना सं. ए डी डी/आई डब्ल्यू/43, दिनांक 27 मार्च, 1988 के द्वारा घोषित किए गए थे।

- जाँच की अवधि के दौरान पास मार्जिन क्षति मार्जिन के आधार पर इन देशों के लिए उद्गृहीत पास रोधी शुल्क की राशि अलग-अलग भी जो लिए 18220 रु. प्रति मी. टन से लेकर फ्रांस के लिए 30997 रु. प्रति मी. टन के बीच भी उच्चतम की रेंज में विचलित हुई (अन्य देशों के लिए राशि इसी रेंज के अंदर थी।) घरेलू उद्योग ने अपनी शिकायत में 26" व्यास/28" व्यास दी और 30" व्यास को पारित न हुआ मान कर छोड़ दिया था और तदनुसार इन साइजों को प्राधिकारी द्वारा भी छोड़ दिया गया था।
- यह (विशेष रूप से) प्राधिकारियों की जानकारी में यह बात में पायी गयी थी कि एस जी एल कार्बन और यू सी ए आर जो जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, ऑस्ट्रिया और बेल्जियम की ओर से अपने निर्यात पर पाटन रोधी शुल्कों का सामना कर रहे थे वैकल्पिक स्रोतों से पाटन शुरू किया हो गए है। जैसा कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को ज्ञात होगा कि एस जी एक कार्बन ए जी यू एच पी ग्रेड इलेक्ट्रोड्स के सबसे बड़े विनिर्गतिओं में से एक है जिनका मुख्यालय जर्मनी में है। एवं विनिर्माण ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, स्पेन, बेल्जियम, यू एस ए एवं पोलैंड में होता है। यू एस ए में मुख्यालय तथा स्विट्जरलैंड में यूरोपीय मुख्यालय के साथ सू सी ए आर इंटरनेशनल के पास यू एस ए, कनाडा, मैक्सिका, फ्रांस, इटली, जर्मनी, रूस, दक्षिण अफ्रीका एवं ब्राजील में उत्पादन सुविधाएं हैं।
- यहाँ यह कहना असंगत नहीं होगा कि घरेलू उद्योग ने ब्राजील एवं पोलैंड से आयात के खिलाफ एक नई शिकायत दायर की जिसे अब कि अब से दिनांक 29 जनवरी, 2002 के द्वारा प्रारंभ किया गया है और अंतिम शुल्क लगा दिया गया है। टेस्ट जो कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्णायक समीक्षा के मामले जिस परीक्षण को लागू करना अपेक्षित होता वह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(s) के अनुसार पाठन एवं दप्ति की निरंतरता या पुनरावृत्ति की संभावना की जाँच करना है। अतः, किसी नए आवेदन पर वास्तविक अति को निर्धारण हेतु लागू होते को सनसट निर्णायक समीक्षा के मामले में लागू नहीं किया जा सकता है।
- बाजार की संरचना एवं बाजार की स्थितियों जो स्पष्ट तोड़े पर यह पता चलेगा कि निर्यातकों के पास वैकल्पिक स्रोतों से विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति का विकल्प है परिस्थितियों के अंतर्गत यदि देशों पर शुल्कों को इस चरण पर समाप्त कर दिया जाता है तो यह बात स्पष्ट हो जाती है कि पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति से एक बार फिर उन्हीं स्रोतों से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है इस तथ्य के परिप्रेक्ष्य में कि माननीय विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ब्राजील (मैसर्स यू सी ए आर) और पोलैंड (मैसर्स एस जी एल कार्बन) से आयात के खिलाफ जाँच प्रारंभ की है और अंतिम पारोधी शुल्क लगा दिया है, इसकी विशेष रूप से संभावना है।
- पाटनरोधी शुल्क के लगाने के बाद से उद्योग ने अपनी स्थिति में सुधार किया है और बाजार में टिके रहने में सक्षम हुई है। तथापि बीमार घरेलू उद्योग को पूरा लाभ नहीं मिल सका क्योंकि कुछेक निर्यातकों मैसर्स यू सी ए आर/मैसर्स एस जी एल कार्बन ने अपने वैकल्पिक स्रोतों

से वस्तुओं की आपूर्ति जारी रखी। मैसर्स एस जी एल कार्बन ने अपनी पोलैंड स्थित विनिर्माण इकाई से घटित कीमतों पर निर्यात प्रारंभ किया जो पिछले कुछ वर्षों से सतत रूप से जारी है। इसी प्रकार यू सी ए आर ने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका एवं मैक्सिको से घटित पर अपना निर्यात प्रारंभ किया। हमने विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के साथ मामले को इस आधार पर उठाया कि एस जी एल तथा यू सी ए आर की यह कारवाई पाटनरोधी शुल्कों की प्रवचना करने के लिए है और इसीलिए, निर्यातकों की आपूर्ति के स्रोतों पर विचार किए बिना शुल्क का लगाया जाना चाहिए विशेष उन मामलों में जहाँ निर्यातकों (मैसर्स यू सी ए आर/मैसर्स एस जी एल कार्बन) के पास देश पार सुविधाएं हैं। इस समय बीच में उन्हीं निर्यातकों द्वारा अपनी अनेक सुविधाओं (विभिन्न देशों में) का पूरा लाभ उठाते हुए वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति करते हुए पालन जारी किया। इस तथ्य को प्रकाश में कि घरेलू उपयोग को उन्हीं निर्यातकों द्वारा निर्यात, भलेहारि हालांकि विभिन्न स्रोतों के कारण अति जारी रही, हम पोलैंड एवं ब्राजील के खिलाफ उन मामलों से पृथक् मामले करने के लिए विवश हुए हैं जिनसे जाँच प्रारंभ की गई।

- उद्योग ने पुनर्निर्माण एवं लागत में कमी की ओर कई कदम भी उठाए हैं, जिनके कारण परिणाम उत्पादन टन नियत लागत में प्रभावकारी मी के लिए क्षमता उपयोग में हुआ है। उपयुक्त सभी प्रयासों के बावजूद, कीमत द्वारा के कारण की दर उचित स्तर से कघ है।
- जहाँ घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्कों के लगाए जाने से कुछ सहायता प्राप्त हुई है। वही उपरोक्त कारणों से गति को पूर्ति तरह समाप्त नहीं हुई है।
- इन शुल्कों को हटाए जाने से निश्चित रूप से क्षति की पुनरावृत्ति होगी।
- मौजूदा समीक्षा के परिणाम स्वरूप पाटनरोधी शुल्कों को वापस लेने की अंसंगतित स्थिति में, संबद्ध देशों से आयातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड की कीमतें पाटनरोधी शुल्कों के प्रभाव से कम रहेंगी। परिणामस्वरूप, भारतीय उद्योग को भी उसी सीमा तक कीमतों को कम करने की आवश्यकता होगी जिससे उद्योग का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। यह दूसरा घरेलू को उसी स्थिति में पहुंच जाएगा जो पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पहले विद्यमान थी जब घरेलू उद्योग गंभीर क्षति उठा रहा था। निम्नांकित तालिका संबद्ध देशों पर लगाए गए अंतिम शुल्कों एवं वर्तमान पाटनरोधी शुल्कों के हटाए जाने के बाद (अपेक्षित) आवश्यक कीमतों में कमी की मात्रा का पता चलता।

| जाँच अवधि के दौरान घरेलू की निवल बिक्री प्राप्ति                                    |                    | रु/मी स |
|---|--------------------|---------|
| संबद्ध देशों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क  | आस्ट्रिया          |         |
|   | बेल्जियम           |         |
|   | फ्रांस             |         |
|   | जर्मनी अन्य आकार   |         |
|   | इटली               |         |
|   | स्पेन              |         |
|   | यू एस ए            |         |
| पाटनरोधी शुल्कों के बिना अपेक्षित कीमत (पाटनरोधी शुल्क को छोड़कर निवल प्राप्ति घटा) | आस्ट्रिया          |         |
|   | बेल्जियम           |         |
|   | फ्रांस             |         |
|   | जर्मनी अन्य प्रकार |         |
|   | इटली               |         |
|   | स्पेन              |         |
|   | यू एस ए            |         |

इस संबंध में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान चीन जनवादी गणराज्य से आई बी बी के मामले में 2001 (127) ई एक ही 629 (टैरी-डेल) माननीय सीमेट के निर्णय की ओर भी आकृष्ट किया जाता है। तथापि चूँकि इसी निर्णायक समीक्षा संबंधी मामले के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अलग से कोई प्रपत्र निर्धारित नहीं किया गया है इसलिए हम एक नए मामले के लिए आशचित आवेदन प्रपत्र में आवश्यक परिवर्तनों के साथ अपेक्षित सूचना उपलब्ध करा रहे हैं। हमारे इस आशय के मूलभूत अनुरोध के बावजूद भी कि नए मामले के लिए आवेदन प्रपत्र किसी निर्णायक समीक्षा मामले के संबंध में उपयुक्त नहीं है, हम निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान वस्तुतः इस ओर भी आकृष्ट करना चाहेंगे कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगा कर लाभ पहुँचाया गया है।

- एन पी जी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का उपयोग एन पी (सामान्य विद्युत) की चाप मट्टियों में किया जाता है जिसकी रेटिंग विशिष्ट रूप से 400 के वी ए प्रति मी.टन क्षमता अथवा उससे कम मानी जाती है। आज शक्ति इलेक्ट्रोड के परिवर्तन का उपयोग सामान्यतः 400 के वी ए से लेकर 500 के वी ए प्रति मी.टन क्षमता की रेंज में चाप मट्टियों में किया जाता है किंतु इसका उपयोग वहां भी किया जा सकता है जहां इस संबंध में किसी निश्चित कटौती के बिना एन पी जो इलेक्ट्रोड्स का उपयोग किया जाता है।
- इस समीक्षा में ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली तथा यू एस ए से यू एच पी ग्रेड के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स तथा चीन से एन पी जी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का घटन शामिल है।
- जहां तक उस विचाराधीन उत्पाद का संबंध है, जिसने अंतिम रूप प्राप्त कर लिया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इन कार्यवाहियों में उसका पुनः निरीक्षण करने को कोई गुंजाइश नहीं है।

#### (ख) समान वस्तु

- ऐसा कोई अन्य उत्पाद नहीं है जिसे संबद्ध वस्तु ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का व्यावहारिक तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापन माना जा सके और जो यू एच पी मट्टियों में संतोषजनक ढंग से कार्य कर सके।
- घरेलू उद्योग के उत्पाद के गुण/विशेषताएँ आयातित इलेक्ट्रोड्स के गुण/विशेषताओं से तुलनीय/मिलती जुलती है। यह उल्लेख किया जाता है कि दोनों में कोई खास अंतर नहीं है और दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक आधार पर पूर्णतः प्रतिस्थापनीय है।
- ऐसा कोई अन्य उत्पाद नहीं है कि जिसे संबद्ध वस्तु एन पी जी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स भी शामिल है का व्यावहारिक तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापन माना जा सकता है जिसे तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- घरेलू उद्योग के उत्पाद के गुण/विशेषताएँ आयातित एन पी जी इलेक्ट्रोड्स, जिसके बारे में शिकायत दायर की जा रही है, के गुण/विशेषताओं से तुलनीय/मिलती-जुलती है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि दोनों में कोई वास्तविक अंतर नहीं है और दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक आधार पर पूर्णतः प्रतिस्थापनीय हैं।
- सामान्य शक्ति के ग्रेड (पी जी) और उच्च शक्ति के ग्रेड (एच पी जी) में विशिष्ट अंतर नहीं है।

#### (ग) घरेलू उद्योग का आधार

- (i) उक्त विनिर्माता अर्थात् मै. ग्रेफाइट इंडिया लि. और मै. एच. ई. जी. लि. 12" के व्यास से लेकर 24" इंच के व्यास तक जिसमें 24" का व्यास भी शामिल है, के आकार में यू एच पी ग्रेड के इलेक्ट्रोड्स का उत्पादन कर रहे हैं। यद्यपि उन्होंने जाँच अवधि के दौरान 28" के व्यास का उत्पादन नहीं किया है तथापि वे इस आकार का उत्पादन करने के भी सक्षम हैं।
- (ii) घरेलू उद्योग ने जाँच अवधि के दौरान अपनी वर्तमान उत्पाद रेंज की पूर्ति करने के लिए यू. एच. पी. ग्रेड के इलेक्ट्रोड्स की खरीद नहीं की है।
- (iii) किसी भी घरेलू उत्पादक ने जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है।
- (iv) कोई भी घरेलू उत्पादक आयातकों अथवा निर्यातकों से संबंधित नहीं है। उक्त विनिर्माता समस्त साइन रेंज में एन पी जी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स और उसके परिवर्त का उत्पादन कर रहे हैं। घरेलू उद्योग ने जाँच अवधि के दौरान अपनी वर्तमान उत्पाद रेंज की पूर्ति करने के लिए एन पी जी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की खरीद नहीं की है।

#### (घ) पाटन

##### सामान्य मूल्य

उपयुक्त पाटन पर सबसे पहले अगस्त 36 में शिकायत दर्ज की गई थी इस शिकायत के अनुसार इन देशों से पाटन के ब्यौरे वर्ष 1995-96 तक उपलब्ध कराए गए थे।

- तथापि, इस समीक्षा उद्देश्य की पूर्ति के लिए यह प्रासंगिक है कि हाल के वर्षों के दौरान हुए पाटन के कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

- संबद्ध देशों तथा संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से यू एच पी इलेक्ट्रोड के आयातों का ब्यौरा स्रोत कार्बन डाटा बैंक द्वारा उपलब्ध कराया गया है चूंकि डी जी सी आई एंड एस, ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों के लिए अलग से आयात आंकड़े उपलब्ध नहीं कराता है। इसी प्रकार 2000 तथा 2001 के दौरान हुए एन पी जी इलेक्ट्रोड के आयात आंकड़े स्रोत डाटा बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं।
- चीनी मूल के एन पी जी इलेक्ट्रोड के मामले में हांगकांग, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया स्थित व्यापारियों के द्वारा भी आयात के मामले दर्ज हुए हैं।
- निम्नलिखित तालिकाएं 1क, 1ख तथा 1ग, जाँच की अवधि तथा पिछले दो वर्षों के दौरान, प्रासंगिक देशों के लिए इसी प्रकार की आयातित वस्तुओं की मात्रा तथा मूल्य के आंकड़े उपलब्ध कराती है (स्रोत कार्बन डाटा बैंक) :—

आंकड़े मूल से तालिका (1 क, 2 ख, 3ग)

नोट : (स्रोत कार्बन डाटा बैंक-परिशिष्ट 1 से 20 संलग्न) (वर्ष 2000 तथा 2001) वर्ष 1999, के लिए जानकारी वर्ष 2000 के कार्बन डाटा बैंक आंकड़ों के आधार पर प्राप्त की गई है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में मात्रा तथा कीमत दोनों में वृद्धि हुई है।

निम्नलिखित तालिकाएं 1घ अन्य देशों के लिए आयातों की मात्रा तथा मूल्य के आंकड़े उपलब्ध कराती है जो वर्तमान समीक्षा के लिए प्रासंगिक नहीं है :—

आंकड़े मूल से तालिकाएं 1घ :

उपलब्ध बाजार सूचना के आधार पर हमारे पास इस निष्कर्ष पर पहुंचने का पर्याप्त आधार है कि समीक्षाधीन देशों द्वारा ऊपर सारणीबद्ध किए गए आयात 28''/30'' व्यास के रहे हैं, जिन्हें हम इस जाँच में शामिल नहीं कर रहे हैं तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क भी लगाया नहीं जा सकता।

आंकड़े मूल से :

- मै. एस जी एल पोलैंड ने स्थित अपने विनिर्माण एकक से पाटित कीमतों पर अपना निर्यात प्रारंभ किया या जिसे अब तक जारी रखा गया है।
- इसी प्रकार, यू सी ए आर, ब्राजील दक्षिण अफ्रीका तथा मेक्सिको से पाटित आयातों पर निर्यात का प्रारंभ किया है। यदि इस चरण में पाटनरोधी शुल्कों पर रोक लगाई जाती है तो यह स्पष्ट है कि पाटनरोधी शुल्कों पर उन्ही स्रोतों से पुनः रोक लगाई जा सकती है।
- चीन से सामान्य शक्ति ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्कों के प्रभाव के कारण पंक्ति आयातों की मात्रा घट गई है क्योंकि चीनी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड, अच्छी कीमतों पर प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं है।
- मूल जाँच परिणाम के अनुसार चीन में व्यापारिक कंपनियों के लिए शुल्कों का निर्धारण, विनिर्माता की राय के बिना कर दिया जाता था। हम निवेदन करना चाहते हैं कि व्यापारिक कंपनी के लिए, संबद्ध विनिर्माता की ओर से सूचना प्राप्त किए बिना अलग से पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया जा सकता।
- यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि मै० एस जी एल कार्बन ए जी ने किसके पक्ष में लिखित निवेदन प्रस्तुत किए हैं। वर्तमान कार्यवाहियों में निवेदन केवल एस जी एल कार्बन ए जी जर्मनी के पत्र में प्राप्त किए गए हैं। इसलिए उन सभी देशों के निर्यातकों ने जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है, वर्तमान जाँच में सहयोग नहीं किया है।
- प्रत्येक निर्यातक को स्वयं प्रश्नावली का उत्तर देना होता है तथा समूह कंपनियों के पक्ष में दायर किए उत्तर का कोई संगत अथवा विधिक महत्व नहीं है।
- एस जी एल कार्बन समूह की अलग-अलग कंपनियों द्वारा उत्तर न दिए जाने का कार्य समीक्षा जाँच के साथ असहयोग करना है। इसलिए दिल्ली स्थित उनके एजेंटों के समूह द्वारा प्रस्तुत किए गए सूचना निवेदनों को तुरंत अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।
- मुख्य निर्यातक मै० एस जी एल कार्बन समूह तथा मै० यू सी ए आर ने ऐसे अन्य देशों से निर्यातों का सहारा लिया है जो पाटनरोधी शुल्क के अधीन थे। यह तथ्य कि लिखित निवेदन अब समस्त रूप से मै० एस जी एल कार्बन समूह के पक्ष में प्रस्तुत किए गए हैं, हमारे इस दृष्टिकोण को मजबूत करता है कि संबद्ध देशों से शुल्क के हटाए जाने से क्षति की पुनरावृत्ति होगी क्योंकि विभिन्न देशों में स्थित अलग-अलग निर्यातक कंपनियों की कीमत नीतियों तथा विपणन निर्णयों पर समूह का पूरा नियंत्रण है।
- विगत में एस जी एल समूह तथा यू सी ए आर समूह ने संबद्ध देशों अर्थात् पोलैंड तथा ब्राजील से आपूर्ति का अपवर्तन किया है।

- अपने लिखित अनुरोधों में एसजीएल ग्रुप के प्रतिनिधि ने यह स्वीकार किया है कि उसने यह तर्क देकर निर्दिष्ट प्राधिकारी के ध्यान को बांटा है कि पोलैंड विभिन्न फैक्ट्रियों वाला एक विकासशील देश है और इसलिए उसकी तुलना समीक्षाधीन देशों से नहीं की जा सकती ।
- हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत निर्धारण एक निगमित नीति का मामला होता है और इस मामले में उनके पास विभिन्न देशों में वैकल्पिक विनिर्माण सुविधा से निर्यात हेतु उत्पाद प्राप्त करने का विकल्प होता है ।
- घरेलू उद्योग ऐसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के प्रति अत्यधिक चिंतित है जिनके पास वैकल्पिक स्थानों से माल की आपूर्ति का विकल्प है ।
- हमने निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय का साक्ष्य उपलब्ध कराया है कि पोलैंड और ब्राजील से आयातों के बारे में जांच शुरू करने के बाद उसी निर्यातक ने दक्षिण अफ्रीका से निर्यात के विकल्प का संकेत दिया है । मैसर्स एसजीएल कार्बन के अनुरोधों से यह स्पष्ट होता है कि वे ऐसी कोई प्रतिबद्धता प्रस्तुत करने के प्रति इच्छुक नहीं हैं जिससे उनकी कीमत निर्धारण नीति के बारे में उनकी मंशा का पता चलता हो ।
- मै0 ल्यूनिंग जिआई मैटल्स एंड मिनरल्स कंपनी लि0, चीन जनवादी गणराज्य द्वारा निर्यात की मात्रा और चीन से कुल आयातों की मात्रा में हाल के वर्षों में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिससे भारतीय बाजार में उनके उत्पाद की अधिक स्वीकार्यता का पता चलता है ।
- ऐसे कुछ भारतीय उपभोक्ता हैं जो चीन के उत्पादकों से उनकी कुल जरूरत को पूरा करते हैं ।
- चीन के उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किसी सूचना की जांच पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 7 और 8 में यथा परिकल्पित गैर बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के संबंध में ही करनी होती है ।

(ड.) क्षति, कारणात्मक संबंध एवं अन्य मुद्दे

- पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन (मात्रा एवं मूल्य):

**तालिका 4-क (यूएचपी ग्रेड)**

[illegible]

## सूचीबद्ध

- पिछले दो वित्त वर्षों में तथा चालू वर्ष में आज की तारीख तक याचिकाकर्ता तथा उन अन्य भारतीय उत्पादकों, जो इस शिकायत की पार्टी नहीं हैं, का अलग-अलग ब्यौरेवार कुल भारतीय उत्पादन की मात्रा एवं मूल्य.

**तालिका 5 (यूएचपी ग्रेड)**

[illegible]





### ■ अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड

इंडियन ग्रेफाइट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन(आईजीएमए) से प्राप्त आवेदन के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 30 सितम्बर, 1996 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना सं० एडीडी/आई डब्ल्यू/43 के तहत इस मामले में जांच शुरु की थी। बाद में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 9 जून, 1997 को प्रारंभिक जांच परिणाम तथा संबद्ध देशों के खिलाफ यूएचपी ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अक्टूबर 1997 में अधिसूचित किया था। अंतिम जांच परिणाम 27 मार्च 1998 की अधिसूचना सं० एडीडी/आईडब्ल्यू/43 के तहत घोषित किए गए थे।

- जांच अवधि के दौरान इन देशों के लिए पाटन मार्जिन/क्षति मार्जिन के आधार पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की राशि बेल्जियम के लिए 18220 रु०/मी.टन से लेकर फ्रांस के लिए अधिकतम 30997 रु०/मी.टन (अन्य देशों के लिए उक्त राशि इस सीमा के भीतर थी) के बीच थी।
- अपनी शिकायत में घरेलू उद्योग ने पाटित न किए गए 26 व्यास/28 व्यास और 30 व्यास को शामिल नहीं किया था और तदनुसार इन साइजों को प्राधिकारी द्वारा भी शामिल नहीं किया गया था।
- प्राधिकारी की जानकारी में यह बात विशेष रूप से लाई गई थी कि एसजीएल कार्बन तथा यूसीएआर, जिन पर जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, ऑस्ट्रिया और बेल्जियम से उनके निर्यातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है, ने वैकल्पिक स्रोतों से पाटन किया है। जैसाकि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी जानते हैं कि एसजीएल कार्बन एजी यूएचपी ग्रेड इलेक्ट्रोड्स का सबसे बड़ा निर्माता है जिसका मुख्यालय जर्मनी में है और विनिर्माण ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, स्पेन, बेल्जियम और पोलैंड में होता है। यूसीएआर इंटरनेशनल, जिसका मुख्यालय यूएसए में है और यूरोपीय मुख्यालय स्विट्जरलैंड में है, के पास यूएसए, कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, इटली, जर्मनी, रूस, दक्षिण अफ्रीका तथा ब्राजील में विनिर्माण सुविधाएं हैं।
- यहां यह उल्लेख करना असंगत नहीं है कि घरेलू उद्योग द्वारा ब्राजील और पोलैंड से आयातों के खिलाफ एक नई शिकायत दायर की गई है जिसकी शुरुआत अब 29 जनवरी 2002 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के तहत की गई है और अनंतिम शुल्क लगाया गया है।

- किसी निर्णायक समीक्षा के मामले में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जिस परीक्षण को लागू करना अपेक्षित होता है, वह सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार पाटन एवं क्षति की निरंतरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति का है। अतः किसी नए आवेदन के लिए वास्तविक क्षति के निर्धारण हेतु लागू मापदण्ड और परीक्षण निर्णायक समीक्षा के मामले में लागू नहीं हो सकते। इस संबंध में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान चीन जनवादी गणराज्य से आईबीबी के मामले में [2001(127)ईएलटी 629 (ट्राइ-डेल)] माननीय सीगेट के निर्णय की ओर भी आकृष्ट किया जाता है। तथापि, चूंकि किसी निर्णायक समीक्षा संबंधी मामले के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अलग से कोई प्रपत्र निर्धारित नहीं किया गया है, इसलिए हम नए मामले के लिए उद्दिष्ट आवेदन प्रपत्र में आवश्यक परिवर्तनों के साथ अपेक्षित सूचना प्रस्तुत कर रहे हैं। हमारे इस मूलभूत अनुरोध के होते हुए भी कि नए मामले के लिए आवेदन प्रपत्र निर्णायक समीक्षा के मामले के लिए उचित नहीं है, हम निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान वस्तुतः इस ओर भी आकृष्ट करना चाहते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाकर घरेलू उद्योग को लाभ पहुंचाया गया है।
- बाजार की संरचना एवं बाजार की स्थितियों से इस बात का पता चला जाएगा कि निर्यातकों के पास वैकल्पिक स्रोतों से विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति करने का विकल्प है। इन परिस्थितियों में, यदि इस स्तर पर संबद्ध देशों से शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पुनः उन्हीं स्रोतों से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। ऐसी संभावना खासकर इस तथ्य के मद्देनजर बनती है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ब्राजील(मै0 यूसीएआर) और पोलैंड (मै0 एसजीएल कार्बन) से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की है और अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया है।
- पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग ने अपनी स्थिति में सुधार किया है और वह बाजार में बने रहने में समर्थ हुआ है। तथापि, बीमार घरेलू उद्योग को पूरा लाभ प्राप्त नहीं हो सकता क्योंकि कुछ निर्यातक मै0 यूसीएआर/मै0 एसजीएल कार्बन अपने वैकल्पिक स्रोतों से वस्तु की आपूर्ति जारी रखे हुए हैं।
- मै0 एसजीएल कार्बन ने पोलैंड स्थित अपने विनिर्माण एकक से पाटित कीमतों पर अपने निर्यात शुरू किए जो पिछले कुछ वर्षों से लगातार चल रहे हैं। इसी प्रकार, यूसीएआर ने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका तथा मैक्सिको से पाटित कीमतों पर अपने निर्यात शुरू किए थे। हमने यह मामला इस आधार पर विभिन्न स्तरों पर

प्राधिकारियों के साथ उठाया कि एसजीएल तथा यूसीएआर की इस कार्रवाई से पाटनरोधी शुल्क की धोखाधड़ी हुई है और इसलिए खासकर उन मामलों में, जिनमें निर्यातकों (मै0 यूसीएआर/मै0 एसजीएल कार्बन) के पास राष्ट्र से परे सुविधाएं हैं, निर्यातकों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए भले ही उनकी आपूर्ति का स्रोत कुछ भी हो। इसी बीच, उन्हीं निर्यातकों द्वारा (विभिन्न देशों में) अपनी बहु-आयामी सुविधाओं का पूरा लाभ उठाते हुए आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों का सहारा लेकर पाटन जारी रखा। इस तथ्य को देखते हुए कि घरेलू उद्योग को उन्हीं निर्यातकों, भले ही उनके स्रोत अलग-अलग हैं, से निर्यातकों के कारण क्षति हो रही थी, हम पोलैंड और ब्राजील के खिलाफ अलग मामले दायर करने के लिए बाध्य हुए थे, जिनके आधार पर जांच शुरू की गई है।

- उद्योग ने पुनर्निर्माण एवं लागत में कमी की दिशा में अनेक कदम भी उठाए हैं जिनके परिणामस्वरूप उत्पादन मात्रा और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है और निर्धारित लागत प्रति मी.टन में भी प्रभावी कमी आई है।
- उपर्युक्त सभी प्रयासों के बावजूद आय की दर कीमत ह्रास के कारण उचित दर से कम है।
- यद्यपि घरेलू उद्योग को पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने से कुछ सहायता मिली है तथापि उपर्युक्त कारणों से क्षति पूर्णतः समाप्त नहीं हुई है।
- इन शुल्कों को समाप्त किए जाने से निश्चित तौर पर क्षति की पुनरावृत्ति होगी।
- वर्तमान समीक्षा के परिणामस्वरूप इस बात की संभावना न होने पर भी कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा, संबद्ध देशों से आयातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की कीमत पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की सीमा तक कम रहेगी। परिणामतः भारतीय उद्योग के लिए भी उसी सीमा तक कीमतों को कम करना अपेक्षित होगा जिससे उद्योग का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। इससे घरेलू उद्योग उसी स्थिति में पहुंच जाएगा जो पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पूर्व विद्यमान था जब घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही थी। निम्नलिखित तालिका से संबद्ध देशों पर लगाए गए अंतिम शुल्क तथा कीमत में कमी की उस मात्रा का पता चलता है जो विद्यमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने पर अपेक्षित होगी।

|  |                       | रु०/मी. टन |
|--|-----------------------|------------|
| जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति                          |                       | ***        |
| संबद्ध देशों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क   | आस्ट्रिया             | 22947      |
|  | बेल्जियम              | 18220      |
|  | फ्रांस                | 30997      |
|  | जर्मनी साइज: 24 व्यास | 10337      |
|  | जर्मनी अन्य साइज      | 22235      |
|  | इटली                  | 22947      |
|  | स्पेन                 | 18427      |
|  | यूएसए                 | 20714      |
| पाटनरोधी शुल्क के बिना प्रत्याशित कीमत (निवल बिक्री प्राप्ति घटा पाटनरोधी शुल्क) | आस्ट्रिया             | ***        |
|  | बेल्जियम              | ***        |
|  | फ्रांस                | ***        |
|  | जर्मनी साइज: 24 व्यास | ***        |
|  | जर्मनी अन्य साइज      | ***        |
|  | इटली                  | ***        |
|  | स्पेन                 | ***        |
|  | यूएसए                 | ***        |

- उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें तुरंत कम करने के लिए बाध्य होगा जो \*\*\* रु० से लेकर \*\*\* रु०/मी. टन तक के बीच होगी जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान लाभ पूर्णतः समाप्त हो जाएगा। \*\*\* रु० के न्यूनतम स्तर पर भी लाभ मार्जिन नगण्य \*\*\* रु० का होगा (अर्थात् लागत पर मामूली \*\*\* % )। पाटनरोधी शुल्क के उच्चतर स्तर पर विचार करते हुए यदि

पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को निश्चित रूप से घाटा होगा।

- घरेलू उद्योग के लिए उसके निवेश पर उचित आय के साथ जांच अवधि के दौरान प्रत्याशित उचित कीमत \*\*\* रू०/मी.टन बनती है। अतः, उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से निश्चित तौर पर कीमत में कमी, कीमत में हास और घाटा होगा। ये कारण संबद्ध देशों से अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त हैं।
- यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि पोलैंड और ब्राजील से अल्ट्रा हाई पावर इलेक्ट्रोड्स के पाटन के संबंध में जांच शुरू करने के बाद निर्यातकों ने दक्षिण अफ्रीका (मै० यूसीएआर) स्थित अपनी वैकल्पिक सुविधा से आपूर्तियों का प्रस्ताव किया है जिन्हें अब तक पाटनरोधी शुल्क के दायरे में नहीं लाया गया है। इससे इस बात का पर्याप्त संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से इन स्रोतों से पाटन होगा और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होगी।
- इन 7 देशों से पाटनरोधी शुल्क वापस लेने की स्थिति में इन 7 देशों से निर्यात का विकल्प पुनः उपलब्ध हो जाएगा और हम इस बात की संभावना देखते हैं कि पाटन की मात्रा में भी वृद्धि होगी। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इससे बिक्री की मात्रा में कमी आने के कारण स्टॉक में वृद्धि के रूप में घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, तत्पश्चात् उत्पादन स्तर भी प्रभावित होगा।
- 9 जून, 1997 को अधिसूचित प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर चीन के खिलाफ एनपीजी ग्रेड इलेक्ट्रोड्स पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अक्टूबर, 1997 में अधिसूचित किया गया था तथा अंतिम शुल्क मार्च 1998 में लागू किए गए थे।
- जांच अवधि के दौरान निर्धारित पाटन मार्जिन और सामान्य मूल्य के आधार पर पाटनरोधी शुल्क मै० लियोनिंग मिनरल्स एंड मैटल्स इंपोर्ट-एक्सपोर्ट कार्पो० के लिए 5517 रू०/मी.टन, चाइना नेशनल नॉन फेरस इंपोर्ट एक्सपोर्ट कार्पो० के लिए 13114 रू०/मी.टन और अन्य निर्यातकों के लिए 20818 रू०/मी.टन निर्धारित किया गया था। यह नोट करना प्रासंगिक है कि ये इलेक्ट्रोड्स के निर्यातक हैं न कि विनिर्माता। इसके अलावा ये किसी विशिष्ट विनिर्माता से भी संबद्ध नहीं हैं।

- पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को भारतीय बाजार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा कीमत स्तर और लाभप्रदता को बढ़ाने में मदद मिली है जबकि सतत पाटित आयातों के परिणामस्वरूप बिक्री मात्रा में कमी आई है ।
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने \*\*\* ₹0/मी.टन की औसत कीमत पर नार्मल पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की बिक्री की है । घरेलू उद्योग मुख्यतः पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के कारण विद्यमान कीमत स्तर को बनाए रखने में समर्थ हुआ है। घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रपत्र IV क(गोपनीय) (अनुबंध त-2)में यथानिर्दिष्ट विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय मापदंडों से देखा जा सकता है ।
- जांच अवधि के दौरान वार्षिक उत्पादन पूर्ववर्ती वित्त वर्ष 2000-2001 में हुए \*\*\* मी.टन से बढ़कर \*\*\* मी.टन हो गया है । जहां तक घरेलू बाजार में बिक्री का संबंध है, उसमें गिरावट आई है । घरेलू उद्योग अपने निवेश पर \*\*\* % आय प्राप्त करने में समर्थ हुआ है ।
- इस प्रकार उपर्युक्त यह स्पष्ट होता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग को कुछ सहायता मिली है और इन शुल्कों को समाप्त किए जाने से निश्चित तौर पर क्षति की पुनरावृत्ति होगी जैसाकि निम्नलिखित पैराग्राफों में उल्लेख किया गया है ।
- इस मामले में अंतिम शुल्क निम्नलिखित दरों पर लगाया गया है:-

| देश      | निर्यातक                                | अंतिम शुल्क<br>(₹0/मी.टन) |
|----------|---|---------------------------|
| चीन जनगण | लियोनिंग मेटल्स एंड मिनरल्स आई/ई कारपो. | 5517                      |
|          | चाइना नेशनल नान फेरस मेटल आई/ई कारपो.   | 13114                     |
|          | कोई अन्य निर्यातक                       | 20818                     |

- वर्तमान समीक्षा के परिणामस्वरूप इस बात की संभावना न होने पर भी कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा, संबद्ध देशों से आयातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की कीमत पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की सीमा तक कम रहेगी । परिणामतः भारतीय उद्योग के लिए भी उसी सीमा तक कीमतों को कम करना



अपेक्षित होगा जिससे उद्योग का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा । इससे घरेलू उद्योग उसी स्थिति में पहुँच जाएगा जो पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पूर्व विद्यमान था जब घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हो रही थी । निम्नलिखित तालिका से कीमत में कमी की उस मात्रा का पता चलता है जो विद्यमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने पर अपेक्षित होगी ।

|  |  | रु०/मी.टन |
|--|--|-----------|
| जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री                                   |  | ***       |
| प्रत्येक निर्यातक के लिए अंतिम पाटनरोधी शुल्क                                    | निर्यातक                                 |           |
| 1)   | लियोनिंग मेटल्स एण्ड मिनरल्स आई/ई कारपो. | 5517      |
| 2)   | चाइना नेशनल नान फेरस.मेटल्स आई/ई कारपो.  | 13114     |
| 3)   | कोई अन्य निर्यातक                        | 20818     |
| पाटनरोधी शुल्क के बिना प्रत्याशित कीमत (निवल बिक्री प्राप्ति घटा पाटनरोधी शुल्क) | निर्यातक                                 |           |
| 1)   | लियोनिंग मेटल्स एण्ड मिनरल्स आई/ई कारपो. | ***       |
| 2)   | चाइना नेशनल नान फेरस.मेटल्स आई/ई कारपो.  | ***       |
| 3)   | कोई अन्य निर्यातक                        | ***       |

- उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग अपनी कीमत को तुरंत \*\*\* ₹0/मी.टन (जो चीन से आयातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड पर उच्चतम शुल्क है) तक कमी करने के लिए बाध्य होगा। घरेलू उद्योग के लिए उसके निवेश पर उचित आय के साथ जांच अवधि के दौरान प्रत्याशित उचित कीमत \*\*\* ₹0 बनती है। अतः, उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से निश्चित तौर पर कीमत में कमी/कीमत में ह्रास और उचित लाभ में भारी घाटा होगा, जोकि चीन से नार्मल पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त है।
- उद्योग ने उत्पादन तथा क्षमता उपयोग को उच्चतर स्तर तक बढ़ाकर अपने निष्पादन में सुधार करने की कोशिश की है। इसबात का पहले ही उल्लेख किया जा चुका है कि उद्योग ने पुनर्निर्माण एवं लागत में कमी करने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं ताकि उसे अधिक कुशल और लागत मितव्ययी बनाया जा सके जैसाकि उपर्युक्त पाटन एवं क्षति के संबंध में यूएचपी इलेक्ट्रोड्स का विश्लेषण करते समय स्पष्ट किया गया है। किंतु, पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से चीन के निर्यातकों (जिनके पास एनपीजी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के उत्पादन की भारी अतिरिक्त क्षमता है) को अपने उत्पाद का भारी पाटन करने का प्रोत्साहन मिलेगा जिससे घरेलू उद्योग पूर्णतः पंगु बन जाएगा।
- संबद्ध देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाकर घरेलू उद्योग को लाभ पहुंचाया गया है और यह कि चीन से आईबीबी के मामले में माननीय सीगेट के निर्णय पर क्षति संबंधी जांच हेतु विश्वास किया जाना चाहिए।
- संबद्ध वस्तु के उत्पादन और निर्यात हेतु चीन में भारी बेशी उत्पादन क्षमता है।

प्रकटन विवरण के उत्तर में, निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

2. आयातकों के विचार

1. अरिहंत सिनोटैक कारपो., मुम्बई, चीन के आयातों के लिए इंडेंटिंग एजेंट (जो मै0 चैंगडु रोंगांग कार्बन कम्पनी लि0, तियानजिन, संघाई कार्बन प्लांट, लियोयांग कार्बन फैक्ट्री (उत्पादक) का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है) और लियोनिंग जिआई मेटल्स एंड मिनरल्स कं0 लि0 (व्यापारी) (पूर्ववर्ती लियोनिंग मेटल्स एंड मिनरल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट, चीन जन-गण)

**(क) विचाराधीन उत्पाद**

- चीन के निर्यातकों के इलेक्ट्रोड्स घटिया रहे हैं जैसाकि भारतीय उत्पादकों द्वारा और सार्वजनिक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया गया था ।
- घटिया गुणवत्ता के कारण चीन के इलेक्ट्रोड्स की खपत घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित इलेक्ट्रोड्स की तुलना में 20% तक अधिक है । प्राधिकारी ने इसे मूल जांच में भी स्वीकार किया है ।
- किन्हीं निर्यातकों द्वारा आपूर्ति की जा रही इलेक्ट्रोडों की गुणवत्ता और विनिर्दिष्टताएं तभी से एक जैसी रही हैं ।
- हालांकि चीनी निर्यातक द्वारा निर्यात की जा रही सामग्री की प्रति यूनिट लागत चीन से आयातित सामग्री की अधिक खपत के कारण घरेलू उत्पादन से कम है इसलिए भारत में अधिकांश संयंत्रों में इसका प्रयोग स्वीकार्य नहीं है ।
- मूल जांच में शुरू में अधिक शक्ति वाले ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों के बारे में उल्लेख किया गया था ' उच्च शक्ति वाले 'ग्रेफाइट' इलेक्ट्रोड शब्द को प्रारंभिक जांच परिणामों में पहली बार प्रयोग किया गया था यद्यपि प्रारंभिक अधिसूचना में इसे शामिल नहीं किया गया था ।
- भारत में इलेक्ट्रोडों के 50 उपभोक्ता हैं परन्तु चीनी उत्पादकों ने केवल पांच संयंत्रों की आपूर्ति की है जिससे संदेह सिद्ध होता है कि चीनी इलेक्ट्रोड भारतीय उत्पादकों के लिए उचित नहीं हैं ।

**ख) पाटन****सामान्य कीमत**

- मै0 लियानिंग जियायी मैटल्स एण्ड मिनरल्स कं0 (लियानिंग जियायी) ने भारत में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों का कभी पाटन नहीं किया है ।

- मै0 लियानिंग जियायी चीन में तीन इलैक्ट्राड संयंत्रों अर्थात् (क) तियांजिन जिंघाई (ख) लिओआंग कार्बन (ग) चेंगडू कार्बन से इलैक्ट्राड खरीदता है और भारत को निर्यात करता है ।
- उपर्युक्त सभी चार कंपनियों ने निर्धारित प्रपत्र में और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर दिया है और वे अन्य कोई ऐसी सूचना प्रस्तुत करने के लिए भी इच्छुक है जिसकी विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को आवश्यकता हो ।
- मै0 लियानिंग जियायी द्वारा निर्यातित कच्ची सामग्री की गुणवत्ता घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामग्री की तुलना में घटिया है ।
- लियानिंग जियायी द्वारा आपूर्ति की गई इलैक्ट्राडों की बल्क सघनता प्रतिरोधकता और करंट चालन क्षमता भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित बल्क सघनता प्रतिरोधकता और करंट चालन क्षमता से कम थी । चीनी उत्पादकों द्वारा आपूर्ति की गई इलैक्ट्राडों के लिए संसेचन और निष्कासन की प्रौद्योगिकी वांछित स्तर की नहीं है ।
- निर्यातक के साथ-साथ भारतीय उत्पादकों की उत्पाद विशेषताओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ।
- निर्यातकों ने निर्यात कीमत को कम नहीं किया है और इसलिए हमने लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को समाविष्ट नहीं किया है ।
- मै0 अरिहंत सिनोटेक कार्पोरेशन ने भी आयातक का उत्तर प्रस्तुत किया है जिसमें उस कीमत का उल्लेख किया गया है जिस पर भारत में विभिन्न ग्राहकों के लिए मांग की गई है और उनकी एफओबी/सीआईएफ कीमत और मात्रा सूचित की गई है ।
- हमने भारत को किए गए निर्यातों के बारे में विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई है और हमारे विनिर्माताओं ने भी भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में ब्यौरेवार सूचना प्रस्तुत की है । तथापि, भारतीय उत्पादकों द्वारा जैसे कि अपने निवेदनों में स्वयं उम्मीद की है, चीनी ग्रेफाइट इलैक्ट्राड उचित मूल्य पर अप्रतिस्पर्धी बन गई है । पाटनरोधी शुल्क हटाने से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होगी । हम व्यापारियों और उत्पादकों के लिए अलग मार्जिन हेतु अनुरोध करते हैं जैसे कि फिनोल के

पाटनरोधी मामले में किया गया था । मै0 एसजीएल कार्बन भी पाटनरोधी शुल्क लगाने का विरोध कर रहा है और हम मै0 एसजीएल कार्बन के निवेदनों पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं ।

- मै0 लियानिंग जियायी ने मूल जांच में कीमत में कटौती करने की पेशकश की थी जिसे स्वीकार नहीं किया गया था ।
- चीन के विनिर्माता स्वायत्तशासी कंपनी है और घरेलू उद्योग के लिए कारखाना से निकलने पर वही कीमतें हैं जो निर्यातकों के लिए थी । वे व्यापारिक कंपनी को उत्पादन लागत से कम लागत पर भारत को निर्यात नहीं करते हैं ।
- उत्पादन करने वाली कंपनियां छोटी इकाईयां हैं और उनका भारतीय उत्पादकों समेत ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के अन्य वैश्विक उत्पादकों की तुलना में कम उत्पादन है । वे घाटे पर सामग्री की आपूर्ति नहीं कर सकते हैं । व्यापार घराने भी घाटे पर निर्यात नहीं कर सकते हैं ।
- चूंकि चीन में कच्ची सामग्री की लागत बहुत कम है और यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होती है इसलिए चीन में उत्पादन लागत बहुत कम है । यहां तक कि घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक चीन में उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने की योजना बना रहा है ताकि वह लागत लाभ प्राप्त कर सके । चीनी संयंत्रों की बहुत कम पूंजीगत लागत है और इस प्रकार बहुत पुराने संयंत्र होने के कारण कम द्रव्य ह्रास होता है ।
- पहले समय के विपरीत चीनी अब निजीकरण और बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं ।
- प्रत्येक इकाई एक स्वायत्तशासी इकाई है और चीनी सरकार से किसी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष सहायता के बिना अपनी स्थिति के लिए जिम्मेवार है ।
- अकेले निष्पल की लागत 150-200 अम0 डा0 पीएम.टी परिकलित होती है और मशीनिंग में समानरूप से महत्वपूर्ण है जिसे निर्यात कीमत में समायोजित करने की आवश्यकता है ।

- हमें कीमत की वचनबद्धता के लिए प्रपत्र उपलब्ध कराया जाना चाहिए और पाटनमार्जन तथा उस कीमत की भी सलाह दी जानी चाहिए जिस पर कीमत वचनबद्धता की पेशकश की जाए।
- भारत को एक प्रतिनिधि देश के रूप में मानते हुए विचारों के उत्तर में चीन में निर्यातकों/उत्पादकों के प्रतिनिधि ने यह उल्लेख किया है कि:-

चूंकि चीन सरकार उद्योग के कार्यों में अब हस्तक्षेप नहीं कर रही है इसलिए कंपनी के पास मूल लेखा रिकार्ड में जिनकी अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षा की गई थी। कंपनी की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पहले वाली गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली द्वारा आगे बढ़ाई गई महत्वपूर्ण बाजार विकृतियों के अध्यधीन नहीं हैं। कंपनी पर दिवालियापन और संपत्ति कानून लागू है जिनसे स्थिरता की गारंटी मिलती है। अब उद्योग पर अनेक कानून लागू हैं। कुछ कानून जो इन कंपनियों पर लागू हैं उनकी सूची निम्नानुसार है:-

- विदेशी मुद्रा विनियोजन और चीन में स्थानान्तरण के विनियमन के लिए प्रावधान.
- विदेशी मुद्रा समाधान, बिक्री और भुगतान के प्रशासन को विनियमित करने के प्रावधान
- विदेशी निवेश उद्यमों के लिए चीन जन गण की लेखा प्रणाली.
- विदेशी निवेश उद्यमों में श्रमिक प्रबंधन संबंधी विनियमन।
- चीन जन गण के लेखा कानून
- चीन जन गण के श्रम कानून
- चीनी और विदेशी निवेश का प्रयोग करने वाले संयुक्त उद्यमों से संबंधित चीन जन गण के कानून के कार्यान्वयन के लिए विनियम
- सिनो-विदेशी संयुक्त इक्विटी उद्यमों के संबंध में चीन जन गण का कानून
- उद्यम दिवालियापन के बारे में चीन जनगण का कानून

चूंकि कंपनियां अधिकांशतः उपर्युक्त कानून द्वारा बाध्य हैं इसलिए निवेदन है कि ये कंपनियां बाजार अर्थ-व्यवस्था सिद्धांतों के अंतर्गत कार्य कर रही हैं। इसके अलावा पूरे विश्व में जांच प्राधिकारियों ने चीन को एक बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानना शुरू कर दिया है। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि निर्यातक कंपनियों को बाजार अर्थ-व्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए।

ग) क्षति कारणात्मक संबंध और अन्य मुद्दे

- मै0 लिओनिंग जियायी द्वारा निर्यातित इलैक्ट्राडों की पहुंच लागत की गणना करते समय निम्नलिखित पर विचार किया जा सकता है:-

क) कुछ इलैक्ट्राडों का निष्पल और मशीनिंग के बिना निर्यात किया गया है जिसे समायोजित करने की आवश्यकता है।

ख) इस सामग्री को सीएनएफ/एफओबी के आधार पर निर्यात किया गया है और इसलिए खर्चों को जहां कहीं संगत हो एफ ओ बी सौदों में भाड़ा और बीमा पर जोड़ा जाना चाहिए।

ग) घरेलू उत्पादक वितरण आधार पर सामग्री की बिक्री कर रहे हैं और हम से आयातित इलैक्ट्राडों पर भारतीय ग्राहकों द्वारा अदा किए गए अन्तर्देशीय भाड़े के कारण निर्यातों को आयात कीमत में जोड़े जाने की आवश्यकता है। विकल्प के तौर पर भारतीय उत्पादकों के उत्पादन की लागत को भाड़े के सौदे और बीमा लागत शामिल किए बगैर गणना किए जाने की आवश्यकता है।

घ) घरेलू उत्पादकों को बिक्री कर से छूट दी हुई मालूम होती है। इसलिए क्षति की गणना करते समय एसएडी को आयात की पहुंच कीमत में जोड़े जाने की आवश्यकता है।

ड.) चीनी इलेक्ट्राडों की खपत 20% तक अधिक है और इसलिए आयातों की पहुंच कीमत को 20% बढ़ाने की आवश्यकता है अथवा वैकल्पिक रूप से भारतीय उत्पादकों के उत्पादन की लागत को क्षति की निर्धारण के लिए हमारी कीमत के साथ तुलना करते समय 20% कम करने की जरूरत है।



च) भारतीय उत्पादकों के उत्पादन लागत की गणना करते समय बीमा, बिक्रीकर दर और परिवहन से संबंधित खर्चों को अलग करने की जरूरत है ।

छ) भारतीय उत्पादक ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों के उत्पादन और बिक्रियों पर पर्याप्त लाभ कमा रहे हैं । माननीय सीगेट ने यह माना है कि निर्णायक समीक्षा में केवल वास्तविक क्षति पर्याप्त नहीं है । घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की पुनरावृत्ति भी देखे जाने की आवश्यकता है ।

- हम क्षति के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं और हमें भारतीय उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत क्षति की सूचना, भारतीय उत्पादक की वार्षिक रिपोर्ट अथवा भारतीय उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत क्षति संबंधी कोई अन्य सूचना उपलब्ध कराई जाए ।

## 2. अपर इंडिया स्टील लुधियाना

मै० अपर इंडिया स्टील ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और जांच अवधि (पीओआई) के दौरान संबद्ध देशों (चीन जनगण) से संबद्ध वस्तु के आयात से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है । आयातक ने इसके समर्थन में नमूना माल सूचियां/पोत लदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं ।

## 3. पंचमहल स्टील लि०, बड़ौदा

मै० पंचमहल स्टील लि० ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की सूचना उपलब्ध कराई है । आयातक ने इसके समर्थन में नमूना माल सूचियां/पोत लदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं ।

## 4. मार्डन स्टील्स लि० चंडीगढ़

मार्डन स्टील चंडीगढ़ ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों की सूचना उपलब्ध कराई है । आयातक ने

इसके समर्थन में नमूना माल सूचियां/पोत लदान बिल की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं ।

### 3. निर्यातक के विचार

1. मै0 लियाओ यांग कार्बन फैक्टरी वेगुओ रोड, लियाओयांग, चीन जन गण ।

#### (क) पाटन

- मै0 लियाओ यांग कार्बन फैक्टरी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में बिक्रियों और भारत को निर्यातों से संबंधित सूचना दी है । उत्पादक ने भारत को निर्यातों के संबंध में अपनी कारखाना लागत और लाभ का भी उल्लेख किया है । उत्पादक ने यह भी बताया है कि वे चीन जन गण के कंपनी कानून के अन्तर्गत स्थापित सीमित देयता कंपनी से संबंधित हैं और चीन जन गण के निगमीकरण अधिनियम के पंजीकरण के अधीन पंजीकृत हैं उन्होंने सूचित किया है कि उनका भारत में कोई कार्यालय नहीं है परन्तु भारत में एक एजेंट अर्थात् मै0 अरिहंट सिनोटेक कारपोरेश, मुंबई है ।
  - चीन सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिए जाते हैं ।
  - उत्पादक ने कहा है कि माल सूचियों की कीमत उच्च अथवा निवल वसूली योग्य कीमत जो भी कम हो उस पर निर्धारित की जाती है और उद्योग उद्यमों की लेखा प्रणाली अर्थात् प्राप्तियां जो लेखा प्रणाली पर आधारित हैं का अनुसरण किया जाता है । मूल्य ह्रास का सिद्धांत सीधी लेखा पद्धति है और लागत लेखा रिकार्ड वास्तविक लागतों पर आधारित है ।
  - इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़ों और कंपनी द्वारा सामान्य तौर पर निर्धारित लागतों के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं है ।
2. तियांजिन जिघाई कार्बन प्लांट चीन जन गण
- हमारा संयंत्र राज्य के स्वामित्व वाला संयंत्र है ।
  - हमारा भारत में कोई अपना कार्यालय नहीं है और भारत में हमारा अपना एजेंट मै0 अरिहंट सिनोटेक कारपोरेशन, मुंबई है ।

- हमारी सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिए जाते हैं ।
- हम लियाओनिंग जियायी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं० लि०० को माल बेचते हैं जो भारत को निर्यात करता है ।
- हमारे द्वारा माल के विनिर्माण, निर्यात अथवा परिवहन के लिए कोई क्षतिपूर्ति प्राप्त नहीं होती है ।
- लागत लेखा रिकार्ड वास्तविक लागतों पर आधारित हैं ।
- इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़ों और कंपनी द्वारा सामान्य तौर पर निर्धारित लागतों के बीच कोई वास्तविक अंतर नहीं है ।

### 3. चेंगडू रोगुआंग कार्बन कं० लि० चीन जनगण

- चीन जन गण के कंपनी कानून के अन्तर्गत स्थापित/निगमित तथा सीमित दायित्व वाली कंपनी से संबंधित है तथा चीन जन गण के निगमीकरण अधिनियम के पंजीकरण के अधीन पंजीकृत है ।
- हमारा भारत में कोई अपना कार्यालय नहीं है और भारत में हमारा अपना एजेंट मै० अरिहंत सिनोटेक कारपोरेशन, मुंबई है ।
- हमारी सरकार द्वारा निर्यात बिक्रियों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिए जाते हैं ।
- हम लियानिंग जियायी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं० लि० के जरिए निर्यात करते हैं ।

### 4. लियानिंग जियायी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं० लि० (व्यापारी)(जो पहले लियाओनिंग मेटल्स मिनरल्स इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट के नाम से ज्ञात था)

- लियाओनिंग जियायी मेटल्स एण्ड मिनरल्स कं० लि०, (व्यापारी) (पूर्व में लियाओनिंग मेटल्स मिनरल्स इंपोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट के नाम से ज्ञात) एक सीमित दायित्व वाली

कंपनी है तथा चीन जन गण के कंपनी कानून के अन्तर्गत स्थापित/निगमित तथ्या चीन जन गण के निगमीकरण अधिनियम के पंजीकरण के अधीन पंजीकृत है ।

- हमारा भारत में कोई अपना कार्यालय नहीं है ।
- भारत में हमारा एजेंट मे० अरिहंत सिनोटेक कारपोरेशन, मुंबई है ।
- हमारी सरकार द्वारा बिक्री निर्यातों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है ।
- हम अपने कार्बन संयंत्रों से विभिन्न ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड ग्रेड्स खरीद रहे हैं जो हमारे से संबंधित उत्पादक नहीं हैं ।
- निर्यातक ने भारत को निर्यात कीमतों का और भारत को निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचे का भी उल्लेख किया है ।
- निर्यातक लेख की वाणिज्यिक प्रणाली का अनुसरण करता है और माल सूची की कीमत औसत लागत अथवा निवल वसूली योग्य मूल्य जो भी कम हो पर निर्धारित की जाती है ।
- लेखा प्रणाली प्राप्ति आधार पर आधारित है ।
- लेखा प्रणाली प्राप्ति आधार पर आधारित है ।
- माल सूचियों के मूल्य का निर्धारण औसत लागत अथवा निवल वसूली मूल्य जो भी कम हो पर किया जाता है ।
- मूल्य ह्रास का सिद्धांत सीधी रेखा पद्धति है ।
- लेखा लागत रिकार्ड वास्तविक लागत पर आधारित है ।
- इस प्रश्नावली में दिए गए लागत आंकड़ों और कंपनी द्वारा सामान्य रूप से परिमाणित लागत के बीच कोई अन्तर नहीं है ।

प्रकटन विवरण-पत्र के उत्तर में चीन के निर्यातकों की ओर से मै0 अरिहंत सिनोटेक कारपोरेशन द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं

(क) विचाराधीन उत्पाद

इस समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद जहां तक हमारा संबंध है सामान्य शक्ति और उच्च शक्ति वाला बताया गया है तथापि हम यह दोहराना चाहते हैं कि भारतीय उत्पादकों द्वारा पहले दायर याचिका, जिसके आधार पर जांच आरंभ की गई थी और मूल जांच में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरूआत अधिसूचना में उच्च शक्ति वाले ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों के बारे में कहीं नहीं बताया गया है। प्रारंभिक जांच परिणामों में उच्च शक्ति वाले ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों शब्द का पहली बार प्रयोग किया गया था। इस प्रकार यह मालूम होता है कि उत्पाद के विस्तार को जांच अवधि के दौरान और जांच प्रारंभ के बाद बढ़ा दिया गया था। हम यह समझते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के विस्तार को जांच शुरू करने के पश्चात् नहीं बढ़ाया जा सकता। किसी भी स्थिति में चूंकि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अब समीक्षा कर रहे हैं हम यह महसूस करते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस संबंध में पहले के निर्णय पर पुनः विचार कर सकते हैं।

(ख) पाटन

- (i) यह मालूम होता है कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यातकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां मानने के लिए विचार किया है। हम यह दोहराते हैं कि विनिर्माता स्वायत्तशासी कंपनियां हैं और उनकी कारखाना निकासी पर वही कीमत है जो घरेलू बाजार अथवा निर्यात बाजार के लिए है। इन कंपनियों पर अब वही कानून लागू हैं जो किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था देश में लागू होते हैं। उनके कार्यकरण में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यह कंपनियां अपने स्वयं के निर्णय लेने के लिए पूर्णतः सशक्त हैं। वे भारत को निर्यात के लिए व्यापारिक कंपनियों को उत्पादन लागत से कम पर आपूर्ति नहीं करते हैं। तीनों उत्पादक कंपनियां लघु कंपनियां हैं और भारतीय उत्पादकों सहित विषम श्रेणी के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड उत्पादकों की तुलना में उनका कम उत्पादन है। ये लघु उत्पादक सामग्री की आपूर्ति नहीं कर सकते हैं। लियाओनिंग जो व्यापार घराना है भी घाटे पर निर्यात नहीं करेगा।

(ii) इसके अतिरिक्त प्रस्तुत किए गए उत्तर से यह देखा जा सकता है कि चीन में उत्पादन की लागत कम है क्योंकि चीन में कच्ची सामग्री की लागत बहुत ही कम है (कच्ची सामग्री प्रचुरता से उपलब्ध है) और प्रसंस्करण लागत कम है क्योंकि चीनी उत्पादकों को इतनी गंभीर विनिर्माण प्रक्रिया नहीं अपनानी पड़ती है जो भारतीय कंपनियों द्वारा अपनाई जाती है। मुख्य कच्ची सामग्री अर्थात् कैल्सिड पेट्रोलियम विद्युत और कोलतार पिच (जो लागत का पर्याप्त हिस्सा होता है) चीन में बहुत सस्ते हैं और निकटवर्ती क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। चीनी संयंत्रों में बहुत कम पूंजीगत लागत है और इस प्रकार कम मूल्य हास होता है। इसके अतिरिक्त संयंत्र बहुत पुराने हैं।

(iii) यह पुनरावृत्ति की जाती है कि चीनी निर्यातक बाजार के सिद्धांतों पर प्रचालन करते हैं। चीन सरकार अब उद्योग के कार्यकरण में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। कंपनियां मूल लेखा रिकार्ड रखती हैं जिनकी अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप स्वतंत्र रूप से लेखा परीक्षा की जाती है। उत्पादन लागत और कंपनी की स्थिति पर पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न पर्याप्त बाजार विकृतियां लागू नहीं होती हैं। कंपनियों पर दिवालिएपन और संपत्ति कानून लागू होते हैं जिनसे कंपनियों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी मिलती है। उद्योग पर अनेक कानून लागू हैं। कुछ कानून जो इन कंपनियों पर लागू हैं, की सूची निम्नानुसार है:-

- देशी मुद्रा विनियोजन और चीन में स्थानान्तरण के विनियमन के लिए प्रावधान.
- विदेशी मुद्रा समाधान, बिक्री और भुगतान के प्रशासन को विनियमित करने के प्रावधान.
- विदेशी निवेश उद्यमों के लिए चीन जन गण की लेखा प्रणाली.
- चीन जन गण के लेखा कानून
- चीन जन गण के श्रम कानून
- चीनी और विदेशी निवेश का प्रयोग करने वाले संयुक्त उद्यमों से संबंधित चीन जन गण के कानून के कार्यान्वयन के लिए विनियम

- सिनो-विदेशी संयुक्त इक्विटी उद्यमों के संबंध में चीन जन गण का कानून
  - उद्यम दिवालियापन के बारे में चीन जनगण का कानून
- (iv) प्राधिकारी से अनुरोध है कि निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए ।
- (v) इसके अलावा, पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन निर्धारित करते समय यह नोट किया जाना चाहिए कि जिस मूल्य पर हमने सामग्री बेची है उसे (क) जिन उत्पादों के साथ निष्पलों की आपूर्ति नहीं की गई थी उन मामलों में निष्पल की लागत, (ख) उन मामलों में समान लागत जिनमें आपूर्ति की गई इलैक्ट्राड मशीनिंग की हुई थी, (ग) ऋण लागत क्योंकि हमने माल की आपूर्ति ब्याज वाले ऋण के आकार पर की है । क्रेता द्वारा अदा किए गए ब्याज की लागत निर्यात कीमत में अतिरिक्त है क्योंकि यह भी उपभोक्ता द्वारा अदा की गई कीमत है, (घ) सामग्री को सी एन एफ/एफ ओ बी आधार पर निर्यात किया गया है । भाड़े और बीमे के खर्चों को उन सौदों में जोड़े जाने की आवश्यकता है जो एफ ओ बी आधार पर है । इसी प्रकार जो सौदे सी एन एफ पर नहीं हैं और बीमे का मूल खर्च जोड़े जाने की जरूरत है (ड.) घरेलू उत्पादक सामग्री को वितरण के आधार पर बेच रहे हैं (जो एक भारतीय उत्पादक द्वारा वार्षिक रिपोर्ट में इस लेख में दर्शाए खर्च से स्पष्ट है जिस पर अलग से भी विचार-विमर्श किया गया है) के लिए समायोजित किए जाने की आवश्यकता है । इससे आयातित इलैक्ट्राडों पर भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा अदा किए गए अंतर्देशीय भाड़े से संबंधित खर्चों को आयात कीमत में जोड़े जाने की आवश्यकता है । विकल्प के तौर पर भारतीय उत्पादकों के उत्पादन की लागत को भाड़ा, सौदे और बीमा लागत को शामिल किए बिना परिकलित किए जाने की जरूरत है , (च) घरेलू उत्पादक को बिक्रीकर से छूट प्राप्त हुई मालूम होती है । इसलिए क्षति की गणना करते समय 5.8% एस. ए डी (100\* 1.25\* 1.16 \* 1.04\*, एसएडी का निवल प्रभाव 5.8% परिकलित हुआ है ) को आयातों के पहुंच मूल्य के जोड़े जाने की आवश्यकता है ।
- (vi) चीन द्वारा निर्यातित माल की गुणवत्ता लियाओनिंग द्वारा आपूर्ति की गई इलैक्ट्राडों की गुणवत्ता की भारतीय इलैक्ट्राडों के साथ तुलना नहीं की जा सकती । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित माल काफी बेहतर गुणवत्ता वाला है । मुख्य गुण जिनसे



इलेक्ट्राडों की गुणवत्ता निर्धारित होती है, बल्क सघनता, प्रतिरोधकता और करंट चालन क्षमता हैं और ये घरेलू तौर पर उत्पादित इलेक्ट्राडों के गुणों की तुलना में घटिया हैं।

(ख) क्षति

- (i) हम अपने पहले वाले निवेदनों को दोहराते हैं कि घरेलू उद्योग को चीन से आयातों से अब कोई क्षति नहीं हो रही है। यह क्षति उन कीमतों से उत्पन्न हुई है जिनपर भारतीय उत्पादक एनपीजी इलेक्ट्राडों की बिक्री कर रहे हैं और इन कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टें लगातार इस तथ्य के बावजूद अधिक से अधिक लाभ प्रदर्शित कर रहे हैं कि ये बहुत कम कीमतों पर इलेक्ट्राडों का निर्यात करने के लिए बाध्य हैं वास्तव में यह कहना उचित नहीं होगा कि यह कंपनियां भारतीय बाजार में अधिक कीमतें वसूल करके अपने निर्यातों की इमदाद कर रही हैं। इसके फलस्वरूप भारतीय उपभोक्ता जिसमें मुख्य स्टील उद्योग शामिल हैं, को घाटा हो रहा है।

(ग) अन्य मुद्दे

- (i) याचिकाकर्ताओं ने यह कहा है कि हमने अपने उत्तर का गैर गोपनीय रूपान्तर प्रस्तुत नहीं किया है। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमने गैर गोपनीय उत्तर प्रस्तुत किया है और वह रिकार्ड में है।

- (ii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया यह मानेंगे कि:-

- (क) ग्रेफाइट इलेक्ट्राडों का पाटन किया जा रहा है।  
 (ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हो रही है।  
 (ग) हमारे सिद्धांतों द्वारा किए जा रहे निर्यात से कोई क्षति नहीं हो रही है।  
 (घ) आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को हटाने की जरूरत है।

- (ङ) यदि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी यह मानते हैं कि अन्य चीनी उत्पादकों से हो रहे आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रहना चाहिए तो कम से कम उत्तर देने वाले निर्यातकों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को हटाने की जरूरत है।

5. मै0 एस जी एल कार्बन, पोलैंड

- ग्रेफाइट इलैक्ट्रोडों पर पाटनरोधी शुल्क की जांच का कार्य क्षेत्र सीमा शुल्क विभाग की दिनांक 5 मई 1998 की अधिसूचना 20/98 के तहत आता है और दिनांक 27 मार्च, 1998 से 5 वर्ष की अवधि के लिए लागू है जिसमें जहां तक हमारा व्यवसाय का संबंध है यू एच पी ग्रेड शामिल है ।
- जांच अवधि जो अप्रैल 2001 से दिसम्बर 2001 तक है के दौरान एस जी एल कार्बन ग्रुप द्वारा यथाउल्लिखित देशों से भारत को ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड यूएचपी को कोई निर्यात नहीं हुआ है । इसे हमारे दिनांक 28 जून, 2002 के पत्र के तहत निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट II के अनुसार पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है इसलिए भारत में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स यू एच पी ग्रेड के निर्यात की कीमत की भारत के अलावा घरेलू बाजार/देशों में उनकी कीमत के साथ तुलना करने के लिए कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।
- तथापि, जनवरी-दिसम्बर 2001 की अवधि के दौरान इन देशों से घरेलू बाजार के साथ-साथ विश्व के अन्य भागों में बेची गई मात्रा की औसत कीमत के संबंध में समेकित आंकड़े निर्यातक प्रश्नावली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमारे दिनांक 28 जून के पत्र के तहत पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय को प्रस्तुत किए गए थे । इन कीमतों से बाजारी ताकतों की परिवर्तित होने वाली गति का संकेत मिलता है इनसे पिछले पांच वर्षों में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड यू एच पी ग्रेड के मूल्य निर्धारण के रुख का विनियमन होता है । अन्य शब्दों में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड यू एच पी ग्रेड के मूल्य निर्धारण ढांचे में 1998 में (जिसके लिए पहले जांच की गई थी) पाटनरोधी शुल्क के लागू करने से तीव्र गति से परिवर्तन हुए हैं जिससे उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का औचित्य समाप्त हो जाता है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क को आगे बढ़ाए जाने से अंतिम प्रयोक्ता उद्योग के व्यावसायिक हितों में बाधा उत्पन्न होगी और इसे तुरंत वापस लिए जाने की जरूरत है ।
- घरेलू बाजार में स्थानीय उत्पादकों द्वारा लाए गए ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड यू एच पी ग्रेड की बिक्री कीमत में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है जिससे उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के लाभ प्राप्त हो रहे हैं जिसके कारण आयातक अर्थात् घरेलू अंतिम प्रयोक्ता उद्योग - स्टील विनिर्माता इन उत्पादनों के लिए उचित प्रतिस्पर्धा से वंचित हुए हैं क्योंकि इन वर्षों के दौरान विश्वभर में कीमतें कम होने की प्रवृत्ति रही है ।

- इन प्रश्नगत देशों अर्थात् आस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और बेल्जियम जिन्हें विकसित देश बताया गया है, से ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड यू. एच. पी. के लिए मूल्य निर्धारण प्रवृत्ति को विकासशील देशों के रूप में उल्लिखित देशों अर्थात् हालैंड के साथ लोक सुनवाई के दौरान यथा उल्लिखित इन देशों में व्याप्त विभिन्न आर्थिक कारकों की वजह से तुलना नहीं की जा सकती और इसलिए ऐसे विकासशील देशों के किसी भी संदर्भ को इस निर्णायक समीक्षा के कार्यक्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए ।
- इन परिस्थितियों में जबकि यह पूर्णतः अनिवार्य है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कार्य की उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा की जानी है तो हमारे विचार से इसको आगे बढ़ाए जाने का कोई औचित्य नहीं है । हम यह भी सूचित करना चाहते हैं कि
- लोक सुनवाई के दौरान उठाए गए मुद्दों के अनुसार कीमत में कटौती करने का ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड यू.एच.पी. आयातों के उपभोक्ताओं के व्यावसायिक हितों को बनाए रखते हुए अत्यधिक गतिशील परिवर्तनीय परिदृश्य में कोई प्रभाव नहीं होगा ।

#### प्रकटन विवरण के उत्तर में निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं

- (i) हम यह दोहराना चाहते हैं कि एसजीएल कार्बन ग्रुप का जर्मनी में मुख्यालय है जिसकी उपर्युक्तानुसार विभिन्न देशों में विनिर्माण सुविधाएं हैं । अतः प्रत्येक संयंत्र प्रचालन के अलग अलग निवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं है और इसके अलावा इस जांच में शामिल एस जी एल वाले सभी देश यूरोपीय यूनियन के अभिन्न अंग हैं ।
- (ii) हम अपनी इस स्थिति की पुनः पुष्टि करते हैं कि इन देशों अर्थात् जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रिया, फ्रांस, स्पेन, इटली 'विकसित देशों के रूप में उल्लिखित' और पोलैंड को 'विकासशील देश' के रूप में मानते हुए जांच अवधि के दौरान इनसे हुए शून्य निर्यातों को ध्यान में रखते हुए जिनके आर्थिक घटक पूर्णतः अलग अलग हैं और जांच अवधि के दौरान एशिया सहित विश्व के विभिन्न भागों को इन विकसित देशों से एसजीएल द्वारा उपलब्ध कराए गए कीमत स्तर भी अलग हैं, को निर्णायक समीक्षा के अन्तर्गत पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पुनर्विचार करने के लिए आधार के रूप में लिया जाना चाहिए जिससे अब तक उपलब्ध कराए गए तथ्यों एवं आंकड़ों के अनुसार इसके तुरंत समाप्त करने का औचित्य सिद्ध होता है ।

(ख) घरेलू उद्योग

अपने लिखित अनुरोधों और प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने यह स्वीकार किया है कि पाटनरोधी शुल्क सभी स्रोतों से हुए आयातों के लिए आगे और 5 वर्ष की अवधि तक लागू रहने चाहिए। अपने मामले के समर्थन में मुख्य-मुख्य तर्क निम्नानुसार हैं-

किसी भी निर्यातक ने सुनवाई की तारीख तक निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित सूचना देते हुए उत्तर नहीं दिया था। इसके आलवा, यद्यपि एसजीएल कार्बन का प्रतिनिधि उपस्थित था तथापि उसने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करने के बारे में कोई वचनबद्धता व्यक्त नहीं की थी। चीन के एक निर्यातक द्वारा यह उल्लेख किया गया था कि उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को कुछ सूचना प्रस्तुत की है किंतु उसके द्वारा किए गए अनुरोधों का कोई अर्थपूर्ण अथवा उचित अगोपनीय रूपान्तर घरेलू उद्योग को उपलब्ध नहीं कराया गया था ताकि वह उस पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत कर सके।

प्रकटन विवरण के पृष्ठ 5 पर यह उल्लेख किया गया है कि प्राधिकारी ने निर्यातक के इस तर्क को नोट किया है कि मुख्य जांच में चीन के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की घटिया गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए 20% का समायोजन किया गया था। प्राधिकारी ने आगे यह उल्लेख किया है कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उत्पाद का क्षेत्र और विवरण समान है, यह प्रस्ताव किया जाता है कि उसी समायोजन पर विचार किया जाए और नियम 2(घ) के अनुसार उसकी पुष्टि की जाए। घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण में इस वक्तव्य के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है और वह यह अनुरोध करना चाहेगा कि निम्नलिखित कारणों से ऐसा कोई समायोजन अनुमन्य नहीं है।

धारा 9 क(5) के अनुसार कोई समीक्षा यह निर्धारण करने के लिए की जाती है कि क्या ऐसा शुल्क समाप्त करने से पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। इस निष्कर्ष को निकालते समय प्राधिकारी के लिए वर्तमान कारकों और ऐसे संभावित परिदृश्य को ध्यान में रखना अपेक्षित होता है जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित कर सकता है। इस मामले में किसी भी निर्यातक द्वारा इस बात का संकेत देने के लिए कोई आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है कि गुणवत्ता में अंतर इतना अधिक है जिसके लिए 20% का उच्चतम समायोजन अपेक्षित हो।

प्रारम्भिक जांच परिणामों अथवा मामले के अंतिम जांच परिणामों में इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि ऐसे किसी समायोजन की अनुमति मुख्य जांच में दी गई थी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग का दावा है कि उन्होंने न तो इस समायोजन का कोई आधार प्रस्तुत किया है और न ही विधिक और तथ्यगत दृष्टिकोण से उसकी स्वीकार्यता पर टिप्पणी करने का कोई अवसर प्रदान किया है।

इस बात का अनुमान लगाते हुए कि तु उसे स्वीकार न करते हुए कि गुणवत्ता के कारण कुछ समायोजन की जरूरत है, किसी पड़ताल अथवा जांच के बिना 20% को स्वीकार करने में कोई तर्कसंगतता नहीं है। ऐसे किसी दृष्टिकोण से इस बात का पूर्वानुमान लगाया जाता है कि चीन के निर्यातकों द्वारा आपूर्ति की जा रही गुणवत्ता में कोई परिवर्तन अथवा सुधार नहीं हुआ है। अतः, निर्यातक द्वारा दावा किया जा रहा समायोजन पूर्णतः मनमाना है और उसे विधिक, तार्किक अथवा तथ्यगत आधार पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा, इस बात का अनुमान लगाते हुए कि तु उसे स्वीकार न करते हुए कि कुछेक मामलों में गुणवत्ता के कारण समायोजन की अनुमति दी जा सकती है, अनुरोध है कि ऐसे किसी समायोजन की सीमा का निर्धारण वास्तविक आधार पर करना होता है ताकि कीमत समायोजन की अनुमति दी जा सके। सार्वजनिक फाइल में इस बात का संकेत देने के लिए कोई उल्लेख नहीं है कि किसी भी निर्यातक ने गुणवत्ता के कारण किसी समायोजन का प्रमाणीकृत दावा किया है। अनुरोध है कि ऐसे किसी दावे के अभाव में आरोपित गुणवत्ता संबंधी अंतर के कारण किसी समायोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

प्रकटन विवरण में जिस नियम 2 (घ) का उल्लेख किया गया है उसकी वर्तमान मामले में कोई प्रासंगिकता नहीं है क्योंकि गुणवत्ता में अंतर से 'समान वस्तु' की अवधारणा प्रभावित नहीं होती है। विभिन्न जांच परिणामों में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह सुसंगत दृष्टिकोण रहा है।

यदि गुणवत्ता में अंतर के कारण कोई भी दावा किया जाता है तो गुणवत्ता संबंधी अंतर के कारण कीमत तुलनीयता प्रदर्शित करने के लिए उसकी सीमा का निर्धारण करना और उसे प्रदर्शित करना अपेक्षित होता है। यह उल्लेखनीय है कि विश्व में कहीं भी किसी समूचे देश के लिए सपाट दर से समायोजनों की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि ऐसे किसी दृष्टिकोण से यह माना जाता है कि

चीन के सभी निर्यातकों द्वारा आपूर्ति किया गया ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स समनुरूप गुणवत्ता के हैं।

अनुरोध है कि आयातकों में से एक आयातक अर्थात् पंचमहल स्टील लि० ने 25.5.2002 के अपने लिखित अनुरोध में स्पष्ट तौर पर यह उल्लेख किया है कि 'सामग्री की सुपुर्दगी के बाद उत्पाद से संबद्ध किसी तकनीकी समस्या का सामना अब तक नहीं किया गया है।' इस प्रकार चीन की सामग्री तुलनीय है और वह भारतीय आयातकों तथा उपभोक्ताओं को स्वीकार्य है जिसकी वजह से भारतीय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

अनुरोध है कि किसी निर्णायक समीक्षा में यद्यपि निर्दिष्ट प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद को नहीं बदल सकते हैं तथापि उनका यह दायित्व बनता है कि वे यह पता लगाने के लिए सभी तथ्यात्मक पहलुओं की जांच करें कि क्या धारा 9 क (5) में निर्धारित जांच पूरी होती है अथवा नहीं।

निर्यात कीमत (प्रकटन विवरण के पृष्ठ 15 पर पैरा 2) में निर्यात कीमत के निर्धारण कानून की दृष्टि से एक त्रुटि हुई है क्योंकि उसे इस आधार पर भरपाई की सीमा तक समायोजित किया गया है कि वास्तविक उत्पादक चीन के व्यापारी को की गई बिक्रियों पर घाटा हो रहा है। इस संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि पाटन मार्जिन के प्रयोजनार्थ यदि उत्पादक की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत उपलब्ध कराई जाती है और बिक्रियां किसी असम्बद्ध व्यक्ति के जरिए की जाती हैं तो कोई उध्वगामी समायोजन करने का कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि उत्पादक द्वारा वास्तव में प्राप्त निवल बिक्री मूल्य तुलना के लिए उपलब्ध होता है। ऐसा केवल पहुंच मूल्य के प्रयोजनार्थ किया जाता है कि भारत के लिए व्यापार की कीमत पर विचार किया जाए। दोनों मामलों में लाभ हेतु कोई समायोजन करने की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि 'व्यापारकी सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच' केवल सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ लागू होती है। अतः, अनुरोध है कि जिस कारखाना कीमत पर उत्पादकों ने चीन के व्यापारी को बिक्री की है उस पर इस संबंध में पर्याप्त और सही साक्ष्य के अधीन रहते हुए पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए विचार करना होता है।

### पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति

जहां तक पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति (यद्यपि संबद्ध देशों से यूएचपी इलेक्ट्रोड्स का कोई आयात नहीं हुआ है) का संबंध है, घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं-

यह कहना तथ्यतः गलत है कि यूएचपी ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का कोई आयात नहीं हुआ है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उन्होंने यह प्रदर्शित करने के लिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी की पर्याप्त साक्ष्य पहले ही प्रस्तुत कर दिया है कि उन्हीं निर्यातकों ने अपनी वैकल्पिक उत्पादन सुविधाओं से ही सही, यू एच पी ग्रेड इलेक्ट्रोड्स की आपूर्ति की है। यह भी अनुरोध किया गया है कि ग्रेडवार आयातों को देखना संगत नहीं है क्योंकि समस्त स्रोतों से सभी ग्रेडों के लिए संचयी आधार पर मुख्य जांच में क्षति संबंधी विश्लेषण किया गया है।

पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद उद्योग ने अपनी स्थिति में सुधार किया है और वह बाजार में बने रहने में समर्थ हुआ है। तथापि, रूग्ण घरेलू उद्योग को पूर्ण लाभ नहीं मिल सका है क्योंकि कुछ निर्यातकों ने अपने वैकल्पिक स्रोतों से वस्तु की आपूर्ति जारी रखी है।

मै0 एसजीएल कार्बन ने पोलैंड स्थित अपनी विनिर्माण इकाई से पाटित कीमतों पर अपने निर्यात शुरू किए जो पिछले कुछ वर्षों से लगातार जारी हैं। इसी प्रकार यूसीएआर ने ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और मैक्सिको से पाटित कीमतों पर अपने निर्यात शुरू किए। यह उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणामों के आधार पर ब्राजील और पोलैंड से हुए आयातों पर अंतिम शुल्क लगाया है।

बाजार की संरचना और बाजार की स्थितियों से स्पष्ट तौर पर यह पता चलेगा कि निर्यातकों के पास वैकल्पिक स्रोतों से विचाराधीन उत्पाद की आपूर्ति करने का विकल्प है जिससे पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन ही समाप्त हो गया है। इन परिस्थितियों में यदि इस स्तर पर संबद्ध देशों पर लगाया गया शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो इससे इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से उन्हीं स्रोतों से एक बार फिर पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। ऐसा खासकर इस तथ्य के मद्देनजर होने की संभावना है कि केन्द्र सरकार द्वारा ब्राजील और पोलैंड से हुए आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जा चुका है।

इन देशों से पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में इन सातों देशों से निर्यात का विकल्प एक बार फिर उपलब्ध हो जाएगा और देश में पाटित मात्राओं में वृद्धि होने की संभावना भी बन जाएगी। इससे बिक्री की घटी हुई मात्रा और तत्पश्चात् उत्पादन स्तर पर प्रभाव पड़ने के परिणामस्वरूप स्टॉक बढ़ने के रूप में घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि निर्यातकों अर्थात् एसजीएल कार्बन और यूसीएआर ने आपूर्ति के अपने स्रोतों में लगातार परिवर्तन किया है। ऐसा वे अपनी बहुस्थानीय उत्पादन सुविधाओं के कारण करने में समर्थ हुए हैं। इन कंपनियों से कुछेक नमूना उद्धरण संलग्न है जिनमें उन्होंने इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया है कि वे आपूर्ति करने की स्थिति में हैं और वस्तुतः उन्होंने वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति की भी है।

राउरकेला स्टील प्लांट (सेल) को भेज उद्धरण में मै0 यूसीएआर ने उद्गम वाले देश का उल्लेख निम्नानुसार किया है (अनुबंध क)-

विनिर्माता

यूसीएआर कार्बन अथवा इसकी सहायक कंपनियां

मूलता का देश

मैक्सिको/ब्राजील/दक्षिणी अफ्रीका बिक्रीकर्ता के विकल्प पर'

15-5-95 का यू सी ए आर कार्बन कंपनी के संबंध में अलाय स्टील संयंत्र का क्रय आदेश जिसमें यूएसए/यू.के./स्पेन/इटली/फ्रांस को स्पष्ट रूप से मूलता के वैकल्पिक देशों के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है। अनुबंध ख देखें।

एस जी एल कार्बन एजी, जर्मनी के संबंध में अलाय स्टील प्लांट का 27.5.95 का क्रय आदेश स्पष्ट रूप से मूलतः के वैकल्पिक देशों के रूप में (क्रम संख्या 14 क्रय आदेश का विशेष अनुदेश) जर्मनी/आस्ट्रिया/फ्रांस/बेल्जियम/स्पेन/इटली को दर्शाता है। मूलता के देश के रूप में मद 8 पर स्पेन को दर्शाया गया है। अनुबंध ग देखें।

सार्वजनिक सुनवाई के समय पर मै0 एसजीएल कार्बन, मै0 कलर कैम के भारतीय प्रतिनिधि ने उल्लेख किया कि निर्णायक समीक्षा के लिए जांच की अवधि के दौरान मै0



एसजीएल कार्बन ने संबद्ध देशों से निर्यात नहीं किए हैं परन्तु इस बात की पुष्टि की है कि पोलैंड से उनके निर्यातों पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में यह भी उल्लेख किया है कि जांच की अवधि के दौरान मै0 एसजीएल कार्बन ने पोलैंड से निर्यात किए और जर्मनी/आस्ट्रिया/फ्रांस/बेल्जियम/स्पेन/इटली के निर्यातों से बचे रहे।

यह भी देखा जा सकता है कि जब 1995 से पूर्व यू सीएआर यू.एस.ए., इटली, यू.के., फ्रांस और स्पेन से अपना माल भेज रहे थे, सरकार द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद यूसीएआर ने अन्य स्रोतों नामतः ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका से भेजना शुरू कर दिया जिन पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगता था। जनवरी, 2002 में ब्राजील से आयातों के विरुद्ध जांच शुरू होने के बाद यूसीएआर ने दक्षिण अफ्रीका से भेजना शुरू किया। अतः अनुरोध किया जाता है कि आपूर्तिकर्ता, जिसके पास निश्चित रूप से बहुराष्ट्रिक तथा बहु-स्थानीय उत्पादन सुविधाएं हैं, उनका उपयोग पाटन को जारी रखने के लिए करते हैं जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती है।

घरेलू उद्योग ने डा0 वूल्फ-गैंग मूल्लर, निकोलस खान, बैरिस्टर और डा0 हंस अडोल्फ न्यूमन्न द्वारा ईसी एंटी डंपिंग लॉ-ए कमेंटरी ऑन रेग्यूलेशन 384/96 पुस्तक से उद्धरण दिए हैं जो इस बारे में ईसी पद्धति का विस्तार से वर्णन करते हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा यह भी कहा गया है कि न तो ई सी में और न यू एस ए में संबद्ध देशों से आयातों के अभाव पर पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने की रोक पर विचार किया जाता है। वास्तव में, पाटनरोधी शुल्क की प्रभाविता का निर्णय इस तथ्य से किया जा सकता है कि निर्यातकों के लिए समुचित तथा प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर आपूर्ति करना संभव नहीं है। अतः आयातों के अभाव को कानूनी अथवा तार्किक दृष्टि से पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने पर रोक लगाना नहीं हो सकता।

उपरोक्त के मद्देनजर, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यह वास्तव में ट्रांसनेशनल कारपोरेशनों द्वारा पाटन का संस्थापित मामला है जहां पाटन तथा अनुवर्ती क्षति न केवल निकट है परन्तु पूर्ववर्ती पैरा तथा उनके साथ संबद्ध साक्ष्य में दी गई स्थिति की दृष्टि से निश्चित की है।

## ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध, जहां तक नियमों के अनुसार ये प्रासंगिक हैं और मामले पर प्रभाव डालते हैं, की जांच की गई उन पर विचार किया गया और इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर उन पर कार्रवाई की गई।

### 1. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर विभिन्न पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट करते हैं। चीन के निर्यातकों द्वारा संकेत दिया गया था कि हाई पावर ग्रेड (एचपीजी) प्रारंभिक शुरूआत की अधिसूचना में मूल जांच का हिस्सा नहीं था परन्तु पहली बार प्रारंभिक निष्कर्षों की प्रावस्था पर विचार किया गया था। उन्होंने अनुरोध किया है कि हाई पावर ग्रेड उत्पाद इस जांच में शामिल नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचाधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र पहले की मुख्य जांच में अंतिम अवस्था प्राप्त कर चुका है और उत्पाद के कार्यक्षेत्र का किसी भी हितबद्ध पक्ष द्वारा किसी भी अपीलीय मंच पर विरोध नहीं किया गया है। मौजूदा जांच केवल निर्णायक समीक्षा है और मूल जांच में माने जाने के लिए उत्पाद का कार्यक्षेत्र सीमित है। अतः प्राधिकारी मूल निष्कर्षों के समय पर विचार किए जाने के लिए विचाराधीन उत्पाद की पुष्टि करने का प्रस्ताव करते हैं।

निर्यातक ने संकेत दिया है कि मुख्य जांच में गुणवत्ता विचार के लिए 20% की दर से क्षति का निर्धारण समायोजन करते समय चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड की घटिया क्वालिटी के लिए की गई और यह कि प्राधिकारी द्वारा 20% भत्ते पर विचार किया गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अंतिम जांच परिणामों के पैरा 15 में उपर्युक्त समायोजनों को स्पष्ट किया गया है। इसके अलावा, निर्यातकों द्वारा यह दावा किया गया है कि पूर्व-वर्ती और वर्तमान मामले के बीच कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और उत्पाद की विशेषताएं समान बनी रही हैं। खपत का मुद्दा उत्पाद की विशिष्टता से संबंधित होता है और तकनीकी मापदंडों में परिवर्तन न होने पर खपत प्रणाली में अंतर नहीं होता है। इसके अलावा, इस दावा का प्रति तर्क नहीं दिया गया है और न ही निर्दिष्ट प्राधिकारी की जानकारी में कोई साक्ष्य लाया गया है कि खपत प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। प्राधिकारी इस तथ्य को देखते हुए कि उत्पाद का क्षेत्र और उसका वर्णन समान रहता है किसी समायोजन पर विचार करने का प्रस्ताव करते

हैं जैसाकि मूल मुख्य जांच में विचार किया गया था और वह नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु की पुष्टि करते हैं ।

## 2. घरेलू उद्योग

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां तक घरेलू उद्योग के आधार और उसके क्षेत्र विस्तार का संबंध है कोई अनुरोध नहीं किया गया है । अतः प्राधिकारी नियम 2(ख) के तहत मै0 ग्रेफाइट इंडिया लि0 और मै0 एच.ई.जी. की घरेलू उद्योग के रूप में पुष्टि करते हैं ।

## 3. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

### प्राधिकारी द्वारा जांच

तुलना से संबंधित नियमों में निम्नलिखित प्रावधान है-

' पाटन का मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच एक उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के एक समान स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथा संभव उसी समयावधि के दौरान की गयी बिक्रियों के संबंध में की जाएगी जो अंतर कीमत तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी । उक्त अंतर में बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अंतर शामिल हैं, जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।'

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के मूल्यांकन के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य की भारित औसत कारखानागत निर्यात कीमत से तुलना की है ।

क. चीन जन गण

### (i) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 लिओनिंग जियायी मैटल्स एंड मिनरल्स कं0 लि0, निर्यातक और चीन जन गण के तीन उत्पादक मै0 चेंगडू रेंगुआंग कार्बन कंपनी लि0, तिआनजिन जिंघाई कार्बन प्लांट और लिआओ यांग कार्बन फैक्टरी

ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि प्राधिकारी के 12 दिसम्बर, 2002 के पत्र के उत्तर में निर्यातक ने यह उल्लेख करते हुए जवाब दिया है कि उनके द्वारा पालन किए जा रहे विभिन्न कानून उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माने जाने के लिए पात्र ठहराते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक द्वारा ऐसे कोई विशिष्ट साक्ष्य नहीं उपलब्ध कराए गए हैं कि वे बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धान्तों पर प्रचालन कर रहे हैं। इस प्रकार यथासंशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध II के पैरा 7 और 8 में यथा-उल्लिखित चार परिमाणों का उपयुक्त तरीके से खण्डन नहीं किया गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जहां तक भारत को प्रतिनिधि देश माने जाने का संबंध है निर्यातक ने कोई टिप्पणियां उपलब्ध नहीं कराई हैं। इस प्रकार प्राधिकारी सामान्य मूल्य के परिकलन के प्रयोजनार्थ भारत को प्रतिनिधि देश मानते हैं। प्राधिकारी ने भारत औसत सामान्य मूल्य का परिकलन नार्मल पावर ग्रेड और हाई पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के लिए \*\*\* डालर/मी.टन के रूप में मौजूदा पाटनरोधी नियमों के अनुसार किया है।

#### निर्यात मूल्य

(ii) तीन उत्पादों के लिए एक्स-फैक्टरी निर्यात मूल्य के संबंध में प्राधिमानी ने निर्यातों के उन एफ.ओ.बी./सी.एण्ड एफ. मूल्य पर विचार किया जो कि निर्यातक/उत्पादक द्वारा समुचित रूप से निर्दिष्ट किया गया है और निर्यातक द्वारा दावा किए गए समुद्री मामाज समुद्री बीमा, नौवहन प्रभार और पतन व्ययों के कारण समयोजनों को अनुमत किया है प्राधिमानी यह भी नोट करते हैं कि उत्पादक द्वारा निर्यातक को निर्दिष्ट किए गए एक्स-फैक्टरी निर्यात मूल्य, प्राधिकारी द्वारा आंके गए एक्स-फैक्टरी निर्यात मूल्य से अधिक हैं। अतः अधिकारी नोट करते हैं कि अनुत्पादक को व्यापारी को की गई बिक्री से हानि उठानी पड़ी है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के तुलनपत्र के अनुसार यह, कुल बिक्री कारोबार पर लाभ को दर्शाती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि भारत को किए गए निर्यात सौदों में हानियां भी हुई हैं प्राधिकारी उत्पादक के स्तर पर एक्स-फैक्टरी मूल्य का आकलन करने के लिए उत्पादकों द्वारा निर्यातक को कमीशन के रूप में की दर पर वृद्धि दिए जाने का प्रस्ताव करते हैं।

इस प्रकार, निर्यातक द्वारा यथानिर्दिष्ट समयोजनों के अलावा, प्राधिकारी ने एक्स-फैक्टरी निर्यात को भी की दर पर कमीशन दिए जाने का विचार किया है। तीन उत्पादकों अर्थात् मैसर्स चैंगडू रॉंगआंग कार्बन कंपनी लिमिटेड, लियानजिन गिडू कार्बन प्लान्ट और लियाओं यांग कार्बन फैक्टरी जब उन्होंने मैसर्स लार्योनिंग जियाजी मैटल्स और मिनरल्स कंपनी लि. के माध्यम से निर्यात किया, के लिए एक्स फैक्ट्री निर्यात मूल्य क्रमशः और अमेरिकी डालर/मीटरी टन बैठता है। उपयुक्त के आधार पर पाटन मार्जिन निम्नलिखित बैठता है। अन्य गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी सहयोग करने वाले उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार जांचावधि के दौरान संबंध वस्तु के भारत को न्यूनतम निर्यात मूल्य पर विचार करने का प्रस्ताव करते हैं।

एक्स-फैक्टरी निर्यात मूल्य को अमेरिकी डालर/मीटरी टन संबंधित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है। सामान्य मूल्य के संबंध में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य अमेरिकी डालर/मीटरी टन विचारित किया है जैसा कि सहयोगी उत्पादकों/निर्यातक के लिए विचारित किया गया था। पाटन मार्जिन 60.10% अमेरिकी डालर/मीटरी टन बैठता है।

#### 4. भारत को अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड

##### ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का निर्यात

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचावधि के दौरान, भारत को अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड (यू.एच.पी.) ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का कोई आयात नहीं हुआ था। अतः प्राधिकारी, यू.एच.पी. ग्रेड के लिए भारत को एक्स-फैक्टरी निर्यात मूल्य का आकलन नहीं कर सकते। चूंकि यू.एच.पी. के लिए पाटन मार्जिन को आकलित नहीं किया जा सकता, अतः पाटन और क्षति को जारी रखने के बारे में प्राप्त आवेदनों पर प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से अलग से विचार किया गया है।

#### 5. क्षति और सेवाद्धात्मक कारण

प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1995 में दशा संशोधित कस्टम टेरिफ एक्ट, 1975 के खण्ड 9क (5) के अनुसार इस खंड के तहत लगाए गए पाटन रोधी शुल्क, यदि पहले रद्द नहीं किया गया इसके लगाए जाने की तिथि से पांच वर्ष की समाप्ति पर प्रभावशाली नहीं रहेगा।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार किसी समीक्षा में यह विचार बनाए कि इस प्रकार के शुल्क को समाप्त करने तक पाटन और क्षति जारी रहने अथवा इनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, तो वह समय-समय पर, पांच वर्ष की एक और अवधि के लिए इस प्रकार के शुल्क की समय-सीमा को बढ़ा सकती है और इस प्रकार की अवधि इस प्रकार के समय विस्तार की तिथि के आदेश से शुरू होगी।

बशर्ते कि उन मामलों में जहां उपयुक्त पांच वर्ष की उपयुक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व शुरू की गई समीक्षा इस प्रकार की समाप्ति के पूर्व किसी निष्कर्ष पर न पहुंची हो, और एक वर्ष तक इस प्रकार की समीक्षा के निष्कर्षों के लम्बित रहने तक पाटनरोधी शुल्क जारी रह सकते हैं उपयुक्त नियम 11, अनुबंध II के तहत जब क्षति का कोई निष्कर्ष निकाल लिया जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हो सकने वाली क्षति का निर्धारण किया जाना शामिल होगा, जिसमें पाटित आयातों की मात्रा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव और इस प्रकार के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार आयातों पर पड़ने वाले परिणामक प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा। मूल्यों पर पाटित आयात के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा मूल्यों में काफी कमी आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयात अन्यथा मूल्य को कम रखने के लिए अथवा मूल्य में उस वृद्धि को रोकने के लिए किया है जो अन्यथा हो चुकी होती।

भारत में घरेलू पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपयुक्त नियमों के अनुबोध-II(iv) के अनुसार उन संकेतनों पर विचार किया गया है जिनका उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभ निकल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि के रूप में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है। चूंकि मौजूदा जांच के तहत यह आंका जाना होता है कि क्या पाटनरोधी शुल्कों के बंद होने से पाटन और क्षति जारी रहेगी अथवा इनकी पुनरावृत्ति होगी, प्राधिकारी ने इस पहलू को आंकने के लिए उपयुक्त नियमों के अनुबंध II(iv) में दिए गए क्षति के समुचित मानदण्डों पर विचार किया है।

प्राधिकारी सामान्य पावर ग्रेड (एम.पी.जी.) से संबंधित घरेलू उद्योग के मामले में निम्नलिखित आर्थिक मापदण्डों को नोट करते हैं:—

(क) उद्योग की कुल बिक्री, मात्रा और मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांचावधि अर्थात् अप्रैल-दिसंबर, 2001 (वार्षिकीकृत) में बिक्री मात्रा (घरेलू और निर्यात दोनों) में 31.4% और बिक्री मूल्य (घरेलू और निर्यात दोनों) में 20.3% की वृद्धि हुई है।

(ख) उत्पादन/उत्पादकता और क्षमता उपयोग

प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1998-99 वर जांचावधि अर्थात् अप्रैल-दिसंबर, 2001 (वार्षिकीकृत) के दौरान उत्पादन में 44.6% की वृद्धि हुई है और इसी अवधि में क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई है।

(ग) सामान सूची

एम.पी.जी. के लिए याचिकाकर्ता की सामानसूची वर्ष 1998-99 के मीट्रिक टन से घटकर अप्रैल-दिसंबर, 2001 के दौरान मी. टन रह गई।

(घ) रोजगार

कर्मचारियों की संख्या वर्ष 1998-99 से घटकर अप्रैल-दिसंबर, 2001 में रह गई और इस प्रकार यह 5.6% की कमी को दर्शाती है। यह नोट किया जाता है कि उद्योग में आंतरिक संरचना के कारण यह कमी है।

(ङ) मजदूरी

मजदूरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि मजदूरी श्रमिक नियमों के अनुसार निर्धारित की जाती है मजदूरी को याचिकाकर्ता कंपनियों के वित्तीय स्वास्थ्य के अनुसार बदला नहीं जा सकता।

(च) सम्बद्ध देशों से बड़े हुए आयात :

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से हुए आयात जांच अवधि में वित्तीय वर्ष 1998-99 की तुलना में 580 मी. टन तक बढ़ गए हैं।

| वर्ष                       | संबद्ध देशों से आयात |
|----------------------------|----------------------|
| 1998-99                    | 425                  |
| 1999-2000                  | 454                  |
| 2000-2001                  | 325                  |
| अप्रैल-दिस. 2001           | 435                  |
| अप्रैल-दिस. 2001 (वार्षिक) | 580                  |

(छ) उत्पादों की बिक्री कीमत :

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की औसत बिक्री कीमत (उत्पाद शुल्क और बिक्री कर को छोड़कर) वर्ष 1998-99 में \*\*\* ₹0 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान \*\*\* ₹0 हो गई ।

| वर्ष             | दर प्रति मी. टन ₹0 |
|------------------|--------------------|
| 1998-99          | ***                |
| 1999-2000        | ***                |
| 2000-2001        | ***                |
| अप्रैल-दिस. 2001 | ***                |

(ज) गंवाई गई निविदा का साक्ष्य:

घरेलू उद्योग ने गंवाई गई निविदाओं के संबंध में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए हैं ।

(झ) पाटन मार्जिन की मात्रा:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उच्चतम पाटन मार्जिन 59.42% बैठता है ।

(य.) नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव:

घरेलू उद्योग एनपीजी और यूएचपी ग्रेड का विनिर्माण समान संयंत्र सुविधा के तहत करता है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन का अधिकांश हिस्सा निर्यात किया जाता है । उत्पादों के अलग ब्यौरों के अभाव में नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव निकाला नहीं जा सकता है ।

इसके अलावा, लाभ में वृद्धि के मद्देनजर (स्वदेशी और निर्यात दोनों) 1998-99 में \*\*\* करोड़ ₹0 से जांच अवधि में \*\*\* करोड़ ₹0 तक वृद्धि हुई जो वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि 58.6% की वृद्धि दर्शाती देती है जिससे नकदी प्रवाह पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दिखाई देता है ।

(ट) वृद्धि:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 से जांच अवधि तक उत्पादन और बिक्री का विश्लेषण उचित वृद्धि दर्शाता है । इस अवधि के दौरान उत्पादन में 44.61% तक,

क्षमता उपयोग में 28.2% तक और बिक्री मात्रा में 31.4% तक वृद्धि हुई है। इस प्रकार प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि हुई है।

(ठ) क्षति का खतरा:

उद्योग ने उल्लेख किया है कि चीन से क्षति का पर्याप्त खतरा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनपीजी श्रेणी के संबंध में चीन से हुए आयात 1998-99 के दौरान हुए 425 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 580 मी.टन हो गए।

(ड) सम्बद्ध देश से आयातों का बाजार हिस्सा/कुल मांग का %

जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा उल्लेख किया गया है, आयातों और स्वदेशी उत्पादन का बाजार हिस्सा निम्नानुसार है:-

| वर्ष                         | आयात(%) | देशीय(%) |
|------------------------------|---------|----------|
| 1998-99                      | 4.0     | 95.4     |
| 1999-2000                    | 4.6     | 95.6     |
| 2000-2001                    | 3.5     | 96.6     |
| अप्रैल-दिस.<br>2001          | 6.6     | 93.7     |
| अप्रैल-दिस.2001<br>(वार्षिक) | 6.6     | 93.7     |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों के हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है।

(ण) निवेश पर आय (लगाई गई पूंजी)

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निवल मूल्य में \*\*\* लाख.रु० से \*\*\* लाख रुपये की वृद्धि हुई जिसमें वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 22.72% की वृद्धि प्रदर्शित होती है। विस्तार की दृष्टि से किए गए पूंजी निवेश में भी \*\*\* लाख रुपये से \*\*\* लाख रुपये की वृद्धि हुई जिसमें वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 19.1% की वृद्धि प्रदर्शित होती है।

(त) कम कीमत पर बिक्री

चीन से हुए आयातों के पहुंच मूल्य को घटिया गुणवत्ता के कारण 20% जोड़कर समायोजित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन से विचाराधीन उत्पाद का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उस कीमत से कम है जो संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियों से प्राप्त होनी चाहिए।

(थ) कीमत कटौती

संबद्ध वस्तु के चीन से हुए आयात घटिया गुणवत्ता के हैं। इस प्रकार, कीमत कटौती का प्रभाव ज्ञात नहीं किया जा सकता है।

(द) बिक्रियों की लागत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्रियों की लागत में स्वदेशी बाजार में 7.06% सीमा तक और निर्यात बाजार में 15.48% की कमी हुई थी।

प्राधिकारी अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड (यूएचपी) से संबंधित घरेलू उद्योग के मामले में निम्नलिखित आर्थिक मानदण्डों को नोट करते हैं :-

(क) उद्योग की कुल बिक्रियाँ, मात्रा तथा मूल्य

(लाख ₹ में)

| वर्ष                               | बिक्री<br>मात्रा<br>(मी.टन.)<br>(घरेलू) | बिक्री<br>मात्रा<br>(मी.टन.)/<br>निर्यात | बिक्री<br>मूल्य<br>(घरेलू) | बिक्री<br>मूल्य<br>(निर्यात) |
|------------------------------------|---|--|----------------------------|------------------------------|
| 1998-99                            | ***                                     | ***                                      | ***                        | ***                          |
| 1999-2000                          | ***                                     | ***                                      | ***                        | ***                          |
| 2000-2001                          | ***                                     | ***                                      | ***                        | ***                          |
| अप्रैल-दिस.<br>2001                | ***                                     | ***                                      | ***                        | ***                          |
| अप्रैल-<br>दिस.2001<br>(वार्षिकृत) | ***                                     | ***                                      | ***                        | ***                          |



प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर, 2001 (वार्षिकृत) में बिक्री मात्राओं (घरेलू तथा निर्यात दोनों) में 33.7% की वृद्धि हुई और बिक्री मूल्य (घरेलू तथा निर्यात दोनों) में 23.1% की वृद्धि हुई।

(ख) उत्पादन/उत्पादकता तथा क्षमता उपयोग

| वर्ष                                | क्षमता<br>(मी.टन) | उत्पादन<br>(यूएचपी)<br>(मी.टन) | कुल उत्पादन<br>(एनपीजी+<br>यूएचपी)<br>(मी.टन) | क्षमता उपयोग<br>(%) |
|-------------------------------------|-------------------|--------------------------------|---|---------------------|
| 1998-99                             | 65900             | 23477                          | 40952   | 73.3                |
| 1999-2000                           | 55900             | 26028                          | 43700   | 78.2                |
| 2000-2001                           | 55900             | 31121                          | 53126   | 95.0                |
| अप्रैल-दिस.<br>2001                 | 44175             | 22552                          | 41506   | 94.0                |
| अप्रैल-<br>दिस. 2001<br>(वार्षिकृत) | 58900             | 30069                          | 55341   | 94.0                |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि अर्थात् अप्रैल-दिसम्बर 2001 (वार्षिकृत) के दौरान 28.07% की वृद्धि हुई और इसी अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में 28.2% की वृद्धि हुई।

(ग) भण्डार सूची:

याचिकाकर्ता की यूएचपी ग्रेड की भण्डार सूची वर्ष 1998-99 में \*\*\* मी.टन से घटकर अप्रैल-दिस., 01 की अवधि के दौरान \*\*\* मी.टन रह गयी इसमें 36% की कमी प्रदर्शित होती है।

(घ) रोजगार

कर्मचारियों की संख्या वर्ष 1998-99 के \*\*\* से घटकर अप्रैल-दिसंबर 2001 की अवधि में \*\*\* रह गई इस प्रकार इसमें 5.6% की गिरावट आई। यह नोट किया जाए कि यह कमी उद्योग की आंतरिक पुनर्संरचना के कारण हुई।

(ङ.) मजदूरी:

मजदूरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि मजदूरी का निर्धारण श्रम कानूनों के आधार पर होता है। याचिकाकर्ता कंपनियों की वित्तीय स्थिति के अनुसार मजदूरी में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

(च) संबद्ध देशों से बड़े हुए आयात:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 से जांच अवधि तक संबद्ध देशों अर्थात् सं.रा. अमरीका, जर्मनी, बेल्जियम, आस्ट्रिया, फ्रांस, स्पेन और इटली से यू एच पी के कोई आयात नहीं हुए हैं।

(छ) उत्पादों की बिक्री कीमत:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादों की औसत बिक्री कीमत (उत्पाद शुल्क एवं बिक्री कर को छोड़कर) में वर्ष 1998-99 में \*\*\* के मुकाबले जांच अवधि के दौरान \*\*\* का सुधार हुआ है।

| वर्ष             | दर ₹0 प्रति मी. टन |
|------------------|--------------------|
| 1998-99          | ***                |
| 1999-2000        | ***                |
| 2000-2001        | ***                |
| अप्रैल-दिस. 2001 | ***                |

(ज) गवाई गई संविदाओं के साक्ष्य

घरेलू उद्योग ने गवाई मई संविदाओं के संबंध में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

(झ) पाटन मार्जिन का परिमाण

प्राधिकारी नोट करते हैं कि 1998-99 से जांच-अवधि अर्थात् अप्रैल-दिस. 2001 तक संबद्ध देशों से किसी आयात की अनुपस्थिति में, पाटन मार्जिन के परिमाण के संबंध में हिसाब-किताब नहीं मांगा जाता है।

(य.) नकदी प्रवाहों पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव

घरेलू उद्योग समान संयंत्र सुविधा के तहत एनपीजी एवं यूएचपी ग्रेडों का विनिर्माण करता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन के बड़े हिस्से का निर्यात किया जाता है उत्पादों के अलग ब्यौरे की अनुपस्थिति में नकदी प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव का परिकलन नहीं किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, 1998-99 में ₹0 \*\*\* से जांच अवधि में ₹0 \*\*\* तक के लाभ (स्वदेशीय एवं निर्यात दोनों) से वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि में 48.8% की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, यह प्रतीत होता है कि नकदी प्रवाह पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं हुआ।

(ट) वृद्धि

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 से जांच अवधि तक उत्पादन और बिक्रियों के विश्लेषण उचित वृद्धि प्रदर्शित करते हैं। इस अवधि के दौरान उत्पादन में 28.07% की वृद्धि, क्षमता उपयोग में 28.2% की वृद्धि तथा बिक्रियों की मात्रा में 33.7% की वृद्धि हुई है। प्राधिकारी, इसलिए, नोट करते हैं कि उद्योग का चरणबद्ध तरीके से विकास हुआ।

(ठ) क्षति की आशंका

उद्योग ने बताया है कि निर्यातक के पास बहु राष्ट्रीय तथा बहु स्थानीय उत्पादन सुविधाएं हैं। निर्यातक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन को जारी रखने के

लिए इन सुविधाओं का रणनीतिक रूप से उपयोग करते हैं। इस प्रकार, एक स्पष्ट संकेत है कि पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति से उन्हीं स्रोतों से पुनर्पाटन किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 एस.जी.एल कार्बन ने 2001 के दौरान विश्व के अन्य हिस्सों को अपनी निर्यात कीमतें इंगित की है। सुदूर पूर्व, मध्य पूर्व के लिए औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/मी.टन है। उनके वैश्विक निर्यातों का औसत निर्यात कीमत \*\*\* डालर/मी.टन है। जांच अवधि के दौरान प्रचलित विनिमय दर तथा कस्टम शुल्कों के साथ एशियाई क्षेत्र हेतु निर्यात कीमतों के आधार पर, यह पाया जाता है कि यदि एशियाई क्षेत्र की कीमत पर भारत को निर्यात किया जाता है तो औसत पहुंच मूल्य \*\*\* डालर/मी.टन(रू0 \*\*\* /मी.टन) परिकलित होगा। इस अवधि के दौरान यू.एच.पी ग्रेड की गैर-क्षतिकारी कीमत \*\*\* रू0/मी.टन(\*\*\* डालर/मी.टन) परिकलित की गई है। यह इंगित करता है कि यह परिकल्पना कि पाटनरोधी शुल्क हटा लेने से क्षति पुनः शुरू हो जाएगी, मान्य नहीं है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना भी पहुंच मूल्य गैर-क्षतिकारी कीमत से अधिक है। यह परिकल्पना करना भी उचित नहीं होगा कि मै0 एस.जी.एल. कार्बन पूरे विश्व में वस्तुओं का पाटन कर रहा है तथा अत्यधिक घाटा उठा रहा है। यदि \*\*\* डालर/मी.टन की कम निर्यात कीमत का भी चयन किया जाता है, तो यह \*\*\* डालर/मी.टन(रू0 \*\*\* /एम.टी) के पहुंच मूल्य को इंगित करेगी इसलिए, इस बात का पर्याप्त साक्ष्य नहीं प्रतीत होता कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाते, तो पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होगी।

(ड) निवेश पर लाभ(लगाई गई पूंजी)

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का निवल कीमत रू0 \*\*\* लाख से बढ़कर रू0 \*\*\* लाख हो गई है जिससे वर्ष 1988-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 22.72% की वृद्धि प्रदर्शित होती है। विस्तार के कारण पूंजीगत निवेश भी वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 19.1% की वृद्धि प्रदर्शित करते हुए रू0 \*\*\* लाख से बढ़कर रू0 \*\*\* लाख हो गया।

(ढ) कम कीमत पर बिक्री/कीमत कटौती:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 से जांच अवधि तक संबद्ध देशों से यूएचपी ग्रेड के किसी आयात की अनुपस्थिति में, कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव/कीमत कटौती का परिकलन नहीं किया जा सकता है।

(ण) बिक्रियों की लागत:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान स्वदेशीय बाजार हेतु बिक्रियों की लागत में 14.02% तक की कमी तथा निर्यात बाजार हेतु 7.92% की कमी हुई थी।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण से सामान्य पावर ग्रेड/उच्च पावर ग्रेड का निर्यात हुआ है और निर्यातकों के सहयोग अथवा गैर-सहयोग के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक परिगणित किया गया है। प्राधिकारी ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9क, 9क के तहत लागू हुए शुल्कों को छोड़कर निर्धारण योग्य मूल्य पर लागू कस्टम शुल्क पर विचार करते हुए तथा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत के साथ इसकी तुलना करते हुए पाटित वस्तुओं का पहुंच मूल्य परिगणित किया है।

यू.एच.पी. ग्रेड के संबंध में, प्राधिकारी ने आई.बी.बी. के निर्णायक समीक्षा मामले हेतु माननीय सी.ई.जी.ए.टी.(सीगेट) के फैसले का भी हवाला दिया है। प्राधिकारी वर्तमान जांच में संबद्ध देशों में पहले से मौजूब पाटनरोधी-शुल्कों की दृष्टि से नये स्रोतों अर्थात् ब्राजील और पोलैण्ड से अब बहु-राष्ट्रीय से अब माल के पाटन के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए निवेदनों को नोट करते हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मे0 एस.जी.एल. कार्बन ने भारत को छोड़कर सुदूर-पूर्व एशियाई देशों तथा मध्य पूर्व एशियाई देशों सहित विभिन्न देशों को अपनी निर्यात कीमत इंगित की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान इन देशों से भारत में अल्ट्रा हाई पावर ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का कोई आयात नहीं हुआ है।

प्राधिकारी बाजार ढांचे तथा बहु-राष्ट्रीय कंपनियों की कीमत निर्धारण संबंधी नीति के विषय में प्रस्तुत किए गए निवेदनों को नोट करते हैं, जिनके द्वारा पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में क्षति पहुंच सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आर्थिक संकेतकों के विश्लेषण से पता चलता है कि उद्योग ने अपने कार्य निष्पादन में सुधार किया है तथा आर्थिक संकेतक यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन में निरंतरता या पुनरावृत्ति नहीं होगी और घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचेगी, इसलिए प्राधिकारी चीन(एन पी जी ग्रेड) के अलावा संबद्ध देशों से संबद्ध उत्पादों (यू एच पी ग्रेड) पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की सिफारिश करते हैं।

प्राधिकारी, भारत को निर्यात पर कीमत वचनबद्धता के संबंध में चीनी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेदनों को नोट करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत वचनबद्धता के प्रारूप के साथ निर्यातक को एक अवसर प्रदान किया गया था ताकि उन्हें इस मुद्दे पर उचित रीति से विचार करने में सहायता मिल सके। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि निर्यातक द्वारा कीमत वचनबद्धता का उत्तरदायित्व लेने की इच्छा जताई गई थी, परंतु कोई सुनिश्चित प्रस्ताव नहीं दिये गये थे।

#### 6. पहुंच मूल्य

संबद्ध वस्तुओं के लिए पहुंच मूल्य का निर्धारण भारत औसत सी आई एफ निर्यात कीमत, सीमाशुल्कों के लागू स्तर (धारा 3,3क, 8ख, 9,9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर) तथा एक प्रतिशत उत्तराई प्रमार्शों को जोड़ने के बाद किया गया है।

#### घ. निष्कर्ष:

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा गया है कि:

- (क) चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स (एनपीजी) का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- (ख) विभिन्न आर्थिक संकेतक और क्षति परिमापक दर्शाते हैं कि संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्कों की समाप्ति से पाटन तथा क्षति की निरंतरता व पुनरावृत्ति नहीं होगी और इसलिए प्राधिकारी ने चीन के अतिरिक्त संबद्ध देशों से भारत को निर्यातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स (यू एच पी) पर पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की सिफारिश की है।
- (ग) पाटन मार्जिन के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था ताकि घरेलू उद्योग को पाटन से हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार यह प्रस्ताव है कि कालम 3 के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों अथवा चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

| क्र. सं. | विवरण   | शुल्क की राशि डा./मी.टन |
|----------|---|-------------------------|
| 1.       | चेंगडु रेंगुआंग कार्बन कंपनी लि० (उत्पादक) तथा लियाओनिंग जियायी मेटल्स एंड मिनरल्स कं० लि० (व्यापारी) | शून्य                   |
| 2.       | तियाजिन जिंघा कार्बन प्लांट(उत्पादक) तथा लियाओनिंग जियायी मेटल्स एंड मिनरल्स कं० लि०(व्यापारी)        | 234.54                  |
| 3.       | लियाओ यांग कार्बन फैक्टरी (उत्पादक), लियाओनिंग जियाई, मेटल्स एंड मिनरल्स कं० लि० (व्यापारी)           | शून्य                   |
| 4.       | चाईना से अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक  | 508.506                 |

(घ) इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

एल. वी. सप्तश्रुति, निर्दिष्ट प्राधिकारी तथा अपर सचिव

# **MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## **NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th April, 2003

## **FINAL FINDINGS**

**SUB :—ANTI-DUMPING INVESTIGATIONS CONCERNING SUNSET REVIEW OF ANTI-DUMPING DUTY ON IMPORTS OF GRAPHITE ELECTRODES FROM USA, PR CHINA, GERMANY, BELGIUM, AUSTRIA, FRANCE, SPAIN AND ITALY.**

28/1/2001-DGAD.—Having regard to the Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

## **A PROCEDURE**

The procedure described below has been followed:

- The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules as per Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 initiated

Sunset Review to review the need for continued imposition of anti-dumping duty on imports of Graphite Electrodes (hereinafter referred to as subject goods ) as indicated in the original preliminary findings of the Authority dated 9<sup>th</sup> June, 1997 and the Custom Notification originating in or exported from USA, PR China, Germany, Belgium, Austria, France, Spain and Italy (hereinafter referred to as subject countries).

- (ii) The Authority issued a public notice dated 17<sup>th</sup> May 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations in respect of the above mentioned investigation concerning imports of the subject goods classified under Chapter 85 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 originating in or exported from subject countries.
- (iii) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were available in view of investigations conducted earlier) and industry/user associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2).
- (iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers ((whose details were available in view of investigations conducted earlier) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- (v) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- (vi) The Authority provided a copy of the initiation notification to the known exporter and the Embassies of the subject countries/ European Union, Delegation of the European Commission, New Delhi in accordance with Rules 6(3) supra.
- (vii) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the known exporters/producers whose details were made available by the petitioner for in accordance with the Rule 6(4):

Response/information to the questionnaire was filed by the following exporters/producers:



- a) M/s Chengdu Rongguang Carbon Company Limited (Producer),
  - b) M/s. Tianjin Jinghai Carbon Plant (Producer)
  - c) Liao Yang Carbon Factory (Producer)
  - d) Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. (Trader) (Formerly Liaoning Metals & Minerals Import and Export from PR China).
  - e) SGL Carbon.
- (viii) The Embassy of the subject countries in New Delhi and European Union, Delegation of the European Commission, New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the known exporter was also sent to the Embassies of the subject countries and European Union, Delegation of the European Commission, New Delhi in accordance with Rule 6(3).
- (ix) A questionnaire was sent to the known importers/user associations of the subject goods whose details were made available by the petitioner for necessary information in accordance with Rule 6(4):-

Response/information to the questionnaire was filed by the following importers:-

- a) M/s Upper India Steel, Ludihana
  - b) M/s. Pancmahal Steel Limited, Baroda
  - c) Modern Steels Limited, Chandigarh
  - d) M/s Arihant Sinotech Corp, Mumbai, indenting agent for Chinese imports.
- x) Cost investigation of the petitioner was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles . (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

- xi) An opportunity was provided to all interested parties to present their views orally on 9<sup>th</sup> September, 2002. All parties presenting views were requested to file written submissions of the views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;
- xii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xiii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 27<sup>th</sup> December, 2002.
- xiv) \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xv) The period of investigation (POI) considered is 1.4.2001 to 31.12.2001

**B. VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY, EXPORTERS, IMPORTERS, USER ASSOCIATIONS AND OTHER INTERESTED PARTIES & EXAMINATION BY THE AUTHORITY**

The views expressed by various interested parties have been discussed in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

## 1. VIEWS EXPRESSED BY DOMESTIC INDUSTRY

### a) PRODUCT UNDER CONSIDERATION

- The graphite electrodes are used in arc furnaces as current carrying conductors and are required to carry a very high rate of power feed. Accordingly, they are required to have properties capable for taking such high current and power feeds.
- Electric arc furnaces are used for melting of steel by passing electric current into the charge fed into the furnaces. This method of steel making is also known as secondary steel making.
- Typical properties of Ultra High Power/NPG electrodes are indicated at Table below :

| Specifications           | Unit                  | NPG/High Power Grade | UHP         |
|--------------------------|-----------------------|----------------------|-------------|
| Bulk Density             | Gm/cc                 | 1.53-1.67            | 1.65 - 1.76 |
| Electrical Resistivity * | Micro Ohm Mtr.        | 7.0-10.0             | 4.5 - 6.0   |
| Flexural Strength        | kg/cm <sup>2</sup>    | 65-140               | 90 - 160    |
| Youngs Modulus           | kg/mm <sup>2</sup>    | 700-1200             | 800 - 1400  |
| CTE                      | x10 <sup>-6</sup> /°C | 0.8-2.2              | 0.4 - 1.20  |

- The sizes of electrodes are described in terms of the diameter of electrodes. The electrodes are cylindrical shaped with the diameter as the most relevant measure of the size. Thus the sizes of electrodes covered are from 8" upto and including 30" dia (8" dia, 9" dia, 10" dia, 12" dia, 14" dia, 16" dia, 18" dia, 20" dia, 22" dia, 24" dia, 28" dia and 30" dia) (). These form a full range; the sizes in metric system are to be noted as 200mm, 225 mm, 250mm, 300mm, 350mm, 400mm, 450mm, 500mm, 550mm, 600mm, 700mm & 750mm (200mm upto and including 750mm).
- The domestic industry during the period of investigation have not been manufacturing and supplying 28"/30" dia and accordingly for the purpose of this application the relevant sizes for imported electrodes are narrowed down from 8" upto and including 24" dia (200mm upto & including 600mm dia).

- The dimensional standards for Graphite Electrodes are provided by the Bureau of Indian Standards under IS-9050-1979.
- The HS/ITC classification for electrodes is under Chapter 85.45 and the imports into the country are entering under the following 8 digit codes :-

**85451101,  
85451109,  
85451901 &  
85451909**

85451901 gives the description as Electrodes of Graphite. 85451101 gives description as Electrodes of Carbon used for furnaces. Accordingly, most of the imports by way of description / usage are to be found under these two codes. However, based on certain sample imports entries that graphite electrodes imports are also shown under 85451109 ( Electrodes of other materials used for furnaces) and in a few instances also under 85451909.

- The product is freely importable. The Custom Duty during the period of investigation was 25%.
- The product under consideration is “Graphite Electrodes of UHP grade of diameters upto and including 24” and NPG Graphite Electrodes including its variant high power electrodes of diameters upto and including 24” diameter.
- Electric arc furnaces are used for melting of steel by passing electric current into the charge fed into the furnaces. This method of steel making is also known as secondary steel making. Graphite Electrodes are used in arc furnaces as current carrying conductors and are required to carry a very high rate of power feed. Accordingly, they are required to have properties capable for taking such high current and power feeds.
- UHP grade refers to graphite electrodes used in arc furnaces of UHP rating which is typically considered as more than 500 KVA per MT of capacity. This means the rate of power fed into the arc furnace per MT of capacity of the furnace will be equal to or greater than 500KVA.

- NPG Graphite Electrodes are used in arc furnaces of NP (Normal Power) rating which is typically considered as 400 KVA per MT of capacity and lower. The variant of high power electrodes are generally used in arc furnaces in the range of 400 KVA to 500 KVA per MT of capacity but it can also be used where NPG electrodes are used as there is no strict cut off in this regard.
- This review covers the dumping of graphite electrodes of UHP grade from Austria, Belgium, France, Germany, Spain, Italy & USA and the dumping of NPG Graphite Electrodes from China.
- As regards the product under consideration which has attained finality, there is no scope for re-visiting the same by Designated Authority in these proceedings.

b) LIKE ARTICLE

- There are no other product which can be considered as a viable technical and commercial substitute for the subject Graphite Electrodes which can operate satisfactorily in UHP furnaces.
- The product features / characteristics of the domestic industry compares / matches with the features / characteristics of the imported electrodes. It is to be stated here that there is no significant difference between the two and the two are entirely substitutable on technical and commercial basis.
- We understand that the manufacturing process followed by the domestic industry is also very similar to that followed by the exporting units.
- There are no other products, which can be considered as a viable technical and commercial substitute for the subject NPG Graphite Electrodes, including its variant high power electrodes which can technically and commercially substitute it.
- The product features / characteristics of the domestic industry compares / matches with the features / characteristics of the imported NPG electrodes, about which the complaint is being filed. It is to be stated here that there is no material difference between the two and the two are entirely substitutable on technical and commercial basis.

- The Normal Power Grade(NPG) and High Power Grade(HPG) are not distinctly different.

c) **STANDING OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

- (i) The said manufacturers viz. M/s Graphite India Ltd. and M/s HEG Ltd. are producing UHP grade electrodes in the size range 12" dia upto and including 24" dia. Although they have not produced 28" dia during the period of investigation, they are also capable of producing this size.
- (ii) The domestic industry has not purchased UHP grade electrodes to complement their present product range during the period of investigation.
- (iii) None of the domestic producers has imported the subject goods during the period of investigation.
- (iv) None of the domestic producers is related to either the importers or the exporters. The said manufacturers are producing NPG graphite electrodes and its variant in the full size range. The domestic industry has not purchased NPG graphite electrodes to complement their present product range during the period of investigation.

d) **DUMPING**

**NORMAL VALUE**

- The original complaint on the above dumping was filed in Aug. '96. As per this complaint, details of dumping from these countries were furnished from the year 1993-94 through 1994-95 and 1995-96.
- However, for the purpose of this review, it is more pertinent to focus on the activity of dumping during the recent years.

- UHP electrodes imports from the subject countries and other than the subject countries, during 2001-02 are provided Source Carbon Data Bank, as the DGCIS does not give import figures for Graphite Electrodes under a separate head. Similarly NPG electrode imports during 2000 & 2001 are provided with Source Carbon Data Bank.
- In case of NPG electrodes of Chinese origin, there have been cases of imports through traders located in Hong Kong, Australia, Korea etc.
- The following Tables 1A, 1B & 1C provide the volume and value of such imported goods for the relevant countries for POI and for past two years (Source Carbon Data Bank:-

**Table – 1A 2001-02**

|              | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per<br>MT) | VALUE<br>(Rs. Lakhs)<br>(Rs.47.8 / \$) | AVG. PRICE<br>(Rs. / Kg.) |
|--------------|--------------|-------------------------|--|---------------------------|
| Germany      | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| France       | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| Italy        | 800          | 2897                    | 1108                                   | 138.5                     |
| USA          | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| Austria      | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| Belgium      | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| Spain        | Nil          |                         | Nil                                    |                           |
| <b>TOTAL</b> | <b>800</b>   | <b>2897</b>             | <b>1108</b>                            | <b>138.5</b>              |

**Table 1B 2000-01**

|              | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per<br>MT) | VALUE<br>(Rs. Lakhs)<br>(Rs.45.58 / \$) | AVG. PRICE<br>(Rs./ Kg.) |
|--------------|--------------|-------------------------|---|--------------------------|
| France       | 1403         | 2638                    | 1684                                    | 120                      |
| Germany      | 649          | 2348                    | 694                                     | 107                      |
| Italy        | 153          | 2254                    | 158                                     | 103                      |
| <b>Spain</b> | <b>84</b>    | <b>2269</b>             | <b>87</b>                               | <b>103</b>               |
| USA          | 114          | 2402                    | 124                                     | 109                      |
| Austria      | Nil          | -                       | Nil                                     | -                        |
| Belgium      | Nil          | -                       | Nil                                     | -                        |
| <b>Total</b> | <b>2403</b>  |                         | <b>2747</b>                             | <b>114</b>               |

**Table 1C 1999-00**

|              | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per<br>MT) | VALUE (Rs.<br>Lakhs)(Rs.43.0<br>/ \$) | AVG.<br>PRICE<br>(Rs./ Kg.) |
|--------------|--------------|-------------------------|---------------------------------------|-----------------------------|
| France       | 882          | 2743                    | 1041                                  | 118                         |
| Germany      | 740          | 2442                    | 777                                   | 105                         |
| Italy        | Nil          | -                       | Nil                                   | -                           |
| <b>Spain</b> | 22           | 2700                    | 26                                    | 116                         |
| <b>USA</b>   | Nil          | -                       | Nil                                   | -                           |
| Austria      | Nil          | -                       | Nil                                   | -                           |
| Belgium      | Nil          | -                       | Nil                                   | -                           |
| Total        | 1644         |                         | 1844                                  | 112                         |

**Note:** (Source Carbon Data Bank – Annexures 1 to 20 attached) (years 2000 and 2001). For the years 1999, information has been derived based on Carbon Data Bank year 2000 figures which provide increase in quantity as well as price over previous year.

The following Tables 1D provides import by volume & value for other countries not relevant for the present review:

**A. Table – 1D - 2001-02**

|               | QTY.<br>(MT) | PRICE (\$<br>per MT) | VALUE (Rs.<br>Lakhs) (Rs.47.8/\$) | AVG. PRICE<br>(Rs./ Kg.) |
|---------------|--------------|----------------------|-----------------------------------|--------------------------|
| <b>Brazil</b> | 355          | 2014                 | 342                               | 96                       |
| Poland        | 438          | 2088                 | 437                               | 100                      |
| Japan         | 277          | 2250                 | 298                               | 108                      |
| <b>TOTAL</b>  | 1070         | 6352                 | 1077                              | 304                      |

**2000-01**

|              | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per MT) | VALUE (Rs.<br>Lakhs) (Rs.45.58 /<br>\$) | AVG. PRICE<br>(Rs./ Kg.) |
|--------------|--------------|----------------------|---|--------------------------|
| <b>Japan</b> | 806          | 2269                 | 830                                     | 103                      |
| Poland       | 960          | 2201                 | 960                                     | 100                      |
| Brazil       | 499          | 1994                 | 453                                     | 91                       |
| <b>TOTAL</b> | 2265         |                      | 2243                                    | 99                       |



**1999-00**

|               | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per MT) | VALUE (Rs.<br>Lakhs) (Rs.43.0 /<br>\$) | AVG. PRICE<br>(Rs./ Kg.) |
|---------------|--------------|----------------------|--|--------------------------|
| <b>Poland</b> | 666          | 2116                 | 606                                    | 91                       |
| <b>Japan</b>  | 645          | 2269                 | 632                                    | 98                       |
| <b>Brazil</b> | 282          | 1846                 | 224                                    | 79                       |
| <b>TOTAL</b>  | 1593         |                      | 1462                                   | 92                       |

(Source Carbon Data Bank )

- Based on our market information, we have very strong reasons to conclude that the imports tabulated above from the countries under review have been of size 28"/30" dia which we are excluding in this application and which also do not attract anti-dumping duty.

**NPG GRADE**

Table – 2 (IMPORTS FROM CHINA)

|                       | QTY.<br>(MT) | PRICE<br>(\$ per<br>MT) | VALUE<br>(Rs. Lakhs) | AVG.<br>PRICE<br>(Rs. / Kg.) |
|-----------------------|--------------|-------------------------|----------------------|------------------------------|
| 2001-02( 9<br>months) | 435          | 1169                    | 243                  | 56                           |
| 2000-01               | 385          | 1205                    | 211                  | 55                           |

Note: Exchange rate has been taken as Rs. 47.8/\$ for 2001-02 & Rs. 45.58// \$ for 2000-01.

(Source Carbon Data Bank )

- M/s SGL, Poland commenced their exports at dumped prices from their manufacturing unit at Poland and have steadily continued the same.
- Similarly UCAR, Brazil has commenced the exports at dumped prices from Brazil, South Africa and Mexico. If anti dumping duties are discontinued at this stage, there is unambiguity indicating that the cessation of anti dumping duties is likely to recur from the same sources all over again.

- The impact of anti dumping duties on Normal Power Grade Graphite Electrodes imports from China has been in form of restricting volumes of dumped imports as the Chinese Graphite Electrodes were not competitive at fair prices.
- In the original findings duties were fixed for trading companies in China without referencing the same to any manufacturer. We would like to submit that no separate dumping margins can be determined for trading company without information being provided by the corresponding manufacturer.
- It is not clear as to on whose behalf M/s SGL Carbon AG has filed their written submissions . In the present proceedings, the submissions have been only received on behalf of SGL Carbon AG, Germany. Hence exporters from all other countries on which anti dumping duties had been imposed have not cooperated in the present investigation.
- Each exporter has to respond separately to the questionnaire and any response filed on behalf of group companies has no logical or legal sanctity.
- The failure of individual companies of SGL Carbon group to response tantamounts to total non-cooperation with the review investigation. Hence the submissions of information supplied by the group of their agent at Delhi needs to be rejected outright.
- The main exporters M/s SGL Carbon Group and M/s UCAR have resorted to exports from other countries which were subjected to anti dumping duties. The fact that written submissions have now been submitted on behalf of M/s SGL Carbon Group as a whole firmly establishes our view that removal of duty from the subject countries would certainly lead to recurrence and consequent material injury as the group has complete control over the pricing policy and marketing decisions of the individual exporting company located at different countries.
- In the past the same SGL Group and UCAR group have diverted the supplies from the subject countries viz. Poland and Brazil.

- Representative of SGL Group in their written submissions has admitted to divert the attention of Designated Authority by resorting to argue that Poland is a developing country having different factories and therefore cannot be compared to the countries under review.
- We wish to emphasise that for multi-national company it is the matter of corporate policy for pricing in international market and in this case they have the option to source the products for exports from alternative manufacturing facility in various countries.
- The Domestic Industry is gravely concerned about the same multi-national company which has the option of supplying goods from alternate locations.
- We have provided evidence to Designated Authority that subsequent to the initiation of investigation concerning imports from Poland and Brazil, the same exporter indicated the option to export from South Africa. From the submissions of M/s SGL Carbon, it is clear that they are not interested to provide any such commitment which indicates their intention regarding their pricing policy.
- The volumes of export by M/s Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd., PR China and total imports from China has significantly increased in recent years which demonstrate greater acceptability of their product in the Indian market.
- There are some Indian consumers who meet their total requirement of NPG Electrodes from Chinese producers.
- Examination of any information submitted by the Chinese producers has to be done only with respect of the principles of non-market economy as envisaged under Para 7 and 8 of Annexure II of the Anti Dumping Rules.

e) **INJURY, CAUSAL LINK AND OTHER ISSUES**

- Production (volume and value) of subject goods during last two years, and current year

**Table 4-A (UHP Grade)**

|                | 1998-99    |                 | 1999-00    |                 | 2000-01    |                 | 2001-02<br>(9 months) |                 |
|----------------|------------|-----------------|------------|-----------------|------------|-----------------|-----------------------|-----------------|
|                | QTY        | VALUE           | QTY        | VALUE           | QTY        | VALUE           | QTY                   | VALUE           |
|                | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)                  | (Rs.<br>Crores) |
| Petitioners    |            |                 |            |                 |            |                 |                       |                 |
| HEG            | 37         | 37              | 42         | 43              | 48         | 50              | 43                    | 46              |
| CEL            | 26         | 27              | 24         | 23              | 20         | 18              | 24                    | 22              |
| GIL            | 37         | 36              | 34         | 34              | 32         | 32              | 33                    | 32              |
| <b>G.TOTAL</b> | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b>            | <b>100</b>      |

**Indexed**

- *Volume and value of total Indian production with a separate breakdown of petitioner(s) and of other Indian producers not party to this complaint for the last two financial years and current year to date.*

**Table 5 (UHP Grade)**

|                | 1998-99    |                 | 1999-00    |                 | 2000-01    |                 | 2001-02<br>(9 months) |                 |
|----------------|------------|-----------------|------------|-----------------|------------|-----------------|-----------------------|-----------------|
|                | QTY        | VALUE           | QTY        | VALUE           | QTY        | VALUE           | QTY                   | VALUE           |
|                | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)       | (Rs.<br>Crores) | (MT)                  | (Rs.<br>Crores) |
| Petitioners    |            |                 |            |                 |            |                 |                       |                 |
| HEG            | 37         | 37              | 42         | 43              | 48         | 50              | 43                    | 46              |
| CEL            | 26         | 27              | 24         | 23              | 20         | 18              | 24                    | 22              |
| GIL            | 37         | 36              | 34         | 34              | 32         | 32              | 33                    | 32              |
| <b>G.TOTAL</b> | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b> | <b>100</b>      | <b>100</b>            | <b>100</b>      |

- Production (volume and value) of subject goods during the last two years, and the current year

Table 4-B (NPG Grade – including high power)

|             | 1998-99 |                 | 1999-00 |                 | 2000-01 |                 | 2001-02<br>(9 months) |                 |
|-------------|---------|-----------------|---------|-----------------|---------|-----------------|-----------------------|-----------------|
|             | QTY     | VALUE           | QTY     | VALUE           | QTY     | VALUE           | QTY                   | VALUE           |
|             | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)                  | (Rs.<br>Crores) |
| Petitioners |         |                 |         |                 |         |                 |                       |                 |
| HEG         | 57      | 57              | 45      | 45              | 44      | 44              | 54                    | 53              |
| CEL         | 12      | 12              | 22      | 22              | 20      | 20              | 13                    | 14              |
| GIL         | 31      | 31              | 33      | 33              | 36      | 36              | 33                    | 33              |
| G.TOTAL     | 100     | 100             | 100     | 100             | 100     | 100             | 100                   | 100             |

Indexed

- Volume and value of total Indian production with a separate breakdown of petitioner(s) and of other Indian producers not party to this complaint for the last two financial years and current year to date.

Table 5 (NPG electrodes)

|             | 1998-99 |                 | 1999-00 |                 | 2000-01 |                 | 2001-02<br>(9 months) |                 |
|-------------|---------|-----------------|---------|-----------------|---------|-----------------|-----------------------|-----------------|
|             | QTY     | VALUE           | QTY     | VALUE           | QTY     | VALUE           | QTY                   | VALUE           |
|             | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)    | (Rs.<br>Crores) | (MT)                  | (Rs.<br>Crores) |
| Petitioners |         |                 |         |                 |         |                 |                       |                 |
| HEG         | 57      | 57              | 45      | 45              | 44      | 44              | 54                    | 53              |
| CEL         | 12      | 12              | 22      | 22              | 20      | 20              | 13                    | 14              |
| GIL         | 31      | 31              | 33      | 33              | 36      | 36              | 33                    | 33              |
| G.TOTAL     | 100     | 100             | 100     | 100             | 100     | 100             | 100                   | 100             |

- Ultra High Power Grade

Based on an application received from the Indian Graphite Manufacturers Association (IGMA), the Designated Authority initiated investigation in this case vide Initiation Notification No. ADD/IW/43 dated 30<sup>th</sup> Sept. 1996. Subsequently, the Designated Authority notified the preliminary findings on 9<sup>th</sup> June 1997, and provisional anti-dumping duties on UHP grade graphite electrodes against the subject countries were notified in Oct. 1997. Final findings were announced vide notification no. ADD/IW/43 dated 27th March 1998.

- The anti-dumping duty amounts levied varied in the range of Rs. 18220/- per MT for Belgium to a maximum of Rs. 30997/- per MT for France (for other countries the amounts were within this range) based on the dumping margin / injury margin for these countries during the period of investigation.
- The domestic industry in their complaint, had excluded 26" dia / 28" dia & 30" dia as not having been dumped and accordingly these sizes were excluded by the authority also.
- It was specifically brought to the notice of the authorities that SGL Carbon & UCAR who were facing anti-dumping duties on their exports from Germany, France, Italy, Spain, Austria and Belgium have resorted to dumping from alternative sources. As the Hon'ble Designated Authority may be aware, SGL Carbon AG is one of the largest manufacturer of UHP grade electrodes with Head Quarters in Germany and manufacturing in Austria, France, Italy, Spain, Belgium, USA & Poland. UCAR International with their Head Quarters in USA and European Head Quarters in Switzerland have manufacturing facilities in USA, Canada, Mexico, France, Italy, Germany, Russia, South Africa, & Brazil.

It may not be out of place to mention here that the domestic industry filed a fresh complaint against the imports from Brazil and Poland which has since been initiated vide Initiation Notification dated 29<sup>th</sup> January, 2002 and provisional duties imposed.

- The test which is required to be applied by the Hon'ble Designated Authority in a sunset review case is to examine the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in terms of Section 9A(5) of the Customs Tariff Act. Therefore, the parameters and the tests applicable for assessment of material injury for a fresh application cannot be applied in the case of a sunset review. In this connection, attention of the Hon'ble Designated Authority is also invited to the ruling of the Hon'ble CEGAT in the case of IBB from China PR [2001 (127) ELT 629 (Tri-Del)]. However, since there is no separate proforma prescribed by the Hon'ble Designated Authority for a sunset review case, we are providing the requisite information *mutatis mutandis* in the Application Proforma meant for a new case. Notwithstanding our basic submission that the Application Proforma for new cases is not appropriate for a sunset review case, we would indeed like to bring to the attention of the Designated Authority that the domestic industry has benefited by the imposition of anti-dumping duties on imports from the subject countries.

- The structure of the market and the market conditions would clearly reveal that the exporters have the option of supplying the product under consideration from alternative sources. Under the circumstances, if **duties on the subject countries are discontinued at this stage, there is an unambiguous indication that the cessation of anti-dumping duties is likely to lead to recurrence of dumping from the same sources all over again. This is particularly likely in view of the fact that the Hon'ble Designated Authority has already initiated investigation against the imports from Brazil (M/s UCAR) and Poland (M/s SGL Carbon) and imposed provisional anti dumping duties.**
- Since the imposition of anti-dumping duties, the industry has improved its position and has been able to survive in the market. However, full benefits could not accrue to the ailing domestic industry as certain exporters **M/s UCAR / M/s SGL Carbon** continued to supply the goods from their alternative sources.
- M/s. SGL Carbon commenced their exports at dumped prices from their manufacturing unit at Poland which have steadily continued for the last few years. Similarly, UCAR commenced their export at dumped prices from Brazil, South Africa and Mexico. We took up the matter with the authorities at various levels on the ground that this action by SGL and UCAR amounted to circumvention of anti-dumping duties and, therefore, the duties should be levied on exporters irrespective of their sources of supply particularly in those cases where the exporters (**M/s UCAR / M/s SGL Carbon**) have transnational facilities. In the meantime, dumping continued by the same exporters by simply resorting to alternate sources of supply taking full advantage of their multiple facilities (in various countries). In view of the fact that the domestic industry continued to suffer injury on account of the exports from the same exporters, though from different sources, we were compelled to file separate cases against Poland and Brazil which have been initiated the investigation.
- The industry has also taken a number of steps towards restructuring and cost reduction, resulting in increased production volumes and capacity utilization so as to effectively reduce the fixed cost per MT.
- Despite all the above efforts, the rates of return are less than adequate because of price suppression.

- While the domestic industry has received some supports from the imposition of anti-dumping duties, the injury has not been completely addressed due to the aforesaid reasons.
- The removal of these duties will certainly lead to recurrence of injury.
- As a result of present review, in the unlikely event that the anti-dumping duties are withdrawn, the prices of the imported graphite electrodes from the subject countries would be landing at prices lower to the extent of the incidence of anti-dumping duties. As a result, the Indian industry would also be required to bring down the prices to the same extent which would wipe-out the entire profit of the industry. This would take the domestic industry to a situation which existed prior to the imposition of anti-dumping duties when the domestic industry was suffering grievous injuries. The following table indicates the final duties levied on the subject countries and the extent of price reduction which would be required on withdrawal of the currently prevailing anti-dumping duties:

|  |                        | Rs/MT |
|--|------------------------|-------|
| Net Sales Realization of domestic industry during the POI                                  |                        | ***   |
| Final Anti-dumping duties on subject countries   | Austria                | 22947 |
|  | Belgium                | 18220 |
|  | France                 | 30997 |
|  | Germany Size : 24" dia | 10337 |
|  | Germany Other sizes    | 22235 |
|  | Italy                  | 22947 |
|  | Spain                  | 18427 |
|  | USA                    | 20714 |
| Expected Price without Anti Dumping Duty<br>(Net Sales Realization less Anti-dumping duty) |                        |       |
|  | Austria                | ***   |
|  | Belgium                | ***   |
|  | France                 | ***   |
|  | Germany Size : 24" dia | ***   |
|  | Germany Other sizes    | ***   |
|  | Italy                  | ***   |
|  | Spain                  | ***   |
|  | USA                    | ***   |



- From the above, it is clear that the domestic industry will be forced to reduce its prices immediately by varying levels ranging from Rs. \*\*\* to Rs. \*\*\* per MT which will wipe out the current profit completely. Even at the lowest levels of Rs. \*\*\*, the profit margin would be a negligible amount of Rs. \*\*\* per MT (i.e., a meagre \*\*\* % on cost). Considering the higher levels of anti-dumping duties, the domestic industry would certainly incur losses if the anti-dumping duties are removed.
- The expected fair price during period of investigation for the domestic industry with a reasonable return on its investment works out to Rs. \*\*\*\*\* per MT. Thus, it is obvious from the above that the withdrawal of anti-dumping duties will certainly result in price depression, price suppression and losses, reasons which are more than sufficient to justify the continuation of anti-dumping duties on the imports of Ultra High Power Grade graphite electrodes from the subject countries.
- It is very pertinent to mention that on initiation of investigation regarding dumping of Ultra High Power electrodes from Poland and Brazil, the exporters have resorted to make offer for supplies from their alternate facility at South Africa (M/s UCAR) not covered by any anti-dumping duties so far. This is enough indication that the removal of anti-dumping duties on imports from the subject countries would certainly result in dumping from these sources and consequent injury to the domestic industry.
- In the event of withdrawal of anti dumping duty from these 7 countries, the option for export from these 7 countries would once again be available and we are likely to see a surge in the dumped volumes also. Needless to say, this would have an adverse effect on the domestic industry by way of build up of stock as a result of reduced sales volumes and thereafter impacting the production levels too.
- Based on preliminary findings notified on 9<sup>th</sup> June 1997, provisional anti-dumping duty on NPG grade electrodes against China was notified in Oct. 1997 and final duties became effective in March 1998.
- The anti dumping duties were fixed at Rs. 5517/- per MT for M/s. Liaoning Minerals & Metals Import Export Corpn., Rs. 13114/- per MT for China National Non Ferrous Import Export Corpn. and Rs. 20818/- per MT for other exporters, based on the dumping margins and normal values assessed during the period of investigation. It is pertinent to note that these are exporters and not manufacturers of electrodes. Moreover, they are not linked to any specific manufacturer also.

- The imposition of anti dumping duty has helped the domestic industry to maintain and improve the price levels and profitability in the Indian market, although the continued dumped imports have resulted in reduced sales volumes.
- The domestic industry during the period of investigation has sold Normal Power Grade graphite electrodes at an average price of Rs. \*\*\*\*\* per MT. The domestic industry has been able to sustain the existing price level primarily on account of the existence of anti-dumping duties. The performance of the domestic industry can be seen from the various economic and financial parameters as indicated in Proforma IVA (Confidential) (Annexure P-2).
- The annualized production has increased during the period of investigation to \*\*\*\*\* MT over \*\*\*\*\* MT in the preceding financial year 2000-2001. . As regards the quantum of sales in the domestic market, there has been a decline. The domestic industry has been able to earn \*\*\*%return on its investment.
- Thus, it is evident from the above that the imposition of anti-dumping duties have given some supports to the domestic industry and the removal of these duties will certainly lead to recurrence of injury as has been demonstrated in the following paragraphs.
- The final duties in the instant case were imposed at the following rates:

| <u>Country</u>         | <u>Exporter</u>   | <u>Final Duties</u><br><u>(Rs./MT)</u> |
|------------------------|---|--|
| <b><u>China PR</u></b> | <b><u>Liaoning Metals &amp; Minerals I/E</u></b><br><b><u>Corpn.</u></b>  | <b><u>5517</u></b>                     |
|                        | <b><u>China National Non Ferr. Metals I/E</u></b><br><b><u>Corpn.</u></b> | <b><u>13114</u></b>                    |
|                        | <b><u>Any other exporter</u></b>  | <b><u>20818</u></b>                    |

- As a result of present review, in the unlikely event that the anti-dumping duties are withdrawn, the prices of the imported graphite electrodes from China would be landing at prices lower to the extent of the incidence of anti-dumping duties. As a result, the Indian industry would also be required to bring down the prices to the same extent which would wipe-out the entire profit of the industry. This would take the domestic industry to a situation which existed prior to the imposition of anti-dumping duties. The following table would indicate the extent of price reduction which would be enforced due to the withdrawal of the current anti-dumping duties:

|  |   | Rs/MT |
|--|---|-------|
| <b>Net Sales Realization of domestic industry during the period of investigation</b> |   | ***** |
| <b>Final anti-dumping duty For each exporter</b>                                     | <b><u>Exporter</u></b>                                  |       |
| 1)   | <b><u>Liaoning Metals &amp; Minerals I/E Corpn</u></b>  | 5517  |
| 2)   | <b><u>China National Non Ferr.Metals I/E Corpn.</u></b> | 13114 |
| 3)   | <b><u>Any other Exporter</u></b>                        | 20818 |
| <b>Expected Price without ADD (Net Sales Realization less Anti-dumping duty)</b>     | <b><u>Exporter</u></b>                                  |       |
| 1)   | <b><u>Liaoning Metals &amp; Minerals I/E Corpn</u></b>  | ***   |
| 2)   | <b><u>China National Non Ferr.Metals I/E Corpn.</u></b> | ***   |
| 3)   | <b><u>Any other Exporter</u></b>                        | ***   |

- From the aforesaid table, it is clear that the domestic industry will be forced to reduce its prices immediately to the extent of Rs. \*\*\*\*\* PMT (being the highest duty on graphite electrode imported from China). The expected fair price during period of investigation for the domestic industry with a reasonable return on its investment works out to Rs. \*\*\*\*\* . Thus, it is obvious from the above that the withdrawal of anti-dumping duties will certainly result in price depression, price suppression and severe loss of reasonable profit which are more than sufficient to justify the continuation of anti-dumping duties on the imports of Normal Power Grade graphite electrodes from China.

- The industry has tried to improve its performance by raising the production & capacity utilization to higher levels. It has already been mentioned that the industry has taken various steps towards restructuring and cost reduction so as to make it more efficient and cost effective as already explained while analyzing the UHP electrodes related dumping and injury above. But the withdrawal of anti dumping duty would encourage exporters from China (which has huge surplus capacity for NPG graphite electrode production) to aggressively dump their products which would completely cripple the domestic industry.
- The Domestic Industry has been benefited by the imposition of anti dumping duties on imports from subject countries and that the ruling of Hon'ble CEGAT in the case of IBB from China should be relied upon for the test of injury.
- There is huge surplus production capacity in China for production and exports of subject goods.

**In response to the Disclosure Statement, the following submissions have been made:-**

2. **IMPORTER'S VIEWS**

1. Views of Arihant Sinotech Corp, Mumbai, indenting agent for Chinese imports ( also representing M/s Chengdu Rongguang Carbon Company Limited , Tianjin Jinghai Carbon Plant, Liao Yang Carbon Factory (Producers) and Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. (Trader) (Formerly Liaoning Metals & Minerals Import and Export from PR China).

a) **PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

- The electrodes of the Chinese exporters continues to be inferior as was admitted by the Indian producers also at the time of the oral hearing.
- Due to inferior quality, consumption of the Chinese electrodes is higher by 20% as compared to the electrodes produced by the Domestic Industry. The Authority has acknowledged this in the original investigation also.

- The quality and specifications of the electrodes being supplied by Chinese exporters have since then remained the same.
- Although the per unit cost of material being exported by Chinese exporter is lower than the domestic producer, due to higher consumption the imported material from China, it is not feasible to use it in most of the plants in India.
- In the original investigation initially there was a mention about High Power Graphite Electrodes, the world 'High Power Graphite' Electrodes was for the first time introduced in the preliminary findings though the initiation notification did not cover the same.
- There are 50 consumers of Electrodes in India but Chinese producers have supplied only to 5 plants which itself proves that the quality of Chinese Electrodes is not suitable for the Indian producers.

b) **DUMPING**

**NORMAL VALUE**

- M/s Liaoning Jiayi Metals & Minerals Company (Liaoning Jiayi) has never dumped Graphite Electrodes into India.
- M/s Liaoning Jiayi purchase Electrodes from three electrodes plants in China viz. (a) Tianjin Jinghai (b) Liyang Carbon (c) Chengdu Carbon and export to India.
- All the above four companies have filed questionnaire response in the form and manner prescribed and are willing to provide any further information which the Designated Authority may require.
- The quality of raw material exported by M/s Liaoning Jiayi is inferior as compared to the material produced by the Domestic Industry.
- The bulk density resistivity and current carrying capacity of the electrodes supplied by Liaoning Jiayi was lower than bulk density resistivity and current carrying capacity of the electrodes produced by Indian producers. The technology for inpregnation, extrusion are not upto the mark for the electrodes supplied by the Chinese producers.

- There has been no change in the product characteristics of the exporter as also the Indian producers.
- The exporter has not reduced the export price and therefore we have not absorbed the anti dumping duty imposed.
- M/s Arihant Sinotech Corp. has also filed the importer's response indicating the price at which they have indented for various customers in India indicating their FOB/CIF price and quantity.
- We have provided detailed information on exports made to India and our manufacturers have also furnished detailed information on exports made to India. However as expected by the Indian producers themselves in their submissions, the Chinese graphite electrodes become uncompetitive at fair price. The removal of anti dumping duty would not cause injury to the Domestic Industry. We request for separate margins for traders and producers as was done in the anti dumping case of Phenol. M/s SGL Carbon is also opposing imposition of anti dumping duty and that we are not making any comments on the submissions of M/s SGL Carbon.
- M/s Liaoning Jiayi had offered price undertaking in the original investigation which was not acknowledged.
- The manufacturers in China are autonomous companies and have the same ex-works price for the domestic as was for the exporters. They do not supply below the cost of production to the trading company which exports to India.
- The three producer companies are small units and have little production in comparison with other world class Graphite Electrodes producers including Indian producers. They cannot afford to supply material at loss. The trading house can also not export at a loss.
- The cost of production in China is very low as the raw material cost is quite low in China and is available in abundance. Even one of the domestic producers is planning to set up production facilities in China so as to take cost advantages. Chinese plants have very low capital costs and hence low depreciation since the plants are very old.
- Chinese unlike earlier days is moving towards privatization and market economy situation.

- Each unit is an autonomous unit and is responsible for its own health without any export directly or indirectly from the Government of China.
- The cost of nipple alone comes to USD 150-200 PMT and equally important is machining which needs to be adjusted for export price.
- We should be provided the format for the price undertaking and advised be of the dumping margin and the price at which the price undertaking should be offered.
- In response to views on India being considered as a surrogate country, the representative of exporters/producers in China has mentioned that:-

Since the Government of China is no longer interfering with the working of the industry, the company had basic accounting records, which were independently audited in the line with international accounting standards. The production costs and the financial situation of the company are not subject to significant market distortions carried over from the former non-market economy system. The company is subject to bankruptcy and property laws, which guaranteed stability. A number of laws, are now applicable on the industry. Some of the laws, which are applicable on these companies are listed below:-

- Provisions for the administration of Foreign Exchange Appropriation and Transfer in China,
- Provisions governing the Administration of Foreign Exchange Settlement, Sale and Payment,
- Accounting System of the People's Republic of China for Foreign Investment Enterprises,
- Regulations on Labour Management in Foreign Investment Enterprises,
- Accounting Law of the People's Republic of China,
- Labour Law of the People's Republic of China,

- Regulations for the implementation of the law of the People's Republic of China on Joint Ventures using Chinese and Foreign Investment,
- Law of the People's Republic of China on Sino-Foreign Joint Equity Enterprises,
- Law of the People's Republic of China on Enterprise Bankruptcy.

Since these companies are largely bound by the above mentioned laws, it is submitted that these companies are operating under market economy principles. Further world over the investigating authorities have started treating China as a market economy. Hence it is requested to the Authority that exporter companies should be treated as market economy.

c) **INJURY, CAUSAL LINK AND OTHER ISSUES**

- While calculating the landed cost of electrodes exported by M/s Liaoning Jiayi, the following may be considered:-
  - a) Some electrodes have been exported without nipple and machining and which needs to be adjusted.
  - b) Material has been exported on CNF/FOB basis and therefore expenses should be added on freight and insurance on the FOB transactions wherever relevant .
  - c) The domestic producers are selling material on delivered basis and the exports on account of inland freight paid by the Indian consumers on the electrodes imported from us are required to be added to the import price. Alternatively the cost of production of the Indian producers is required to be calculated without including freight transaction and insurance cost.
  - d) The domestic producers appear to be exempted from sales tax. Therefore while calculating injury, SAD is required to be added to the landed price of imports.



- e) The consumption of Chinese electrodes is higher by 20% and therefore the landed price of the imports is required to be increased by 20% or alternatively the cost of production of the Indian producers is required to be reduced by 20% while comparing our price for determination of injury.
  - f) While calculating the cost of production of the Indian producers, the expenses pertaining to insurance, sales tax rate and transportation need to be excluded.
  - g) The Indian producers have been making decent profits on production and sales of graphite electrodes. Hon'ble CEGAT has held that material injury along is not sufficient in a Sunset review. The recurrence of injury to Domestic Industry is also required to be seen.
- We are unable to give any comments on injury and we may be provided with information in injury filed by the Indian producers, annual report of Indian producer or any other information on injury filed by Indian producers.

2. Upper India Steel, Ludhiana

M/s Upper India Steel have provided response to the questionnaire and have provided information pertaining to imports of subject goods from the subject countries (PR China) during the Period of Investigation (POI). The importer has also provided the supporting sample invoices/shipping bill copies.

3 Panchmahal Steel Limited, Baroda

M/s Panchmahal Steel Limited have provided response to the questionnaire and have provided information pertaining to imports of subject goods from the subject countries (PR China) during the Period of Investigation (POI). The importer has also provided supporting sample invoices/shipping bill copies.

4. **Modern Steels Limited, Chandigarh**

M/s Modern Steels Limited have provided response to the questionnaire and have provided information pertaining to imports of subject goods from the subject countries (PR China) during the Period of Investigation (POI). The importer has also provided supporting sample invoices/shipping bill copies.

3. **EXPORTER'S VIEWS**

1. **M/s Liao Yang Carbon Factory Weiguo Road, Liaoyang, Liaoyang, PR China.**

(a) **DUMPING**

- M/s Liao Yang Carbon Factory has filed information pertaining to sales in home market and exports to India during the Period of Investigation. The producer has also indicated their factory cost and profits on exports to India. The producer has indicated that they belong to limited liability company established under Company Law of the People's Republic of China and are registered under registration on Incorporation Act of the People's Republic of China. They have indicated that they have no office in India but have an agent in India i.e., M/s Arihant Sinotech Corp, Mumbai.
- No incentives are given on exports sales by the Government of China.
- The producer has stated that they sell goods to M/s Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. who further export to India.
- The producer has indicated that the inventories are valued at the higher or net realisable value whichever is lower and that the accounting system of industry enterprises i.e. accrual based accounting is followed. The principle of depreciation is straight line method and the cost account records are based on actual costs.
- There is no material different between the cost data supplied in this questionnaire and the costs normally determined by the company.

**2. Tianjin Jinghai Carbon Plant, PR China**

- Our plant is a state-owned plant.
- We have not our own office in India and our agent in India is M/s Arihant Sinotech Corp., Mumbai.
- No incentives are given on exports sales by our Government.
- We sell goods to Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. who further export to India.
- No consideration is received for manufacturing, export or transportation of goods by us.
- The cost account records are based on actual costs.
- There is no material different between the cost data supplied in this questionnaire and the costs normally determined by the company.

**3. Chengdu Rongguang Carbon Company Limited, PR China**

- Chengdu Rongguang Carbon Company Limited belong to limited liability company and established/incorporated under Company Law of the People's Republic of China and registered under Registration of Incorporation Act of the People's Republic of China.
- We have not our own office in India and our agent in India is M/s Arihant Sinotech Corp., Mumbai.
- No incentives are given on exports sales by our Government.
- We export through Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd..

4. Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. (Trader) (Formerly Liaoning Metals Minerals Import and Export from PR China.

- Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. (Trader) (Formerly Liaoning Metals & Minerals Import and Export belong to limited liability company and established/incorporated under Company Law of the People's Republic of China and registered under Registration of Incorporation Act of the People's Republic of China.
- We have not our own office in India.
- Our agent in India is M/s Arihant Sinotech Corp., Mumbai.
- No incentives are given on exports sales by our Government.
- We are buying different Graphite Electrodes grades from our carbon plants which are unrelated producers with us.
- The exporter has given export prices to India and also the sales price structure for exports to India.
- The exporter follows mercantile system of account and the inventories are valued on the average cost or net realisable value whichever is lower.
- Accounting system are based on accrual basis.
- Inventories are valued at the average cost or net realisation value, whichever is lower.
- Principle of depreciation is straight line method.
- Cost accounting records are based on actual cost..
- There is no material difference between the cost data supplied in this questionnaire and the costs normally determined by the company.

**In response to the Disclosure Statement, the following submissions have been made by M/s Arihant Sinotech Corp. on behalf of Chinese exporters**

**(a) PRODUCER UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in this review is stated as normal power and high power as far as we are concerned. However, we wish to reiterate that the petition earlier filed by the Indian producers based on which the investigations were initiated as also the initiation notification issued by the Designated Authority in the original investigation nowhere stated about high power graphite electrodes. The word high power graphite electrodes was introduced for the first time in the preliminary findings. It is thus found that the scope of the product was enlarged during the course of the investigation and after the initiation of investigations. Our understanding is that the scope of product under consideration cannot be enlarged after initiation of investigations. In any event, since the Designated Authority is now conducting review, we feel that the Designated Authority can reconsider the earlier decision in this regard.

**(b) DUMPING**

- (i) It is found that the Designated Authority has considered to hold the exporters as non-market economy companies. We reiterate that the manufacturers are autonomous companies and they have the same ex-works price, where it is for the domestic market or for the export market. These companies are now bound by all the laws as are applicable in any other market economy country. There is no state interference in their working. The companies are fully empowered to take their own decision. They do not supply below cost of production to the trading company for exports to India. The three producer companies are small companies, have little production in comparison with other world class graphite electrode producers, including Indian producers. These small producers cannot afford to supply the material at loss. Liaoning, which is a trading house, would also not export at a loss either.

- (ii) Further from the response filed, it may be observed that cost of production in China is low, as the raw materials cost in China is quite low (the raw materials are available in abundance) and the processing cost is low, as the Chinese producers do not resort to so vigorous manufacturing process as is resorted by the Indian companies. The main raw materials viz. Calcined petroleum coke; electric power and coal tar pitch (which constitute significant part of the cost) are very cheap in China and are available in nearby areas. The Chinese plants have very low capital cost and hence low depreciation. Moreover, the plants are quite old.
- (iii) It is reiterated that Chinese exporters are operating on market principals. The Govt. of China is no longer interfering with the working of the industry. The companies maintain basic accounting records, which are independently audited in the line with international accounting standards. The production costs and the financial situation of the company are not subject to significant market distortions carried over from the former non-market economy system. The exchange rate conversions are at market rate. The companies are subject to bankruptcy and property laws, which guarantee legal certainty and stability for the operation of the companies. A number of laws applicable on the industry. Some of the laws, which are applicable on these companies are listed below:-

- Provisions for the administration of Foreign Exchange Appropriation and Transfer in China,
- Provisions governing the Administration of Foreign Exchange Settlement, Sale and payment,
- Accounting System of the People's Republic of China for Foreign Investment Enterprises,
- Regulations on Labour Management in Foreign Investment Enterprises,
- Accounting law of the People's Republic of China,

- Labour Law of the People's Republic of China
  - Regulations for the implementation of the law of the People's Republic of China on Joint Ventures using Chinese and Foreign Investment,
  - Law of the People's Republic of China on Sino-Foreign Joint Equity Enterprises,
  - Law of the People's Republic of China on Sino-Foreign Co-operative Enterprises.
  - Law of the People's Republic of China on Enterprise Bankruptcy.
- (iv) It is requested to the Authority that exporters should be granted market economy treatment.
- (v) Further, while determining dumping margin and injury margin, it should be noted that the price at which we have sold the material requires to be adjusted for (a) cost of nipple in those cases wherein nipple was not supplied along with the product; (b) machining cost in those cases where the electrode supplied was machined; (c) cost of credit, as we have supplied the goods on interest bearing credit basis. The cost of interest paid by the purchaser is an addition to the export price, as this is also price paid by the consumers; (d) Material has been exported on CNF/FOB basis. Expenses on account of freight and insurance are required to be added on those transactions, which are on FOB basis. Similarly, those transaction which are no CNF and basic expenses on account of insurance are required to be added (e) Domestic producers are selling material delivered basis (which is evident from the expenses on this account shown by the one of the Indian producers in annual report as discussed separately also). Expenses on account of inland freight paid by the Indian consumers on the electrodes imported from us are required to be added to the import price. Alternatively, the cost of production of the Indian producers is required to be calculated without including freight, transaction and insurance cost. (f) The domestic producers appear to be exempted from Sales Tax. Therefore, while calculating injury, 5.8% Sad ( $100 \times 1.25 \times 1.16 \times 1.04$ , the net effect of Sad comes to 5.8%) is required to be added to the landed price of imports.

(vi) **Quality of goods exported by China**

The quality of electrodes supplied by Liaoning per se cannot be compared with the Indian electrodes. The product produced by the Indian industry is of much better quality. The main properties which determine the quality of electrodes are Bulk Density, Resistivity and Current Carrying capacity and the same are inferior as compared to the properties of indigenously produced electrodes.

(b) **INJURY**

- (i) We reiterate our earlier submissions that there is no injury to the domestic industry now from the imports from China. This is borne by the prices at which the Indian producers are selling NPG electrodes and the annual reports of these companies continue to show higher and higher profits, in spite of the fact that these are forced to export electrodes at much lower prices. In fact, it would not be inappropriate to state that these companies are subsidizing their exports by charging higher prices in the Indian Market. Resultantly, the Indian consumers, which comprises of the core Steel Industry suffers.

(c) **OTHER ISSUES**

- (i) Petitioners have pointed out that we have not filed non-confidential version of our response. We wish to clarify that we have filed non-confidential response and the same is on record.
- (ii) In view of the above, the Designated Authority may be pleased to hold that:-
- a) Graphite electrodes are being dumped;
  - b) Indian industry is not suffering material injury;
  - c) No injury being caused by the exports being made by our Principals;
  - d) Anti dumping duty on imports is required to be withdrawn;
  - e) In the event the Designated Authority holding that the anti dumping duty should continue on imports from other Chinese producers, anti dumping duty on the responding exporters is at least required to be withdrawn.



## 5. M/s SGL Carbon, Poland

- The scope of investigation on anti dumping duty on graphite electrodes vide custom notification 20/98 dated 5<sup>th</sup> May, 1998 and effective from 27<sup>th</sup> March, 1998, for a period of five years, covers UHP grade as far as our business activity is concerned.
- There has been NIL export to India of graphite electrodes UHP from the countries as mentioned therein from SGL Carbon Group, during the period of investigation which is April 2001-December, 2001. This has already been submitted as per Appendix 2 of Exporter's questionnaire vide our letter dated 28<sup>th</sup> June, 2002. Therefore, no data exists to compare the price for export of graphite electrodes UHP grade to India vis-à-vis those in the domestic market/countries other than India.
- However, a consolidated figure on average price/volume sold in the home market as well as to other parts of the world from these countries during the period Jan-Dec 2001, was also submitted to Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties vide our letter dated 28<sup>th</sup> June in meeting requirements of exporter's questionnaire, These prices are an indication of the changing dynamics of the market forces which rule the pricing behaviour of graphite electrodes UHP grade in the past few years. In other words, the pricing structure of graphite electrodes UHP grade has undergone a rapid change ever since the imposition of anti dumping duty in 1998 (investigations for which were undertaken earlier) which nullify the justification of anti dumping duty imposed thereupon and therefore, any extension of the imposition will be detrimental to the business interests of the end user industry and needs to be revoked immediately.
- There has been an increase in the selling price of graphite electrodes UHP grade in the domestic market brought about by the local producers, in the last few years, reaping the benefits of anti dumping duty imposed thereupon, which has deprived the importers i.e. domestic end user industry-steel manufacturers, of a fair competition for these products, since worldwide, there has been a trend of falling prices, in these years.

- The pricing trend from these countries in question viz. Austria, France, Germany, Italy, Spain and Belgium –referred to as “developed countries:” for graphite electrodes UHP cannot be compared to countries referred to as “developing countries” e.g. Poland due to different economic factors prevalent in these countries as was mentioned during the public hearing, and therefore, any reference whatsoever, to such “developing countries” should be kept out of the purview of this Sunset Review.
- Under these circumstances, whereas it is absolutely necessary that the imposition of anti dumping duty be reviewed in light of the facts mentioned above, which to our opinion, is not justified for any further extension, we also wish to inform you that price undertaking as was taken up in the course of public hearing, will have no bearing in a highly dynamic changing scenario, keeping the business interests of the consumers of graphite electrodes UHP imports.

**In response to the Disclosure Statement, the following submissions have been made.**

**a) Exporters submissions:**

- (i) We wish to reiterate that SGL Carbon Group has their group headquarters in Germany, with manufacturing facilities in various countries as cited above. Hence, there was no need to submit separate submissions from each and every plant operations and moreso, now that all these countries, involving SGL under these investigations are an integral part of EU – European Union.

Further, the views expressed under “Views of the exporters” (Pl. refer page No.1 4) are those of SGL Group and not SGL Carbon, Poland as mentioned in the letter.

- (ii) We reaffirm our stand that in view of NIL exports from these countries, namely, Germany, Belgium, Austria, France, Spain, Italy termed as “developed countries” during the investigating period and considering Poland as a “developing country” with totally different economic factors, and the price levels provided by SGL Group from these “developed countries” to various parts of the world including Asia during the period of investigation should be taken as the basis for reconsidering the imposition of Anti Dumping Duty under Sunset Review, which according to facts and figures provided so far, justify discontinuation of the same with immediate effect.

## b) Domestic industry

The Domestic Industry in its Written Submissions as well as in the comments to the disclosure statement has submitted that anti-dumping duties should be extended for another period of five years for imports from all sources. The main arguments in support of their case are as under:

None of the exporters had responded by giving the required information in the prescribed proforma till the date of hearing. Further, though the representative of SGL Carbon was present, he did not make any commitment with regard to the submission of the required information. It was mentioned by one of the Chinese exporters that they have furnished some information to the Designated Authority but no meaningful or adequate non-confidential version of the submissions made by them were made available to the Domestic Industry to enable them to give their comments on the same.

On page 5 of the Disclosure Statement, it has been mentioned that the Authority has noted the contention of the exporter that in the main investigation, an adjustment of 20% was done keeping in view the inferior quality of the Chinese graphite electrodes. The Authority further states that in view of the fact that the scope of the product and the description remains the same, it proposes to consider the same adjustment and confirm the same as per Rule 2(d). The domestic industry has expressed its serious concern about this statement in the Disclosure Statement and would like to submit that no such adjustment is permissible for the following reasons:

In terms of Section 9A(5), a review is undertaken to assess whether cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. While arriving at this conclusion, the authority is required to take into account the current factors as well the likely scenario which may affect the price comparability. In the instant case, no basis has been forwarded by any of the exporters to suggest that the quality difference is to such an extent that it calls for an adjustment of as high as 20%.

There is no indication in the preliminary findings or in the final findings of the case that such an adjustment had been allowed in the main investigation. Thus, the Domestic Industry claims that they have not been given any basis of this adjustment nor an opportunity to comment on its admissibility from legal or factual perspective.

Assuming but not accepting that some adjustment is required to be done on account of quality, there is no rationale in accepting 20% without any enquiry or investigation. Such an approach presupposes that there has been no change or improvement in the quality being supplied by the Chinese exporters. This adjustment being claimed by the exporter is, therefore, entirely arbitrary and cannot be sustained on legal, logical or factual basis.

Further, assuming but not accepting, that adjustment on account of quality can be permitted in certain cases, it is submitted that such an adjustment has to be quantified in physical terms so as to allow for the price adjustment. There is nothing in the public file to suggest that any of the exporters has made a substantiated claim for an adjustment on account of quality. It has been submitted that in the absence of any such claim, no adjustment on account of the alleged quality difference can be permitted.

Rule 2(d) which has been referred to in the Disclosure Statement has no relevance in the present case as the difference in quality does not affect the concept of 'like article'. This has also been the consistent position of the Hon'ble Designated Authority in various findings.

If at all a claim is made on account of differences in quality, the same is required to be quantified and demonstrated to show the price comparability on account of quality difference. It may be noted that nowhere in the world, adjustments are allowed across the board for a country as a whole as such an approach assumes that the graphite electrodes supplied by all the Chinese exporters are of identical quality.

It is submitted that one of the importers namely, Panchmahal Steel Ltd. has categorically stated in their written submissions dated July 25, 2002 that "so far not experienced any technical problems associated with the product after delivery of materials". Thus, the Chinese material is comparable and acceptable to the Indian importers and consumers causing injury to the Indian domestic industry.

It is submitted that in a sunset review, while the Designated Authority is restrained from changing the product under consideration, it is incumbent upon him to examine all the factual aspects again to see whether the tests prescribed under Section 9A(5) are met with or not.

In the Export Price (para 2 on page 15 of the Disclosure Statement) there is an error of law in determination of the export price as the same has been adjusted to the extent of the mark-up on the grounds that the actual producer is incurring a loss on its sales to the Chinese trader. In this connection, it has been submitted that for the purpose of dumping margin, if the ex-factory export price of the producer is available and the sales are through an unrelated person, there is no provision for making any upward adjustment as the net sales value actually realized by the producer is available for comparison. It is only for the purpose of the landed value that price of the trader to India has to be considered. In either case, there is no scope for making any adjustment for profits as the 'ordinary course of trade test' is applicable only for the purpose of normal value. It is, therefore, submitted that the ex-factory price at which the producers have sold to the Chinese trader has to be considered for calculating the dumping margins subject to adequate and accurate evidence in this regard.

#### **Recurrence of Dumping and Injury:**

As regards continuance or recurrence of dumping and injury (even though there have been no imports of UHP electrodes from the subject countries), the Domestic Industry has made the following submissions:

It is factually incorrect to state that there have been no imports of UHP grade graphite electrodes. The Domestic Industry has claimed that they have already submitted enough evidence to the Hon'ble Designated Authority to show that the same exporters have supplied the UHP grade electrodes though from their alternate production facilities. It has also been submitted that it is not relevant to see the grade-wise imports as the injury analysis has been done in the main investigation on a cumulative basis for all grades from all sources.

Since the imposition of anti-dumping duties, the industry has improved its position and has been able to survive in the market. However, full benefits could not accrue to the ailing domestic industry as certain exporters continued to supply the goods from their alternative sources.

M/s. SGL Carbon commenced their exports at dumped prices from their manufacturing unit at Poland which have steadily continued for the last few years. Similarly, UCAR commenced their exports at dumped prices from Brazil, South Africa and Mexico. It may be noted that the Central Government on the basis of the Final Findings by the Designated Authority has imposed final duties against the imports from Brazil and Poland.

The structure of the market and the market conditions would clearly reveal that the exporters have the option of supplying the product under consideration from alternative sources, thus defeating the very purpose of imposition of anti-dumping duties. Under the circumstances, if duties on the subject countries are discontinued at this stage, there is an unambiguous indication that the cessation of anti-dumping duties is likely to lead to recurrence of dumping from the same sources all over again. This is particularly likely in view of the fact that the Central Government has already imposed final anti-dumping duties against the imports from Brazil and Poland.

In the event of withdrawal of anti-dumping duty from these countries, the option for export from these 7 countries would once again be available and the country is likely to see a surge in the dumped volumes also. This would have an adverse effect on the domestic industry by way of build up of stock as a result of reduced sales volumes and thereafter impacting the production levels too.

The Domestic Industry has submitted adequate evidence to prove that the exporters namely, SGL Carbon and UCAR have constantly shifted their sources of supply which they are able to do due to their multi-location production facilities. A few sample quotes from these companies where they have clearly shown that they are in a position to supply and in fact they do supply from alternate sources, are attached.

In a quote sent to Rourkela Steel Plant (SAIL), M/s. UCAR have indicated the country of origin as follows (Annexure A):

**“MANUFACTURER  
UCAR CARBON or its subsidiaries.**

**COUNTRY OF ORIGIN  
MEXICO/BRAZIL/SOUTH AFRICA at seller's option”**

Purchase Order of the Alloy Steel Plant (SAIL) on UCAR Carbon Company dated 15.05.95 clearly specifying alternate countries of origin (sl. No. 8 of the purchase order) as USA / UK / SPAIN / ITALY / FRANCE. See Annexure B.

Purchase Order of the Alloy Steel Plant (SAIL) on SGL Carbon AG, Germany dated 27.05.95 clearly specifying alternate countries of origin (Sl. No. 14 special instruction of the purchase order) as GERMANY / AUSTRIA / FRANCE / BELGIUM / SPAIN / ITALY as option while stating at point no. 8 Spain as the country of origin. See Annexure C.

The Indian representative of M/s SGL Carbon, M/s Colour Chem at the time of the public hearing mentioned that the during the POI for the sunset review M/s SGL Carbon have not exported from the relevant countries but confirmed that their exports from Poland should not be considered by the authority. The domestic Industry in their submission have also mentioned that M/s SGL Carbon during the POI were resorting to exports from Poland and refrained from exports through GERMANY / AUSTRIA / FRANCE / BELGIUM / SPAIN / ITALY.

It may be observed that while prior to 1995 UCAR was offering its material from USA, Italy, UK; France and Spain, after anti-dumping duties were imposed by the Government, UCAR started offering from other sources which were not subject to anti-dumping duties, namely, Brazil, Mexico and South Africa. After initiation of investigations against imports from Brazil in January 2002, UCAR started offering from South Africa. Thus, it is submitted that the supplier, who admittedly has multinational and multi-location production facilities, uses them strategically to continue dumping causing injury to the Domestic Industry.

The Domestic Industry has also enclosed an excerpt from the book *EC Anti-Dumping Law – A Commentary On Regulation 384/96* by Dr. Wolf-Gang Muller, Nicholas Khan, Barrister and Dr. Hans-Adolf Neumann which very eloquently describes the EC practice in this regard.

It is also submitted by the Domestic Industry that neither in EC nor in the USA, absence of imports from the subject countries is considered as a bar on continuation of anti-dumping duties. In fact, the effectiveness of anti-dumping duties can also be judged from the fact that it was not possible for the exporters to supply at fair and competitive prices. Hence, absence of imports can never be legally or logically a bar for continuation of anti-dumping duties.

In view of the above, the Domestic Industry submitted that this is indeed a classical case of dumping by transnational corporations where dumping and consequential injury is not only imminent but certain in view of the situation explained in the preceding paras and the evidence attached thereto.

### C. EXAMINATION BY AUTHORITY:

The foregoing submissions made by the various interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case, have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings.

#### 1. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

The Authority notes the submissions made by various interested parties on the issue of product under consideration. It has been indicated by the Chinese exporters that the High Power Grade (HPG) was never a part of the original investigation in the initial Initiation Notification but was considered at the preliminary findings stage for



the first time.. They have submitted that the product High Power Grade is not covered under the investigation. The Authority notes that the scope of product under consideration has already assumed finality in the earlier main investigation and the scope of the product was never challenged by any of the interested parties in any of the appellate forays. The present investigation is only a Sunset Review and that the scope of product is limited to that considered in the original investigation. The Authority therefore proposes to confirm the product under consideration as was considered at the time of original findings.

The exporter has indicated that in the main investigation, while doing the injury determination adjustment @ 20% for quality consideration was done for the inferior quality Graphite Electrodes exported from PR China and that 20% allowance was considered by the Authority. The Authority notes that Para 15 in the Final Findings explains the adjustments noted above. Further, it has been claimed by the exporters that no change has happened between the previous and present case with the product characteristics remaining the same. The issue of consumption concerns the product characteristic and in the absence of change in the technical parameters, the consumption pattern does not undergo change. Further, there is no counter argument nor any evidence brought to the knowledge of the Designated Authority that the consumption pattern has undergone a change. The Authority in view of the fact that the scope of the product and the description remains the same, considers the same adjustment as was considered in the original main investigation and confirms like article as per Rule 2(d).

## 2. DOMESTIC INDUSTRY

The Authority notes that there are no submissions as far as the standing of the Domestic Industry and its scope is concerned. The Authority therefore confirms M/s Graphite India Ltd. and M/s HEG as Domestic Industry under Rule 2(b).

### 3. NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE

#### EXAMINATION BY AUTHORITY

The rules relating to comparison provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

The Authority has carried out comparison of weighted average normal value with the weighted average ex-factory export price for evaluation of dumping margin.

#### A. PR CHINA

##### 1. Normal Value

The Authority notes that M/s Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd., the exporter and M/s Chengdu Rongguang Carbon Company Limited, Tianjin Jinghai Carbon Plant and Liao Yang Carbon Factory, the three producers from PR China have responded to the questionnaire. The Authority also notes that in response to the letter dated 12<sup>th</sup> December, 2002 by the Authority, the exporter has responded indicating that various laws being adhered to by them qualify them to be considered as market economy. The Authority notes that no specific evidence has been provided by the exporter to be operating on the market economy principles. Therefore the four parameters as indicated in Paras 7 and 8 of Annexure II of the Anti dumping Rules as amended have not been appropriately rebutted. The Authority also notes that as regards India being considered as a surrogate country, the exporter has not provided any comments. The Authority therefore considers India as a surrogate country for the purpose of constructing the Normal Value. The Authority has constructed the weighted average Normal Value in accordance with the existing Anti Dumping Rules for Normal Power Grade and High Power Grade Graphite Electrodes as \*\*\*\*\$/MT.

## 2. Export Price

As regards the Ex-factory export price for the three producers, the Authority has considered FOB/C&F price of exports as indicated by the exporter/producer appropriately and has allowed adjustments on account of ocean freight, ocean insurance, shipping charges and port expenses as claimed by the exporter. The Authority also notes that ex-factory export price indicated by the producers to the exporter is higher than the ex-factory export price as evaluated by the Authority. The Authority notes that the producers have therefore incurred loss on sales to the trader. The Authority notes that as per balance sheet of the exporter, it shows a profit of \*\*\*\*% on the total sales turnover. Keeping in view that there have also been losses incurred in the export transactions to India, the Authority proposes to consider a mark up @ \*\*\*\*% as the commission to the exporter by the producers for evaluating the ex-factory price at the level of the producer. Thus in addition to the adjustments as indicated by the exporter, therefore the Authority has considered commission @ \*\*\*\*% to the exporter also for determining the ex-factory export price. The ex-factory export price for the three producers viz. M/s Chengdu Rongguang Carbon Company Limited, Tianjin Jinghai Carbon Plant and Liao Yang Carbon Factory when exported through M/s Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. comes to \*\*\*\*, \*\*\*\* and \*\*\*\* \$/MT respectively. The dumping margin on the basis of the above comes as follows:-

| Producer/Exporter   | Dumping Margin (%) |
|---|--------------------|
| Chengdu Rongguang Carbon Company Limited (Producer) and Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd.(Trader) | 10.85              |
| Tianjin Jinghai Carbon Plant(Producer) and Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd.(Trader)              | 59.42              |
| Liao Yang Carbon Factory (Producer) Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd.(Trader)                     | 37.88              |

As regards other non-cooperating producer/exporter, the Authority proposes to consider the least export price to India of the subject goods during Period of Investigation as per data made available by the cooperating producers/exporter. The ex-factory export price is proposed to be referenced as \*\*\*\*\$/MT. As regards the Normal Value, the Authority has considered the Normal Value as considered for the cooperating producers/exporter as \*\*\*\*\$/MT. The dumping margin comes to 60.10% (\*\*\*\*\$/MT).

4. Export of Ultra High Power Grade Graphite Electrodes to India

The Authority notes that during the Period of Investigation (POI), there have been no imports of Ultra Power Grade (UHP) Graphite Electrodes in India. The Authority therefore cannot evaluate the ex-factory export price to India for the UHP Grade. Since the dumping margin for UHP Grade cannot be evaluated, the submissions on the continuance of dumping and injury have been appropriately dealt by the Authority separately.

5. INJURY AND CAUSAL LINK

The Authority notes that as per Section 9A(5) of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 “the anti dumping duty imposed under this section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:

Provides further that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension:

Provided further that where a review initiated before the expiry of the aforesaid period of five years has not come to a conclusion before such expiry, the anti dumping duty may continue to remain in force pending the outcome of such a review for a further period not exceeding one year”.

Also under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, “.....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

Since under the present investigation it is to be evaluated as to whether cessation of anti dumping duties would lead to continuance or recurrence of dumping and injury, the Authority has considered appropriate injury parameters as indicated in Annexure II(iv) of the Rules supra to evaluate this aspect.

The Authority notes the following economic parameters in the case of domestic industry relating to **Normal Power Grade (NPG)**:-

(a) Industry's Total Sales, Volume & Value:

(Rs. in lakhs)

| Year                     | Sales<br>Volume<br>(MT)<br>(Indigenous) | Sales<br>Volume<br>(MT)<br>(Exports) | Sales<br>Value<br>(Indig<br>enous) | Sales<br>Value<br>(Exports) |
|--------------------------|---|--------------------------------------|------------------------------------|-----------------------------|
| 1998-1999                | ***                                     | ***                                  | ***                                | ***                         |
| 1999-2000                | ***                                     | ***                                  | ***                                | ***                         |
| 2000-2001                | ***                                     | ***                                  | ***                                | ***                         |
| Apr-Dec.01               | ***                                     | ***                                  | ***                                | ***                         |
| Apr-Dec.01<br>Annualised | ***                                     | ***                                  | ***                                | ***                         |

The Authority notes that there is an increase of 31.4% in Sales Volume (both Indigenous & Exports) & 20.3% increase in Sales Value (both Indigenous & Exports) in Period of Investigation i.e. April-December, 2001 (Annualised) over the year 1998-99.

b) Output/Productivity & Capacity utilization:

| Year                      | Capacity (MT) | Production (NPG) (MT) | Total Production (NPG + UHP) (MT) | Capacity Utilization (%) |
|---------------------------|---------------|-----------------------|-----------------------------------|--------------------------|
| 1998-1999                 | 55900         | 17475                 | 40952                             | 73.3                     |
| 1999-2000                 | 55900         | 17672                 | 43700                             | 78.2                     |
| 2000-2001                 | 55900         | 22005                 | 53126                             | 95.0                     |
| Apr. -Dec. 2001           | 44175         | 18954                 | 41506                             | 94.0                     |
| Apr.-Dec. 2001 Annualised | 58900         | 25272                 | 55341                             | 94.0                     |

The Authority notes that there is 44.61% increase in production during the period of investigation i.e. April – December, 2001 (annualised) over 1998-99 and substantial increase in Capacity Utilisation during the same period.

(c) Inventories:

The inventories of the Petitioner for NPG grade has decreased from \*\*\* MT during 1998-99 to \*\*\* MT during the period of April – December, 2001

(d) Employment:

The number of employees have reduced from \*\*\* during 1998-99 to \*\*\* in the period April-December, 2001 thus showing a reduction of 5.6%. It is noted that this reduction is due to internal restructuring in the industry.

(e) Wages:

No impact on wages as wages are determined according to the Labour Laws. The wages cannot be changed according to the financial health of the petitioner companies.

(f) Increased imports from the subject countries:

The Authority notes that the imports from China have gone upto 580 MT in Period of Investigation in comparison to the financial year 1998-1999.

| Year                          | Imports from subject countries |
|-------------------------------|--------------------------------|
| 1998-1999                     | 425                            |
| 1999-2000                     | 454                            |
| 2000-2001                     | 325                            |
| Apr.-Dec.2001                 | 435                            |
| April – Dec.2001 (Annualised) | 580                            |

(g) Selling Prices of products:

The Authority notes that average selling price of the products (excluding excise duty and sales tax) has improved from Rs. \*\*\* in the year 1998-99 to Rs. \*\*\* during the POI.

| Year             | Rate Per MT Rs. |
|------------------|-----------------|
| 1998-1999        | ***             |
| 1999-2000        | ***             |
| 2000-2001        | ***             |
| April – Dec.2001 | ***             |

(h) Evidence of lost contracts:

The domestic industry has not provided any evidence in respect of lost contracts.

(i) Magnitude of Margin of Dumping:

The Authority notes that the highest margin of dumping works out to 59.42%

(j) Actual and potential negative effect on cash flows:

The domestic industry manufactures NPG & UHP Grades under similar plant facility. The authority notes that majority share of the production is exported. In absence of separate details for products, actual and potential negative effect on the cash flow can not be worked out.

Further, in view of the increase in profit (both indigenous & exports) from Rs. \*\*\* Crores in 1998-99 to Rs. \*\*\* crores in POI showing an increase of 58.6% in the POI over year 1998-99, there appears to be no adverse impact on cash flow.

(k) Growth:

The Authority notes that the analysis of the production and sales from the year 1998-99 to the POI shows reasonable growth. The production has increased by 44.61%, the capacity utilisation increased by 28.2% and sales volume increased by 31.4% during this period. The authority, therefore, notes that the industry grew in a phased way.

(l) Threat of Injury:

The Industry has stated that there is substantial threat of injury from China. The authority notes that the imports from China in respect of NPG category increased from 425 MT during 1998-99 to 580 MT during the POI.

(m) Market Share of Imports from Subject Country (% of Total Demand):

As stated by the domestic industry, the market share of imports & indigenous is as follows:

| Year                         | Imports<br>( %) | Indigenous<br>(%) |
|------------------------------|-----------------|-------------------|
| 1998-99                      | 4.0             | 95.4              |
| 1999-00                      | 4.6             | 95.6              |
| 2000-01                      | 3.5             | 96.6              |
| Apr.— Dec. 01                | 6.6             | 93.7              |
| Apr.— Dec.01<br>(Annualised) | 6.6             | 93.7              |



The Authority notes that the share of imports has increased marginally during POI over the year 1998-99

(o) Return on Investment (Capital Employed):

The Authority notes that the net worth of the domestic industry increased from Rs. \*\*\* lakhs to Rs. \*\*\* lakhs showing an increase of 22.72% during POI over the year 1998-99. The capital investment on account of expansion also increased to Rs. \*\*\* lakhs from Rs. \*\*\* lakhs showing an increase of 19.1% during POI over the year 1998-99.

(p) Price Underselling:

The landed value of the imports from China has been adjusted by adding 20% on account of inferior quality. The Authority notes that the landed value of the product under consideration from China is lower than the price domestic industry ought to have realized on the sales of the subject goods.

(q) Price undercutting:

The imports from China of the subject goods are of inferior quality. The impact of price under cutting, thus cannot be worked out.

(r) Cost of sales:

The Authority notes that there was decrease in cost of sales to the extent of 7.06% for indigenous market and 15.48% for export market during POI over the year 1998-99.

The Authority notes the following economic parameters in the case of domestic industry relating to **Ultra High Power Grade (UHP):-**

(a) Industry's Total Sales, Volume & Value:

(Rs. in lakhs)

| Year                     | <u>Sales<br/>Volume<br/>(MT)</u><br>(Indigenous) | Sales<br>Volume<br>(MT)<br>(Exports) | Sales<br>Value<br>(Indig<br>enous) | Sales<br>Value<br>(Exports) |
|--------------------------|--|--------------------------------------|------------------------------------|-----------------------------|
| 1998-1999                | ***  | ***                                  | ***                                | ***                         |
| 1999-2000                | ***  | ***                                  | ***                                | ***                         |
| 2000-2001                | ***  | ***                                  | ***                                | ***                         |
| Apr-Dec.01               | ***  | ***                                  | ***                                | ***                         |
| Apr-Dec.01<br>Annualised | ***  | ***                                  | ***                                | ***                         |

The Authority notes that there is an increase of 33.7% in Sales Volume (both Indigenous & Exports) & 23.1% increase in Sales Value (both Indigenous & Exports) in Period of Investigation i.e. April-December, 2001 (Annualised) over the year 1998-99.

b) Output/Productivity & Capacity utilization:

| Year                         | Capacity<br>(MT) | Production<br>(UHP)<br>(MT) | Total<br>Production<br>(NPG +<br>UHP)<br>(MT) | Capacity<br>Utilization<br>(%) |
|------------------------------|------------------|-----------------------------|---|--------------------------------|
| 1998-1999                    | 55900            | 23477                       | 40952   | 73.3                           |
| 1999-2000                    | 55900            | 26028                       | 43700   | 78.2                           |
| 2000-2001                    | 55900            | 31121                       | 53126   | 95.0                           |
| Apr. -Dec.2001               | 44175            | 22552                       | 41506   | 94.0                           |
| Apr.-Dec. 2001<br>Annualised | 58900            | 30069                       | 55341   | 94.0                           |

The Authority notes that there is 28.07% increase in production during the period of investigation i.e. April – December, 2001 (annualised) over 1998-99 and 28.2% increase in Capacity Utilisation during the same period.

(c) Inventories:

The inventories of the Petitioner for UHP grade has decreased from \*\*\* MT during 1998-99 to \*\*\* MT during the period of April – December, 2001 showing a decrease of 36%

(d) Employment:

The number of employees have reduced from \*\*\* during 1998-99 to \*\*\* in the period April-December, 2001 thus showing a reduction of 5.6%. It is noted that this reduction is due to internal restructuring in the industry.

(e) Wages:

No impact on wages as wages are determined according to the Labour Laws. The wages cannot be changed according to the financial health of the petitioner companies.

(f) Increased imports from the subject countries:

The Authority notes that there has been no imports of UHP from the subject countries i.e. USA, Germany, Belgium, Austria, France, Spain and Italy from the year 1998-99 to POI.

(g) Selling Prices of products:

The Authority notes that average selling price of the products (excluding excise duty and sales tax) has improved from Rs. \*\*\* in the year 1998-99 to Rs. \*\*\* during the POI.

| Year             | Rate Per MT Rs. |
|------------------|-----------------|
| 1998-1999        | ***             |
| 1999-2000        | ***             |
| 2000-2001        | ***             |
| April – Dec.2001 | ***             |

(h) Evidence of lost contracts:

The domestic industry has not provided any evidence in respect of lost contracts.

(i) Magnitude of Margin of Dumping:

The Authority notes that in the absence of any imports from the subject countries from 1998-99 to the POI i.e April-December, 2001, the calculations in respect of magnitude of Margin of dumping are not called for.

(j) Actual and potential negative effect on cash flows:

The domestic industry manufactures NPG & UHP Grades under similar plant facility. The authority notes that majority share of the production is exported. In absence of separate details for products, actual and potential negative effect on the cash flow can not be worked out.

Further, in view of the increase in profit (both indigenous & exports) from Rs. \*\*\* Crores in 1998-99 to Rs. \*\*\* crores in POI showing an increase of 48.8% in the POI over year 1998-99, there appears to be no adverse impact on cash flow.

(k) Growth:

The Authority notes that the analysis of the production and sales from the year 1998-99 to the POI shows reasonable growth. The production has increased by 28.07%, the capacity utilisation increased by 28.2% and sales volume increased by 33.7% during this period. The authority, therefore, notes that the industry grew in a phased way.

(1) Threat of Injury:

The Industry has stated that the exporter has multi national and multi location production facilities. The exporter uses these facilities strategically to continue dumping causing injury to the domestic industry. Thus, there is an unambiguous indication that cessation of anti-dumping duties is likely to lead to recurrence of dumping from the same sources all over again. The authority notes that M/s. SGL Carbon have indicated their export prices to other parts of the globe during 2001. The average export prices to the Far East, Middle East is \*\*\* \$/MT. The average export price of their global exports is \*\*\*\$/MT. With the exchange rate and customs duties as prevalent during the POI on the basis of the export prices for the Asian region, it is noticed that the average landed value if exported to India at the price of the Asian region would come to \*\*\*\$/MT (Rs. \*\*\*/MT). The Non Injurious price for the UHP grade during this period has been worked out to Rs. \*\*\*/MT (\*\*\*\$/MT). This implies that the presumption that the injury would have reoccurred if the anti-dumping duty is withdrawn is not tenable since even without the levy of anti-dumping duties, the landed value is more than the Non-Injurious Price. Also it may not be appropriate to presume that M/s. SGL Carbon is dumping the goods all over the globe and is facing severe losses. Even if their least export price of \*\*\*\$/MT is picked up, it would imply a landed value of \*\*\*\$/MT (Rs. \*\*\*/MT). Therefore, there does not appear to be sufficient evidence that if the anti-dumping duties were withdrawn, the dumping and injury will recur.

(m) Return on Investment (Capital Employed):

The Authority notes that the net worth of the domestic industry increased from Rs. \*\*\* lakhs to Rs. \*\*\* lakhs showing an increase of 22.72% during POI over the year 1998-99. The capital investment on account of expansion also increased to Rs. \*\*\* lakhs from Rs. \*\*\* lakhs showing an increase of 19.1% during POI over the year 1998-99.

(n) Price Underselling/price undercutting:

The Authority notes that in the absence of any imports of UHP Grade from the subject countries from the year 1998-99 to the Period of Investigation, the impact of price underselling/price undercutting cannot be worked out.

(o) Cost of sales:

The Authority notes that there was decrease in cost of sales to the extent of 14.02% for indigenous market and 7.92% for export market during POI over the year 1998-99.

The Authority notes that there have been exports of Normal Power Grade/High Power Grade from PR China and that dumping margins for the cooperating and non-cooperating exporters have been evaluated more than de-minimis. The Authority has evaluated the landed value of the dumped goods by considering applicable customs duty on assessable value except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9A, 9A of the Customs Tariff Act, 1975 and compared the same with the Non-Injurious Price determined for the Domestic Industry during the Period of Investigation to arrive at the injury margins.

In respect of UHP grade, the Authority has also referenced the judgement of Hon'ble CEGAT for Sunset Review case of IBB. The Authority notes the submissions made by the Domestic Industry regarding the multi-nationals now dumping the goods from new sources viz. Brazil and Poland in view of anti dumping duties already existed on the subject countries in the current investigation. The Authority also notes that M/s SGL Carbon have indicated its export price to various countries other than India including Far-East Asian countries and Middle East Asian countries. The Authority notes that during the Period of Investigation there have been no imports of Ultra High Power Graphite Electrodes from these countries to India.

The Authority notes the submissions made on the market structure and the pricing policy of multi-national companies which would cause injury if the anti dumping duties were removed. The Authority notes that the analysis of economic indicator imply that the industry has improved its performance and the economic indicator imply that the cessation of anti-dumping duty on the subject goods from the subject countries will not lead to continuance or recurrence of dumping and injury to the domestic industry and therefore the Authority recommends discontinuance of the anti-dumping duty on the subject goods (UHP grade) from the subject countries except China (NPG grade).

The Authority notes the submissions made by the Chinese exporter regarding price undertaking on exports to India. The Authority notes that an opportunity was provided to the exporter with a format of price undertaking so as to enable them to consider the issue appropriately. The Authority notes that though a willingness was shown by the exporter to undertake price undertaking however, no firm offers were made.

#### 6. LANDED VALUE

The landed value has been determined for the subject goods after adding on weighted average CIF export price, the applicable level of custom duties (except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A) and one percent towards landing charges.

#### D. CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing that:

- (a) The Graphite Electrodes (NPG) originating in or exported from China have been exported to India below its normal value;
- (b) The various economic indicators and injury parameters imply that the cessation of anti dumping duty on the subject goods will not lead to continuance or recurrence of dumping and injury and therefore the Authority recommends discontinuance of anti dumping duty on Graphite Electrodes (UHP) exported to India from subject countries except China.

- (c) It is considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or lower so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties as in Column 3 be imposed on all Imports of subject goods (Normal Power Grade) originating in or exported from People's Republic of China.

| Sl. No. | Particulars  | Amount of Duty \$/MT |
|---------|--|----------------------|
| 1.      | Chengdu Rongguang Carbon Company Limited (Producer) and Liaoning Jiayi Metals & Minerals Co. Ltd. (Trader) | NIL                  |
| 2.      | Tianjin Jinghai Carbon Plant (Producer) and Liaoning Jiayi Metals and Minerals Co. Ltd (Trader).           | 234.54               |
| 3.      | Liao Yang Carbon Factory (Producer) Liaoning Jiayi Metals and Minerals Co. Ltd. (Trader)                   | NIL.                 |
| 4.      | All other exporters/producers from China   | 508.506              |

- (d) An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise, Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority and Addl. Secy.